

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 35]

नई बिल्ली, शनिवार, अगस्त 29, 1992 (भारपव 7, 1914)

No. 351

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 29, 1992 (BHADRA 7, 1914)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी खाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके । (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग 111-खण्ड 4 [PART III—SECTION 4]

सांबिधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सुबनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies

कर्मचारी राज्य कीमा निगम नर्ड दिल्ली, दिनांक 8 ज्लाई, 1992

यू ०-16 / 53 / 90-चि०-2-तमिलनाड् --कर्मचारी राज्य बीमा (साक्षारण) विनियम, 1950 के विनियम-105 के तहत भहानिदेशक की निगम की णक्तियां प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की दिनांक 25 श्राप्रैल, 1951 को हई बैठक में पास किए गए संकल्प के अनुसरण में तथा महानिदेणक के आदेण संख्याः 1024. जी दिनांक 23 मई, 1983 द्वारा ये शक्तियां आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा छा० टी० मोहस्मद गोरुसे 143, सटेरलींग रोड, मद्रास-34 की तमिलनाड में भद्रास केरद्र के लिए बीमाकृत क्यक्लियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल प्रमाण-पन्न की सत्यता संदिग्ध होने पर आगे प्रमाण-पत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए दिनांक 1-4-1992 से 31-3-1993 तक या किसी पूर्णकालिक चिकित्सा निर्देशी के कार्यभार ब्रहण करने तक इनमें से जो भी पहले हो, मौजदा शर्ती पर मानकों के अनुसार गासिक पारिश्रमिक की अदायगी पर चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती हैं।

> डा० (श्रीमती) ए० ए० अम्बेकर विकिल्मा आध्वत

यस्य मंत्रालय यस्त्र समिति

मुंबई-400 009, दिनांक 5 अगस्त 1992

ग्रिपत

मं० 80(24)/92-एडी--भारत के राजपन्न सं० 12 दिमांक 21-3-92, भाग-III, खंड-4 के पृष्ठ 651 से 653 तक "पालिएस्टर--विस्कोस अलेंडेड फेब्रिक्स निरीक्षण (संशोधन) विनियम, 1992 में संबंधित प्रकाणित अधिमूचना सं० 12020/28/91/टी० एण्ड जे० II, दिनांक 17 फरवरी 1992 में पृष्ठ 651 पर विनियम 2 की प्रथम पंक्ति में "विस्कोपस" शब्द के स्थान पर "विस्कोस" शब्द पढ़ा जायेगा। ग्रीर पृष्ठ 652 पर विनियम (6) के (सी) की चौथी पंक्ति का प्रथम शब्द 'भेजो" शब्द के स्थान पर "भेजे" शब्द पढ़ा जायेगा।

आर० के० शर्मा सचिव

श्रुद्धि पन्न

सं० 80(23)/92-एडी - भारत के राजपल सं० 12 विनांक 21-2-92, भाग-III, खंड-4 के पृष्ठ 653 व 654 पर मैंनमेड फाइबर फैबिक्स, निरीक्षण (संगोधन) विनियम, 1992 से संबंधित प्रकाशित अधिसूचना सं० 12020/30/91/टी०एड जे०-II, में पृष्ठ 653 के विनियम 2 (सी) के द्वितीय पैरा की चौथी पंक्ति में "तरन्त्" शब्द के स्थान पर "परंतु" शब्द पढ़ा जायेगा । पृष्ठ 654 पर विनियम (६) (डी) की पांचवी पंक्ति में "मिजों" गब्द के स्थान पर "मिलों" गब्द पड़ा जायेगा।

आर० के०**णम**ि सचिव

भारतीय विधिन्न परिषद

गर्घ विल्ली, दिनौंक 12 अगस्त 1992

भारतीय विधिज्ञ परिषद ने 27 ग्रीर 28 जून, 1992 को हुई अपनी बैठक में भाग ~ 6 के अध्याय — II, में नियम 40 को संगोधित किया है।

नियम 40 के वितीय परंतुक के पश्चान निम्नलिखित परंतुक ओड़ा जाएगा, अर्थात :--

"परंतु यह और कि कोई अधिवक्ता 10 रुपए के वार्षिक संदाम के स्थान पर 100 रुपए की समेकित रकम का संदाय करने के लिए स्वतंत्र होगा । यह आजीवन संदाय होगा जो संबद्ध राज्य विधिश परिषद द्वारा नियनकालिक निक्षेप में रखा जाएगा और व्याज का उपयोग इस नियम के प्रयोजनों के लिए किया जाएगा । किंतु संबंधित अधिवक्ता द्वारा इस समेकित संदाय के पूर्व किया गया संदाय अनःय होगा क्रीर उस संदाय के लिए कोई मुजरा नहीं विया जाएगा।"

> सी०एम० अस्तरामन स्थानापन्न सचित्र

नाजिम दरमाह स्वाजा साहब

मार्षिक निर्पोर्ट दरगाह कमेटी दरगाह सवाजा साहव, अजमेर---वर्ष 1989--90 अजमेर, दिनांक 12 अगस्त 1992

- प्रस्तावना: --दरगाह कमेटी के समक्ष वर्ष 1989--90 की वार्षिक रिपोर्ट प्रम्तुत करते का मुझे यह मुअवसर मिला है।
- 2. इस वर्ष दरगाह कमेटी के निस्त पदाधिकारी व सदस्य थे:--

1. जसाब मुहम्मव जमां आरिफ	अध्यक्ष
2. जनाब रईस मियां चिक्सी	उपाध्यक
3. जनाब एम० एस० फ़ारूकी	मदस्य
4. जनाव स्वाजा हसन सामी निजामी	सुदस्य
 अनाम जान मुहस्मव खान 	सदस्य
 अनाव जलाल उद्दीन अभ्युल मतीन 	सदस्य
7. जनाव साह हुसैन अहमद अहमदी	सदस्य
 असाब क्याजा अस्मद निजामी 	सदस्य
 जनाव पीरजादा गडवीर नक्याबन्दी 	भदस्य

3. वर्ष 1989-90 की अवधि के लिए जनाय मुहम्मद कमा आरिक व जनाब रईस मिया विश्ती क्रमशः दरगाह कमेटी के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष चुने गए।

4. विसीय स्विति

वर्ष 1989-90 की अवधि की विलीय स्थिति वर्ष 1988-89 की तुलना में इसप्रकार रही:---

गत वर्ष की शेष राणि	1-4-1988	1-4-1989
वाल् खाता	9,43,019	9,54,484
मियादी जमा	10,61,371	18,01,371
प्रतिभृतियां	2,000	2,000
कुल योग	20,06,390	27,57,855

अाय .	1988-89	1989-90
राजस्य	29,44,977	34,98,960
पूजी	1,57,101	22, 528
ऋण	5,00,000	
	36,02,078	35,21,488
श्यय		
 राजस्य	21,05,490	28,57,387
पृंजी	7,45,122	13,13,483
_	28, 59, 612	41,70,870
	31-3-89	31-3-90
चालु खाना	9,54,484	7,96,474
मियाची जमा	18,01,371	13,10,000
प्रतिभृतियां	2,000	2,000
	27,57,855	21,08,474

5. दरगाह कमेटी के ब्रारा 2 निजी भवतों की खरीदवारी:---निस्त दो निजी सम्मितियों जो गेस्ट हाऊन के ज्लाक 'सी' व 'डी' से मिली हुई है, को गेस्ट हाऊम बनाने के लिए खरीदारी की कार्यवाही पूर्ण की गई :--

कार्यवाही पूर्णकी गई:---

(अ) मकान नं े 6 ~ 631

2. 30 পাজ

(ब) मकान नं ० 34/526

1.75年10日

सम्पत्तियों की कीमत 4.25 लाख रुपए के अतिरिक्त र्राजस्ट्रेशन फीस इत्यादि में 59.475.20 रुपए और ब्यय हुए हैं। यह सम्पत्तियां दरगाह कमेटी ने जायरीन को और अधिक सुविधा प्रदान करने हेतु गेस्ट हाऊस के निर्माण के लिए खरीदी है, ताकि दरगाह की जियारत करने आने वालो को ऑप अधिक सुविधाएं प्रदान की जा सकें।

- री–त्रायरिंग दरगाह पात्रर हाऊस :-- दरगाह शरीफ के पावर हाऊम की री-वायरिंग कराई गई है स्त्रीर तीनों जनरेटर सेट्स एक बड़े हाल में शिफ्ट कर दिए गए हैं।
- 7. उसे मुबारक हजरत ख्वाजा मुईनुद्दीन विक्ती (रह):---हजरत ख्याजा मुईनुद्दीन विक्ती (रह्र) का सर्जाना उसे 1 रजब 1410 हिजरी मुताबिक 28 जनवरी 1990 स

मुरू होकर बड़े कुल की रस्म के साथ 9 रजब 1410 हिजरी मृताबिक 5 फरवरी 1990 को सम्पन्न हुए। प्रथम दो दिनों तक तो जायरीन की संख्या कम रहीं परन्तु नीसरी रजत्र से जायरीन की संख्या अचानक बढ़ गई । छ: रजब को णुकवार व छठी गरीफ होने के कारण जायरीन की लादाद लगभग 3 लाखा रही।

दरगाह प्रशासन व जिला प्रशासन की सनर्कता, कठोर व उत्तम प्रशासनिक व्यवस्थास्रों के कारण सभी कार्य अच्छी प्रकार से पूर्ण हुए भ्रौर जुम्में की नमाज शांतिपूर्वक अदा हुई।

दरगाह प्रशासन ने लगभग 130 लाउड स्पीकर्स दरगाह से ढाई बिन का झोपड़ा, क्लाक टावर, विश्वाम स्थल, चौक पन्नी ग्राम तक प्रसारण हेतु लगाए थे। इसी प्रकार गांति व्यवस्था अनाए रखने के लिए दरगाह परिसर में 5 क्लोज सर्किट टी० वी० भी लगाए गए थे।

पूरे उसे की अवधि में सभी प्रबन्ध विशेषकर पुलिस, जल, त्रिजली, सफाई व्यवस्थाएं उत्तम व सन्तोषप्रद रहीं।

निम्न त्रिभागों ने दरगाह गेस्ट हाऊस में अपने-अपने काउन्टर खोलकर जायरीन की मुक्किया हेतु 24 घंटे अपनी सेवाएं अपित कीं:

रेलवे बुकिंग, रोडवेज बुकिंग, बैंक, पोस्ट आफिस, टेलीग्राफ ।

आतं इण्डिया स्काउट्स भारत गाइड्स इलाहाबाद ग्रीर स्थानीय स्काउट्स की सेवाएं निवेदन कर ली गयी, जो अति उत्साह व श्रद्धापूर्वक अपित की गई हैं। बुलस्य दरवाजा पर पूछताछ कार्यालय चौबीसों घन्टे खुला रहा ग्रौर गुमणुदा बच्चों व लोगों को मिलाया । दरगाह परिसर में जायरीन की सुविधा हेसु पांच दवाखाने उसे अवधि में चौबीस घंटे खुले रहे।

इस वर्ष 400 पाकिस्तानी जायरीन उर्स में गरीक होने के लिए अजमेर आए, जिन्होंने चादर भी पेश की ।

- वरगाह गरीफ की रहमें :--हजरत ख्वाजा साह्य के पीर—→ स्रो मुर्शिद हजरत ख्वाजा उस्मान हारून (रह) की वार्षिक उसं, छठी गरीफ, चौदहवीं शरीफ, जुम्मेरात की महियति व अन्य महीफिलें मन्तोषजनक तरीके से सम्पन्न हुई। खुल्फायेरा गैंदीन के एरास, मुहर्रम व ईद मीलाद उन नकी भी निर्यामत व सही तरीके से सम्पन्न हुए।
- 9. अति-गणमान्य व्यक्तियां आमद :---निम्न बी० वी० आई० पी० ने इस वर्षदरगाह शरीफ में हाजिर होकर अपने श्रद्धा सुमन अपित किए :--

महामहिम श्री आर० वेंकटरमण

राप्ट्रपति भारत

2. महामहिम श्री शंकरदयाल शर्मा

उप--राष्ट्रपति भारत

महामहिम के० वी० पी० सिह्

प्रधान मंत्री भारत

श्री मुक्ती मुहम्मद मईद

गृह मंत्री

श्रामहबूब-उर-रहमानः

जूट मंत्री, अंगला देश

10. कल्याणकारी गतिविधियां तथा आर्थिक सहायता :---वर्ष 1989-90 के दौरान निम्नलिखिन कल्याणकारी तथा सामाजिक गतिविधियों परव्यय किए गए:---

- (1) मेडिकल तथा टेक्नीकल विद्यार्थियों की सहायता:——
 11,116/— ग्यारह हजार एक सौ गोलह रुपये योग्य ब्रोर जरूरनमंद छावों को 100/- एक प्रतिमाह की दर में छात्रवृत्ति देने में व्ययहुए।
- (2) विधवाधी सथा जरूरतमन्दीं की सहायता:--49,567/-- रुपए की आर्थिक सहायता खादिमीं, गैर-खादिमीं
 परिजादीं व अन्य स्थानीय व अजमेर के वाहर की विधवाधीं
 को माली मदद के रूप में दी गई।
- (3) तजहीज व तकफीन:—-22,726/- बाईस हजार सात सौ छब्बीस रुपए लावारिस लागों को जिनके वारिश दफन कफन का खर्च करने में असमर्थ थे, परच्यय किए गए।
- (4) निर्धन छात्रीं, बीमारों श्रीर मुनीबन में फर्स लोगों की आर्थिक सहायता:—11,380/— रुपए उपरोक्त विवरणानुसार लोगों को आर्थिक महायता के रूप में प्रदान किए गए।
- (5) 500/- रुपये की मासिक आधिक सहायता मुहस्मद अली मेनोरियल हायर मेकेन्द्री स्कूल व्यायर का वर्ष 1989-90 में दी गई।

- (6) कर्भच।रियों व अन्य को चिकित्सा महायता :--17,047/- रुपए चिकित्सा महायता के रूप में दरगाह के कर्मचारियों व अन्य को तकसीम किए गए।
- (7) मुक्त दवाएं व डिल्पेंसिरियों का रख-रखाय:---दरगाष्ट्र कमेटी की ओर से सूनानी व होन्योपैषिक दो डिल्पोंसिरिया चलाई जा रही हैं जिन पर वर्ष 1989-90 में 71,927/--रुपए का व्यय हुआ।

लंगर रमजान:--- पूरे रमजान में प्रतिदिन 300 गरीब रोज-दारों को दो दक्त का खाना दिया गया। इसके अतिरिक्त केन्द्रीय कारागृह में वर्षे, शक्कर, खजूर इत्यादि बहां अन्धी धनाए गए रोजदारों को पूरे रमजान भेजा गया। इस पर 27,734/- रुपए व्यय हुए।

लंगर रोजाना.---वर्गर जाति भेट भाव के गरीबो व जङ्रतमंदों को प्रतिदिन दोतों समय लंगर बताकर तकसीम किया गबा। इसलंगर पर 89,526/- स्पण्टस्य हुए।

मीरिंग:—दरगाह कमेटी की इस वर्ष 4 वंटके आयोजित हुई।

नाजिम,

धरगाह खवाजा साहब

दिनांक : 31-3-92

अजमेर

दिल्ली विश्वविद्यालय

बर्ष 1989-90 के लेखे तथा क्षेत्रा-परीक्षा रिपोर्ट

श्वियरण मंख्या~ (

विश्लो निश्वविद्यालय का तुनन-पत्त अ१--३--१९९० की

1-3-89 को	निधिया तथा देयताए	3 1−3−9 0 को
1	2	2
स्पाए	निधिया	रुपाएं
42,69,94,624	। अनुवान	47,86,28,689
47,18,166	2. उपहार तथा दान	47, 18, 166
1,72,90,473	 भविष्य निधि 	24,58,52,137
63,25,497	मृह्य स्नाम आरक्षित निधि	67.25,558
2, 37, 458	5. प्रकाशन निधि	2,32,753
10,24,322	G. कुलपनि का छात्र ⊸निधि	14,41,436
1,61,41,973	7. अंदोवस्त निधि मेखा	1, 46, 84, 942
4,25,556	 वाहनऋण निधि 	4, 28, 451
6, 13, 07, 063	 गृह निर्माण ऋण निधि 	6,95,90,791
2,30,780	1 । प्रकाशन परिकामी निधि	2, 11, 417
3,75,514	া । - गयल्टी निधि (अब्रेजी सिभाग)	4,34,149
1,60,487	12. 'ओरिएण्डल इन्सेक्ट्स के प्रकाशन की निध	1,68,707
25,95,158	13 हिन्दी माध्यम कार्यान्वयत्त निदेशानय निधि	31,47,818

31-3-90 ₹	निधियौ तथा वैयनाएं	31-3-89 को
	दयलाग्	
2,49,35,99	 (क) अप्रयुक्त अनुदान 	2, 39, 84, 952
1,35,00,00	(ख) पेशसी प्राप्त हुआ अनुरक्षण अनुदान	1.60,00,000
16,29,61	2 विज्ञान अवधान राणि तथा पुरुषकालय जभा गामियां	37,13,759
25,07,98	 ठॅकेवार की अमानमें 	21,57,148
15,65.54	 काश्रव्भियों की नमा राणि 	27,88,591
1,19,10,14	अनुसंधान योजनाओं की जमा राणि	1,03,45,342
6,31.95	 ग्रीपम स स्थान, मंगोल्ड्यों, कार्य गालाओं गोर्टियों इ-यादि की जमा राणियां 	10,22.717
35,37,44	7. अस्य जमा राणिया और प्रेयेगाएं	1,07,577
1.44,17.52	s. देय राणि	42,95,445
2	9 पुस्टक बैक (शिक्षा विभाग)	20
17.02,87	 राष्ट्रीय सेवा योजना 	25.58,754
4,27,30	11. प्रोप्न मथा अनुवर्गी णिक्षा लेखा	2,30,692
,	13 गृह कर लेखा	47,51,028
99,72	13 सामूहिक कीमा योजना संख्या	1,65,773
90,61,61,14	<u>19</u> 18	81,48,48,869

विल्लो विष्विष्यालय का तुलन-गत 31-3~1890 की

31-3-1989	परिसम्पश्चिया	31-3-1990 को
रुपा		ह्यग्
14,01,29,352	। भवन	16,15,28,797
1,21,27,102	⇒ भूमि	1,30,02,032
14.84.11,869	उ⇒फनींचर तथा उपस्कर	16,28,80,202
19,45,393	4 बाह्न	24,39,173
1, 46, 95, 297	5 वैज्ञानिक उपकरण	1,53,71,036
12,11,20,876	 पुरनके तथा पत-पत्निकाएं 	13.54,40,456
1,41.368	7 खेलकूद का सामान तथा ढ्राफियां	1, 56, 149
4,51,270	८ प्राप्य गणि	3,99,096
	9 भविषय भिग्नियो	, , , , , ,
13,22,96,500	(क) निवेष	18,32,31,300
4,92,44,643	(स्त्र) मित्रेणों पर प्राप्य ब्याभ	2,85,75,523
	10. प्रस्य निवेश	. ,
13,15,000	(क) मूल्य ह्यास आर्गक्षत निश्चि	13,65,000
1,78,000	(स्र) प्रकाशन निधि	1,83,000
3,80,500	(ग) कुलपति की छास्र–निधि	6,15,500
1,20,09,577	(घ) बन्दोधस्ती निधियां	1,25,99,164
89.817	(ङ) समाप-कार्यं थिभाग	89,817
23,89,100	(च) विज्ञान संबंधान राणि तथा पुरुषकालय जेगा	33,41,100
7, 30, 000	(छ) कम्प्यूटर केन्द्र की मशीनों का लेखा	1,30,000
3, 45, 000	(র) रायस्टी निश्चि (अंग्रेजी विभाग)	3,55,000

परिस	म्पतियां	31-3-1990
 (ল) নাস	नागत विकास लेखा	1,34,04,000
ट्या) प्रका	मन परिकामी नि धि	1,65,000
(ट) 'ओ	रेएण्टल इनसेक्ट्स के प्रकाशन की तिखि	1,00,000
(ড) হিন্	री माध्यम कार्यास्वय निष्ठंगालय निधि	13,00.00
(ড) বিদি	ार्थलेकार	1,35,000
पश्चियाँ	तथा ऋण	
(क) स्था	यी पेशगी	1.04,775
(ख) अस्य	। पेक्सियां	14.91,511
(ग) वाह	न ऋण	3,55,255
(घ) गृह्	निर्माण ऋण	6,47,93,900
विश्वविश्व	प्तम प्रेम	30,53,000
डेमू के प	ास अमाभन (समाध कार्यक्रिभाग)	4,795
आय से व्य	प्रका आधिक्य	1,98,60,949
अन्य अनुव	ान और यसूर्ली की शांस	33,94,350
वैंक में र	ोकड	7,62,76,068
সায়	<u>क्षेत्र का को को का प्रकार को को पत्र नो का को प्रोचन को को नो न्यू न्यू न्यू का का को को को पूर्व न्यू न्यू</u>	90,61,61,148

लेखों पर टिप्पणियां

1. सामान्यः

इन वार्षिक लेखों में अनुरक्षिण संस्थाओं/कालेजों के लेखे शामिल नहीं हैं, जिन्हें अंलग मे भेजा आएगा ।

3. परिसम्प्रियां कम मंख्या 11 (ऋ) अन्य पेशनियां

इन अंकड़ों में निम्नलिखित पेगियां शामिल नहीं हैं जिन्हें उनके अन्तिम लेखा। मद में वे लिया। गया है । इन पेणियों के समायोजन के लिए पेशियों के रजिस्टर पर ध्यान रखा जा रहा है और समायोजनाओं के लिए 31→3→1990 तक रोकी गई पेणियों की स्थिति को श्रेणीबार नीचे दिया जा रहा है

श्रेणी	पिछले बघी मे रुपए	1987-88 में रुप्रम्	1988-89 में रुपए	1989–90 में क्पार्	मोकुम्बा
1. भवन	32,443		27,413	22,33,636	22,93,492
2 फर्नीबर तथा उपस्कर	16,475	13,308	13, 36, 551	78.26.335	94, 12,669
 वैज्ञानिक उपकरण 	3,505	2,50,000	23.873	95,402	3,72,780
⊥ पुस्तके तथा पत्र⊸पत्रिका एं				1.38 015	1,38,015
5. बाहन			_	3,39,990	3.39,990
७ अनुसंधात योजनाए	04,027	8,243	1388,987	78,38,899	93.30,156
7. सगोष्ठी तथा अनुसंधान वृत्तियां	5,250		43,300	3, 25, 827	3,74,377
 अस्य पेशिया जिल्हें संबधित वयों के आय तथा व्यस लेखों मं 					
सिख लिया गया है।	4,29 762	5,27.850	24,93,361	50,06,295	84,57,268
जोड़	5,81,462	7,99,401	55,33,485	2,38,04,399	3,07,18,747

प्रमाणित किया जाता है कि विश्वविद्यालय को मिले अनुदान का उपयोग उन्हीं कार्यों के लिए किया गया है जिनके लिए उन्हें स्वीकृत किया गया था और दिया गया था ।

रा० कु० गोथल महायक कु नसचित्र (लेखा --1) दिल्ली विण्वविद्यालय दिल्ली हु० अयुर्नाय विच अधिकारी विस्ती विश्वविद्यालय दिल्ली शाम स्वक्ष्य गृप्त कोषाध्यक्ष विक्रती विश्वविद्यालय दिव्ही

		ं विवरण संख्या 2
many ang and and and and and any any angular and an and and an any angular and an angular and an angular and a	वर्ष 198990 की आग तथा ध्यथ लेखा	**************************************
षि 1988-89	आय	वर्ष 1989-90
	1. गैर क्षेत्रभाग लेखा	
το φ"ο	(अमुरक्षण अन्दान लेखा)	το ¶•
16.93,88,723,68	। अन्दान प्ंजीगत स्थय को छोड्कर	18,77,39,998.1
41,04,010.40	 छात्रों में प्राप्त गृश्क 	42,22,882 8
1,10,45,764,10	उपनेक्षा मुल्क	1,34,07,785.5
15.24,312,17	4 अस्य मारूक	17,02,032.5
2,30,772 00	5 स्वास्थ्य केन्द्र भीकतातः	2,17,632.5
2,82,715.16	e. प्रकाममां की बि की	3,56,119.3
1,21,574.50	प्रीटों कापी नैयार कराने के चार्चे	1,18,677.0
41,070 00	८. ग्राफिक आर्टसः सेंटर	- -
14,74,673.09	 लाइमींस शुरुक, जिल्ली, पानी के खर्चे इत्यादि 	16,98,892.1
	10. বিশিষ	
7,88,337,95	(क) व्याज	8,86,820.1
17,71,201,93	(আঃ) সদন দৰীকী দকমা	49,58,375.68
19,07,73,154.98	जोड़!	21,83,09,215,9
	II. योजनागत विकास लेखा	
	(अनुदारा, भनावर्गी अनुवासी की छोड़कर)	
2,98,329.72	(क) छटी योगना की म्कीमे	
1,50,000,00	(चा) सालवी सोजना की स्कीमे	41,86,457.9
	(ग) क्षेत्रीय अध्ययन कार्वकम-	
	चीन और जापान सम् च श्ती अध्यसन	\$2,225.6
~~	(च) त्रियोष सहायसा कार्यक्रम	68,95,000,0
	(क) अग्य मदों में आय	2,43,630.8
4, 45, 329 . 72	जोड़-II	1,14,12,354.4
19,12,18,484.70	गोड़–ा नंषा [[22.67,21 570.4
. 10 72 000 94	अाय से व्यय का अधिक्य	38,83,429.50
1,16,73,060.84		
20,28,91,545.54		23,06,04,999.9

बेतन नवा मते	अन्य प्रभार	中中	दिवरम	वेतत नथा भने	अन्य प्रभार	長
म् 0	ह0 प्रीम	रु ऐसे		क	रुठ पुसे	रू
		(1) मन्य	मैर योजनागन ब्यय (अनुरक्षण अनुदान लेखा)			
1,78,64,903,76	71,68,835, 20	2,59,33,738.96	1. सामान्य प्रशासन	2,03,54.723.10	56,80,900,75	2,70,35,632,85
49,95,214, 45	1.54,23,198,85	2,04,18,413.30	2. परोक्षा नियंत्रक का कामस्तिय	49,18,634,85	1,95,16,756,38	2,44,35,391,23
2,42,71,078.55	16,14,176 20	2 58,85,254.75	3. कला तथा झामाजिक संकाय	69, 49, 894, 119	12,13,321 16	2,81,63,215,25
2,52,33,078,45	33,11,893.54	2.85,44,971.99	4. विज्ञान संकाय	2,71,03,148,90	33,41,441.90	3,04,44,590,80
72,88,342 85	14,662,70	74,35,005.55	ह. विधि संकाय	77,35,475, 10	0.21,998,20	79,57,473, 30
19,93,085, 60	18,096, 90	20,11,181,60	_{6.} मंगीन तथा जीलत क् ला सं काय	21,44,906,00	15,475,00	21,60.381.00
29,10,550.45	1,42,813,70	30,53,364.15	7. संपितं सकाय	33,21,602,00	2,46,228,97	35,67,830 97
3,57,738 40	6,32,824.18	9,90,562,58	8. आयृदिझान तथा प्रो द्योविको संकाय	5,59,073,85	5,99,712,70	11,58,786,55
24,28,831.25	1,45,388,43	25,74,219.69	9. प्रबाध अध्यक्षन संकाय	28,02,978.40	3,52,525, 90	29,55,504, 30
38,52,596, 90	2,36,163.37	40,88,760.27	10. क्षिया मकाय	41,32,660,30	2,53,605,00	43,86,265.30
63,12,227.70	28,42,741,22	111,54,968,92	11. दक्षिण दिल्ली परिसर	1,09,61,491,00	82.91,746,51	1,92,53.231.51
87,35,982, 60	11,26,633,68	98,62,616,28	12. दिल्मी विश्वविद्यालय पुस्तकालय तन्त	3,00,86.684,34	7,81,448,45	1,08,68,132,79
5,22,951.80	45,361.65	5,68,213, 45	13. हिन्दी माध्यम कार्यान्वय सिदेशालय	6,07,372,50	46,068-31	6,53,440,81
11,62,705 42	82,65,345, 58	94,28,051,00	14. छात्र-मुविघाए	14,05,155,10	:,02,91,713,16	1,16,96,868,26
33,36,039, 50	2,23,62,554, 25	2,56,98,593,75	३.५. कार्म चार्ग हिन योभ्नाएँ	40,94,688 RB	2,12,79 232, 65	2,53,73,921,15
	5,55,541,80	5,55, 54 1,80	<u>র</u> ও. अनुदान नया अभदान	!	3,51,085 50	3,51,085,50
58,82,266 43	43,72,797 65	1,52,55,064,08	17. अनुरक्षण तथा सरस्मत के कार्य	68,38,483,80	3.14,42.289-00	1,78,80,572,80
1,55.113 30	ł	1,55,113,30	18. अध्ययन अवकाष्ठ	1,34,557.00	+	1,36,557, 00
8,64,265.35	13,93,614, 40	22,57,879,75	19. कालेकोनर महिला जिसा मण्डल	9,26,095.05	17,41,596,35	26,67,692,00
2,57,691, 00	1,23,336, 28	3,81,027,28	20. यापिक आरंस केन्द्र	3,03,032,00	2,58,515,33	5,61,547,33
13,94,169, 10	3,80,713.07	17,74,882.17	21. दिल्ली विक्वविद्यालय कम्प्यूट र केन्द्र	17,19,831,40	9,15,353, 89	26,35,185,29
		30 51 07 504 61	<u>a</u>	13,71,02,496,28	8,72,41,009.71	22,43,43.505 99

मुक्ते हुं पूर्व रहे		!	29.96,773, 20 15,00,239, 93 44,97,043, 13		1,97,905,00 2,66,082,00 4,63,987,00	2,41,155.00 14,59,338.79 13,00,499.79	34,35,883.20 28,25,660.72 62,61,493.92	14.05,38,329.48 9,00,66.670,43 . 23,06,04,999.91	14.05,38,329,48 9,00,66,670,43 23,06,04,999,91	में 31-3-1990 तक, नीचे दी गई ह़्द्र नक, समायोजन करना हैं : 10 10	राम स्वरूप गुप्त कोषाद्यक्ष दिल्ली विक्दश्विद्यास्य दिल्ली – 1100:37
	(೨) योजनागत विकास अनुदान लेखा	(म) छटवीं योजना की स्वीमें	(ख) सातवी योजनाकी स्क्रीमें 🖫	(म) क्षेत्रीय अध्ययन क <i>ार्यं क्रम</i> चीन,	जापानं सम्बन्धी अध्ययन	(घ) विमेष महायना कार्यंत्रम	∏- ≑(⊭	जोड़-] ऑर ∐	अत धीड़	क्षिया मया है जिनका ले खे के अन्तिम रूप से तय किए गए मद में क० 78,935,00 क० 49,27,360.00	डो मी महे दिस बक्रिकारी टिल्मी विश्वविद्यालय दिल्मी – 110007
- FE	,	6,61,036,09	51,02,984 93				57,63,020,93	24,28,91,545,54	23,28,91,545, 54	मी जामिन क्रि	· 一种 () () () () () () () () () () () () ()
स्र		4,01,387.03	30.39,144,94				34,40,532.02	7,87,49,223.77	7,87,49,223.77	ेटप्रकायां इये ७५८9—90 के दोरान दिए मा खर्च में उन नेबोन्सें को भी जामिन (१) अवकात्र पाता रियायत के रूप में कमंचारियों को दी मई राक्कि (२) अत्रुविक स्ययहरयादि के निमिन दिभागों को शे कई राक्षि	
₽ 2—3	119 G	1/91/91/91	20,63,839, 91				23 23,488, 91	12,41,42,321,77	12,41,42,321,77	लेखो पर टिप्प्लियां इये 1989—90 के दोसा (1) अवका ल पात्रा रियाः (2) जानुषं मिक स्ययहस्य	रा० ट्रेट गोयन महायक्त दुर्यगोचव - (लेखा- 1) दिल्मी दिश्हांतिद्यालय दिल्मी- 116007

विवरण संठ-3

वर्ष 1989--90 के लिये प्राप्ति और भुगतान बाने का विवरण

अवायगियां	रोकड़ बाकी 31 3 1990
म ् पै ०	το Φο
	<i>,</i> -
	29,92,832.23
	3,63,475.90
	1,35,199.84
	20,87,31,391
	1,87,418.50
	61,879.0
7 28,27,61,722 99	3,10,671.0
	$\begin{cases} (-) & 1,609.8 \end{cases}$
	94,644.0
,	58,925.8
	31,817,4
	92,928.5
	31,821.0
	1,00,000. 0
28,27,61,722.99	74,48,317.50
	6.90 052.5
	38,88,302.0
05 4,66,79,916.43	3 🚽 6,8G,674.7
,	11,514,3
	1,761.8
	48,630.8
4,66,79,916.43	53,26,936,3
	7,67,728.5
30.03.981.20	₹ 7,88,538.7
3,03.981,20	15,56,267.3
5 4.07,12,245.75	17,13,759.0
,	
12	3,90,65,812.81 8,84,86.280.78

खाते का नाम	रोक्ष्यं मंजा 1-4-1989	प्राप्तियां	 अ दायांग यां	रोकड़ बाकी 31-3-1990
	क ु पैसे	रु∘ पैसे सं	कु पैसे	 रू० पैसे
उ मृत्य ह्यान आरक्षित निधि लेखा (सी० एण्ड आई० 216)	10,21,036.89	6,75,061 11	11,29-364 00	5,66,734,00
6· (1) प्रकाणन विधि लेखा (তী০ যু০ 35)	59,076.67	73,055,95	71,709.00	40,423.62
(2) प्रकाशन लेखा—स्लेबिक स्टर्डाङ विकास (सी०)				
एण्ड आई० 455)	190.45	4,473 85		4,664.30
(3) प्रकाशन नेखा— एम० आई० एस० (सी० एण्ड आई० 456)	100 FD	4 470 60		1001.00
७।०० ५७०) ७. बुलपति छात्र निधि लेखा (श्री०मृ० 31)	190.50	4,473.80	P.00 000 00	4,664.30
> > 6	6,43,822.00	9 92,014.55	8,09,900.00	8,25,936.55
8, बन्दोबस्ता निधिस्राता 42,32,396.66 भूल-चूकसुधारकी राणि 23,13,791.37	19:18:605 29	38,98,923 30	36,31,719,00	21,65,778.59
9. बाहन ऋण निश्चि लेखा (सी० एण्ड आई० 100)	7,527 20	3,35,575 20	2,69,906 00	73,196.40
10. गृह निर्माण ऋण निश्चिलेखा (मी० एण्ड आई० 258)	99,30,891.28	1,68,86.954.50	2,20,22,954 70	47,96, 891.08
11 प्रकाशन परिकर्मा निधि लेखा (सी० एण्ड आई० 264)	1,55,781.10	18,882.64	98 2 16, 00	76, 117. 74
12. अंग्रेंजी विभाग रायल्टी लेखा (सीरु एण्ड आईट 282)	30,513 85	2.45.690.00	1.97 051 46	79,149.35
13. दिल्ली विश्वविद्यालय औरिएटल इंसेक्टम का प्रकाणन	,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,		2.01	701140.00
निधिनेखा (बचन खाना सं० ३४४)	60,485 80	17,053.88	8,833.00	68,706.68
14, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयत निवेणालय (सीट एण्ड आई०				
309)	10,95,158,47	12,26,123,28	4,73,463.00	18,47,818.7
15. विज्ञान अनुरक्षण निधि (सी० एण्ड आक्रेट 70)	95.608.58	1, 2 3, 5 3 1 , 2 0	1,07,120,30	1,12,019,48
16. पुरतालय जमा राशि खाला (मो०एणा आई० 140) 12.19,354,00 मूल मुझार राशि (+) 169.71	12.19.323.71	20,61,368,91	31,14,099.00	11,66,793.60
17. मी०एस० आई० भार० छात्रवृत्ति लेखा (ली०एफ आई •				
99)	12,48,053.75	81,51 674,75	86,04,592.00	7, 9 5, 1 3 6, 5 (
18. বিত্রনু, সাত্তালকু লি ঈক্ষা (साত্দ্র आছেত । उ.১) 🥏	8.55 662, 10	1,19,82,683,19	1, 24, 24, 559, 51	4,13,785.73
19 अन्य निकायों की छात्रभृति लेखा (सी० एण्ड आई० ।৪১)	8.29.396, 13	13,26,896,19	18,84,117,341	4,71,814.90
20. अध्येताकृति/ज्ञाबकृति लेखा (शिका विभाग) (सी ० एण आ ई	o			
152)	17.401.50	881, 13		18,285.65
21. विदेणी छात्रों का छाञ्चकृत्ति लेखा (सी० एक आई० 4016)	1 51.374.10	6,14,320.00	5,85,903,00	1,79,791.10
22. अनुसन्धान योजना लेखा (सी० एण्ड आई० 148)	37.06.752 07	2.67.58.018 27	2,68,42,459,80	36,22,310,54
23. अनुसन्धान परियोजना लेखा (समाज कार्य विभाग)	17,603.74	4,58,274,15	4,27,497,30	48,380.59
24. डो० ओ० ई० अनुसन्धान परियोजना लेखा (सी० इण्ड आई०				
280)	1,01,107.85	2,34,921,90	2,46,038,00	89,991, 75
25. अनसस्थान योजना लेखा (सी० एण्ड आई० (३८४)	14,65,232,65	20.64,507.30	5, 14, 610, 00	30.15,129.95
26. मंगोछि ग्रीष्मकालीत संस्थान (मी० एण्ड आई० 252)	10,22,716,91	11.74,795,70	15,65,557.11	6,31,955,47
27. में स्थाप्तृतवा ज्ञातिका (गिता क्यांत)	69,444.77	75,134,00	62.6 (1, 00	81,937.77
				,,507,77
313)	2,35,122, 20	10,14,192,85	41,73,111,00	76.201,05
29 केंग सामग्री योजना लेखा	•	, 2 2	,	
(1) परिसर विधि केन्द्र (सी० एण्ड आई० 390)	10,595.70	3,16 689.35	2, 19, 804, 00	77,481.05
(2) सांक्र्य विधि केन्द्र—I (लेखा सं० 12742)	75.00			77,401.00
(3) साध्य विधि केन्द्र-I (लेखा स० । 4974)	75 127 18	2.32,778,06	1,59,320,50	1,48,584.74
(4) सांध्य विधि केन्द्र — [[(लेखा स० 7803)	17 790, 65	1.39.510.05	1,52,696,00	46,34.70
30. जापान से मिले विशेष अनुदान का लेखा (मी० एक आई० ३७		8 665, 25	97,807.00	63,590,65
31. एशिया∸82 लेखा (सी०एण्ड आई० 288)	2,31,743, 58	11,411,80	16.292, 80	2,26,862 58
32 विश्वणी मुद्रा लेखा (सी० एण्ड आई० 426)	1,143,85	708.30	1,143, 85	708, 30
22 CHAMILITAN COME TONE MANY	1 ₁ 143.33	700,317	1,143,85	70¥,3

श्वातेका नाम	रोकक जमा 1-4-1989	प्राप्तिया	अदायगिया	रॉकड़ बाकी [31-3-1990
	रु० पै०	হ ০ ৭ ০	क ०पै०	₹० पैं०
33. संकाय विकास निधि		1		
(i) प्रवन्ध अध्ययन संकाय (वचन लेखा 297)	7196.95	354 75		7551,70
(ii) सान्ध्य विधि केख-I (अचल खाता17336)		61,989,10	16.00	61,073.10
(jii) परिसर विधि केन्द्र	_	32,680,00	920.70	31,759 30
34. श्रमजीकी महिला होस्टल (गी०एण्ड आई 356)	24,289.05	_ 1,227,60		25,516.65
35. दाविक्सा प्रक्रिया व्यय खाता⊸				
प्रबन्ध अध्ययन संकाय तथा वाणिज्य भास्त्र विभाग (सी० एण्ड आई० 449)	7,81,331.65	8,78,903.00	5,25,642.00	11,34,642,65
36 पाणिला प्रक्रियाच्यय खाहा				
विधि संकाय तथा कस्पूटर धिज्ञान विभाग (सी ० एण्ड				
आई∘^4 60)	74,062.50	1,06,760.55	70,150 05	1.10.673 00
37. राः से० योजनालेखा (समाजकार्यविभाग)	23,58,753.84	5,33,804.51	11.89,679 31	17,02,879.04
38, दिल्यो विष्यविद्यालय प्रीड़ स्या अनुयर्ती	• ,			
शिक्षा निर्माएण्ड आई. 336)	230,690.52	10,834.90	\$11,227.00	4 27 298 42
39. दिल्ली विश्वविद्यालय सम्पत्ति कर लेखा (सी एण्ड आई. 357)	47,51,027.95	2 76,437.65	50,27,465.60	
4.0. सामूहिक बीमा योजना लेखा (सी एण्ड आर्ड 374)	1,65,772.48	89,12,229.38	89,78,275.53	99,726 33
41 अनुसंधान योजना लेखा (मी० एण्ड आई० 21, दक्षिणी दिल्ली				
परिसर 		28,26,020 00	F3,24,490.00	25,015,30.00
जोड़	8,59,18,830.25	73,78,31,483.19	74,74,74,245,143	F7,62,76,068.30

मद वंडन (1(8) तबा 2(5) के लिए एक ही बैक खाला है और एक ही रोकड़ बही का प्रयोग किया जा रहा है तथा इस समय गेंव राशि 🤻 152.01 हैं।

गांव कुव गांधाय सहायक कुलमांचिव (लिका-I) विस्त्री विश्वविद्यालय, विल्ली बी० सी० सह वित अधिकारी दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली राम स्वयःय गृश्ता कोषाध्यक्ष दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

टिप्पणिया **औतर बैक अ**तरण

31-3-1990 की स्थित के अनुसार 1989-90 के दौरान तथा इससे पहले के बर्गों में निस्नित्रिखत आंतरबंक अनुरण असमायोजित पड़े रहे:

क्रमांक मदसे	मद को	राणि रुपार्मे
1. अनुरक्षण समुदाम लेखा	विल्ली विश्वविद्यालय प्रेम	18,02,000
2. ,, ,,	बिविध ले खा	36,00,000
 योजना विकास लेखाः 	अनुरक्षण अनुदान लेखा	86,70,000
4. ,, ,,	विशिष्ठ लेखा	6,60,000
5. विविध नेवा	हिन्दी विषयत्रिद्यालय प्रेस	12,51,000
6. ,, ,,	एम० एम० धर बन्दोबस्ती निश्चि (मी० एण्ड आई० २१४)	1,00,000
7 .	संकाय विकास निधि साल्थ्य विधि : केन्द्र सं० ! खाता संक्या 17376	30,000
৪. अस्य निकायो की छात्रवृत्ति (सी० एण्ड आर्द्र० 165)	सीठएम० आई० आर० छात्रशृक्ति (सीठ एण्ड आई० १५)	1,8,6,421
9. ,, ,,	বিত अनुত সাত ভারৰ্দি (দীত एण्ड आईত 131)	10,00,000
10. विवेशी छात्रवृत्ति लेखा (डी० यू० 4016)	कैस मामग्री योजना (सी० एण्ड आई० ३००)	20,0000

2.	रोकड	वहियो	में	गस्रत	व गीकरण	का मुधार	
----	------	-------	-----	-------	----------------	----------	--

			_
**************************************	TALLON ON THE PROPERTY SERVE THEFT	and the contract of the contra	
े रोकड़ झहियों में गलत वर्गीकरण के कारण	1986-90 W 1961Miller Wat 90	- MITTING TO 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	* 1760 1. MI 1761 1761 1

कमाक मदमे	सद को	राणि रुपए पैस
1. विविध ने वा	अमुरश्रण अनुधान सेखा	2,055.20
2 योजनाविकासलेखा		4,352.00
रा० फु० गोयल	बी०मी० मह	राम स्वस्प गृप्त
महायष कृल मचिव (लेखा–L)	विस अधिकारी	कोषाध्यक्ष
विस्त्री विश्वविद्यालय	विरुली विभवेविद्यालय	विल्मी विश्वविद्या भय
दिल्ली	दिल्ली	दिस्मी

विवरण शंख्या-4

दिल्लो विश्वविद्यालय द्वारा संरक्षित हालीं/छात्रात्रासी का तुलन-पव 31-3-1990 की स्पिति

31-3-1989 अंगे	निधियां तथा देयताएं	31-3-1990 को
स्यम		रुपए
28,72,079	1. अनुदान	32,71,390
5, 48,9 (6	2. अवधान राणि	3,89,071
5,200	3. अमानन की राणि	5.200
82.677	4 अन्य जमा राणि	1,15,404
2,000	 बन्दोसम्मी निधि 	18,635
1 1,555	 अविष्य निधि सामान्य भविष्य निधि क्रांता 	14,555
1,52,483	 स्रोत्राबास थिकास निधि 	1,52,483
4,09,406	१. वेय गणि	4,46,898
1, 44, 533	9 स्थय पूरा हो जाने के बाथ शेष आप	46,958
12,41,879	जोड	46,60,594

विण्यविद्यालय द्वारा गरिक्षत हालों/छाम्नावामी का तुसन-पत्र

31-3-1990 की स्थिति

31-3-1990 को	परिसम्यक्तियां .	,
Fo		E0
8, 66, 890	J. भ्रवम	8,66,890
24,37,319	2. फर्नीचर तथा उपस्कर	20,46,008
4,68,296	3. निवेण	2.91.537
24.500	এ अमानत की राणि	16.500
5,500	 स्थायी अग्रिम र्गाल 	5,500
1,33,758	 अन्य अदिम राणि 	2, 16, 110
56,939	7. प्राप्य धन राणि	41,230
1,52,843	८. छात्राजास विकास	1,52,483
10,165	श वाहल ऋण	12 071
5,04,753	10 श्रेक में शेष जमा राशि	5 93.350
46,60,594	जोड़	42,41.879

रा० गु० गोत्रल महायक कुलसमिया (येका-1) दिल्मी विश्वविद्यालयः विन्नी

बी॰मी मंट्र वित्त अधिकारी दिल्ली विश्वविद्यापनः दिन्धी

राम+बमप गुप्त किन्छो **विस्वविद्या**लयः दिल्ली

विवरण संख्या-5

स्रक्षित हॉलो/छाक्रावासों के वर्ष 1989~90 का आय क्या व्यय का लेखा

		पूरे वर्षे ।		
त्रांसों/छात्रावासी के नाम	स्चिति 31-3-89	अंग्य	व्यय	्र • • • • • • • • • • • • • • • • • • •
·	. ह० पैस	_{रु} ींसे	 कु पैसे	क्र वैसे
1. जुबली हाँच	83,359.82	12,28,568 76	12,36,263.21	77,665,37
2. ग्वायर हॉल	5,204,00	13,65,652 97	15,58,802.67	(~) 1,87,945 70
 इस्टरनेणनल स्टूबेंट हाउथ 	(~) 70,350.95	9,20,623.98	8,51,276,48	(-) 1,003,45
4. पी० जी० बोमन होस्टल	16,185.44	12,83,943.25	13-21-101-00	(-) 20,972,31
5. पी० जी० मैन होस्टल	86,990,16	8.70,745 26	8.17.443,01	1,40,292,41
मानसरोबर होस्टल	21,144.67	8.18.453.95	8,00,677.39	38,921,23
जोड़	1,44,533.14	64.87,988.17	65,85,563.76	46,957.55

यहायक क्ष मिवा (नेवा-1) विल्ली विश्वविद्यालय , विल्ली

ब्रिश्त अधिकारी दिश्यती विश्वविद्यालय, दिल्ली

कोषाध्यक्ष - विल्ली जि**वस्थिकाल**स, विल्ली

विषयण सहमा- ।

वर्ष 1989-90 के लिए हॉलों/काबाबासों का प्राप्य और भुगतान खाने का विवरण (रोकंड जमा और रोकड़ बाकी सहित)

पुरे वर्ष 1989-90 में

	and the first		,	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
हॉल/होस्टल के नाम	।— 4− श श की स्थिति	प्राप्तियां ८९-५०	अदायगियां	स्थिति ३1—3—90 तक ————
~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~	६० पैसे	xo पैसे	क े पैसे	क० पैस
1. जुबसी हॉल	2,35,448.27	13,06,610.44	13,22,438 88	2,19,619 8,
2. स्वायर हॉल	53,506 52	14,37,370.11	14,70,766.34	20,110-29
 इस्टरनेमनल स्टूबॅट हाउम 	520,09	12,86,808,64	12,82,395.76	4,932.97
4. पी० जी० वो मै न होस्टल	1,17,989,70	14,87,053,25	15.17.029,45	88,013, 30
5. पी० जी० मैन होस्टल	72.543 16	10,10,312,60	9,51,132.35	1,31,723,41
 मानसरोवर होस्टल 	1,13,543 09	9,17,696 95	9,90,887_63	40,352 41
जोड़	5,93,550.83	74,45,851.99	75,34,650,41	5,04,752.41

7.0 सहायक कृतसमित्र (लेखा-1) दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

विन्त अधिकारी दि∻ली विण्यविद्यालय, दिल्ली

कोषाध्यक्ष दिस्त्री विश्वविद्यालय, दिस्सी

विवरण संदया-- 7

दिल्ली विश्वविद्यालय प्रेम 31 मार्च 1990 तक का तुलन पंज

स्थिति 31-3-89	परिसम्पद्रितयां _	f	मेथिति 31-3-90
श्पर्ये			क्षप्य भैने
6,86 852	 मणीते, फर्नीचर तथा उपस्कर 	26 , 07 873	
	घटाएं : सृत्यक्राम	13,27,590	13,40,283
2,35,498	2 करगोधिन का सामान	7,77,754	
	वटाएं : मृत्यक्काम	5,69,049	2,08,705
13,66,244	3. प्राप्य गेणि	and the first of the second billionis and the second second second	13,08,300
	 मौज्दा स्टाक 		•
1.22,744	(का) क ण्या भान		1,95,188
24,158	(खा) तैयारमान		54,375
3,96,142	5. कार्य जो जल रहा है		82,667
1,000	 स्थामी पेशगी 		1,000
1,99,385	7. चैंका से रोकड		1,54,466
10,460	८ न्यौहरर पेश्वभी		10,460
23.01,735	 हार्ग (इकट्ठी हो गई) 		31,48,683
53,44,218	ओह	** ***********************************	65,04,127

स्विति 31-3-1989	निधियो और वेयलगर्	म्मिति 31-3-1990
रुपये		स्पर्ये
	1. अनुदान	
1,62,442	(मः) থি৹ স৹ সা৹ विशेष अनुवान	1,62,44
9,08,764	(ख) व्याकि अभुदान में से अनुदान	9,08,764
12,42,544	(ग) फोर्ड फाउन्डेबान में से अनुवान	12,04,306
	(घ) योजना काला (मगीन खरीदने के लिए)	5,36,000
25,000	 मूल्मह्राम भारक्षित निधि 	2,75,000
	 तिविध सैमदेन : 	
34,281	(क) अन्य विभागों से सम्बक्षित प्राप्तियः	10,622
1,21,715	(ख) वेतन बिलों से कटौती	1,31,048
2,69,944	(ग) देय विल	2, 12, 411
	4. वर्ज और पेगगियां	
23,528	(क) कराए जाने वाले काम के लिए पेजगी	7,528
25,53,000	(ख) अंतरा वीक अंतरण	30,53,000
3,000	(ग) बयाना	3,000
53,44,218	जोइ	65,04,122

लेखों पर दिव्यणियां । परिसम्परितयों के अन्तर्गत-3

13,08,100/रपये की बकाया राणि में से 4.63.099 भ्यये की राणि विश्वविद्यालय और इसके विभागों को छोड़ कर मांग पल केशने वालों से ली जानी थी:

ह्० भार्यं चरती शत्रसमा विस्त्री जिल्लामिकालय श्रेम दिस्त्री।

हुँ • विस्ता अधिकारी विष्यिषिश्चालय दिरुषी हु२ कोशाध्यक्ष यित्स्यी विज्वविद्यालय दिहसी

			r	6 3	থিৰ	रण संस्या—
) का लाम हाति ले का 		
व्यय		1989-90	पिछले वर्ष	आय	198990	पिछले वर्ष •
		रुपमे	रुपये		रूपर्ये	रूपये
मौजूदा स्टाक				1 प्राप्तिया		
(क) कच्चामास		1, 22, 744	1,04,920	(क) प्रिष्टिंग तथा काट्टरिंग		
				के किय	27,37,836	
(स्रा) नैयार माल		24,15S		(स्त्र) रही कागल की विकी	41,518	٠.
? काम जो चल रहाहै		3.96,142	1,18,939	(ग) विविध प्राप्तिया	31,848	3.3, 7.0, 1.2
з. (क) वैतन संधाभरो	23,08,896.45			2 अंतिम स्टाक		
(ख) समयोपरिकार्यं भर	मा 21,597.0	J				
(ग) अवकाश सात्रा						
चियाय म	34,835.00			(क) कष्णामाल	1,95,188	1, 22, 74
(ख) शिक्षा शृहक	4 149, 00			(स्त्र) नैमारमाल	54,375	24,15
(इ.) ई०एस०आई०सी०	27,139.35					
(च) योनम	1,28,653 00	25, 25, 270	26,37,165	 कार्य कल रहा है 	82,667	396,14
. पञ्चे मान की खरीद		3,97,267	5, 0 4, 4 2 7	 झानि 	8,32,585	
. विविध अनुशंगि क खर्च		99,759	1,11,439			
s. किरायादर नथाकर		6,375	6,417			
 बाहरी एजेसियों के माध्यम 	से					
किया गया कार्य		3,23,729	2,87,267		i	
s. मूल्य ह ास	-	-				
- ४०.५४ (क) कम्पोर्जियकासामानः		28,259	(31,533			
(ख) मशीने,फनींचरऔर			•			-
उपस्कर		52.314	58,705	-		
). जैंक कमीणन			370			
0. लाभ			51,990			
		39,76,017	39,13,172		39,76,017	

कार्यकारी प्रबन्धक विल्ली विण्यविद्यालय प्रैस, दिल्ली

बर्ष 1989-90 में कच्चे माल की खनन

मर्व <u>े</u>	1-4-1989 की प्रारम्भिक देय	1989-90 के धौरान चुकाए गए बिलों की राशि	घटाएं पिछले वर्ष की बरीद के लिए जिन बिलों का भूगतान किया गया	जोड़ें 31390 को देय विलों की राशि	ा 98990 के धौरान श्वरीदा गया कष्का। मान	1 श्रस्त 9 म 9 0 के दौराम जिसने माल की खपन हुई	31-3-90 को कम्प्ये साम का अलिग स्टाम
	रुपये	रूप <i>वे</i>	स्पर्ये	रुपये	म्पये	मृप्य	स्पर्धे
कागभ	96,219	3,64,362	99,353	72,266	3,37,275	2, 74, 716	1,58,778
वाईस्डिंग का सामान	19,791	35,004	9,536	4,940	30,408	29,552	20,647
मोतो स्पृत	end -et	3,009			3,009	3,009	
_ी सनेत्रक		6,200			6,200	6,200	
स्याही	6,733	15,714		4,661	20,375	11.345	15,763
जोड़	1,22,743	4,24,289	1,08,889	81,867	3,97,267	3,24,822	1,95,188

कार्यकारी प्रयन्धक - दिल्ली - जिस्बविक्षालय भेन, धिल्ली

 . ==	700 1	विवरण⊸४
	प्राप्ति एवं भुगतान का सार तका रोकड़ वाकी : 1:	9 8 990
———		रुपये पैसे
	रोकड़ बही के अनुनार 1~4-89 को प्रारम्भिक भेष	1,99,385.43
जाड :	वर्ष 1989-90 के दौरान प्राप्ति (अस्थायी अंतरण समेत)	48,53,293.81
घटाएं :	अर्थ 1989→90 के दौरान भुगतान (अस्पायी अंतरण समेत)	48,98,213.35
	रोक्क बही के अनुसार 31—3—9∪ को अन्तिम शेष	1,54,465,89

- टिप्पणी⊸-1 पिछले वर्षों के दौरान अनुरक्षण अनुदान में से 20,02,000 रुपये की जो राशि अन्तरित की गई थी इसमें से 1989–90 के दौरान 2,00,000 रुपये की राशि समायोजित की जा चुकी हैं। अत: 31→3→1990 तक 18,02,000 रुपये की घनराशि असमायोजित रही।
 - 2 पिछले वर्षों के दौराम विविध खातों में से 5,51,000 रुपये की जो राशि अन्तरित की गई थी इसमें से 1989-90 के बौरान 5,00,000 रूपये की राशि समायोजित हो चुकी है। 1989-90 के बौरान 12,00,000 रुपये का अन्तरण और किया गया । अतः 31-3-1990 तक 12,51,000 रुपये की बन राशि असमायोजित रही। जो कि विविध खाते से अन्तरित की गई थी।

रा० कु० गोयल महायक कुल सचिव दिल्पी विश्वविद्यालय दिल्ली बी० सी० महे विस्त अधिकारी बिल्ली बिश्वविद्यालय बिल्ली

राम स्वरूप गुप्त कोबाध्यक्ष विरुषी विश्वविद्यालय दिल्ली

लेखा परीक्षा प्रमाण-पत्न

मैंने दिल्ली विश्वविद्यालय के 31 मार्च, 1990 को समाप्त वर्ष के प्राप्त तथा भुगतान लेखे/आय तथा व्यय लेखे तथा 31 मार्च, 1990 के तुलन पल की जांच कर ली है मैंने सभी अपेक्षित सूचना तथा स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं तथा संलग्न लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में दी गई अभ्युक्तियों के अधीन रहतं हुए अपनी लेखा परीक्षा के परिणामस्वरूप में प्रमाणित करता हूं कि मेरी राथ में तथा मेरी सर्वोत्तम जानकारी तथा मुझे दिए गए स्पष्टीकरण तथा संगठन की बहियों में टगाए गए उल्लेखों के अनुसार ये लेखे और तुलन-पत्न उपयुक्त रूप से तैयार किए गए हैं तथा दिल्ली विश्व-विद्यालय के कार्यकलामों का सही और उचित रूप प्रस्तुत करते हैं।

अधिकृत धर्मवीर स्थान : नई दिल्ली जी० सी० गुप्ना महानिदेशक लेखापरीका दिनाक : 28-6-91 सेक्शन ओफीसर केन्द्रीय राजस्य

वर्ष 1989-90 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय का लेखा परीक्षा प्रतिवेदन

1. प्रस्तावना

विल्ली विश्वविद्यालय मुख्यतः शिक्षा की विभिन्न शाखाओं में अनुसंधान करने तथा अनुदेश देने, डिग्नियां प्रदान करने तथा उस उद्देश्य के लिए महाविद्यालयों, सभागारों तथा संस्थाओं को स्थापित तथा अनुरक्षित करने के लिए मई, 1992 में स्थापित किया गया था । विश्वविद्यालय का वित्तपोषण मुख्यतः विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (वि० अ० आ०) से प्राप्त अनुदानों द्वारा होता है । वर्ष, 1989-90 के धौराम 3 -21901/92

विषयं विधालय ने 2816.30 लाख रु० (अनुरक्षण अनुदान लेखों के अंतर्गत 1972.95 लाख रु०, योजनागत विकास लेखों में 449.27 लाख रु० तथा विविध लेखों के अंतर्गत 394.08 लाख रु०) अनुदान के रूप में प्राप्त किए।

विश्वविद्यालय के लेखे, नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के अधिनियम (कर्तव्य, शक्तियां तथा सेवा शतें) 1971 की धारा
19-(2) के अंतर्गत लेखापरीक्षित्र किए जाते हैं। विश्व-विद्यालय
के वर्ष 1989-90 का वार्षिक लेखों में विश्वविद्यालय
तथा उसके मुद्रणालय की प्राप्तियों तथा भुगतानों का सार,
विश्वविद्यालय सभागारों, छान्नावासों का समेकित प्राप्त तथा
भुगतान लेखा, विश्वविद्यालय का आय तथा व्यय लेखा, उसके
मुद्रणालय का लाभ तथा हानि लेखा, विश्वविद्यालय सभागारों/
छान्नावासों का समेकित आय तथा व्यय लेखा, विश्वविद्यालय
के द्वारा अनुरक्षित सभागारों/छान्नावासों का समेकित तुलनपन्न तथा विश्वविद्यालय तथा उसके मुद्रणालय का 31 मार्च,
1990 का नुलन-पन्न शामिल हैं।

2. लेखों पर दिप्पणी

2.1 विश्वविद्यालय के वर्ष 1989-90 के लिए अनु → रिक्षित सभागारों/छात्नावासों के समेकित वार्षिक लेखे तैयार किए गए थे, लेकिन जैसा अपेक्षित था, उसको विश्वविद्यालय के मुख्य लेखों में समाविष्ट नहीं किया गया था ।

अनुरक्षित संस्थाओं/महाविद्यालयों के समेकित लेखे विश्व-विद्यालय के मुख्य लेखा के साथ लेखापरीक्षा तथा प्रमाणीकरण के लिए प्रस्तुत किए जाने अपेक्षित थे । वर्ष, 1989-90 के लेखे अभी तक (फरवरी 1991) ममेकित नहीं किए गए थे ।

2.2 परिसम्पत्तियों का मूल्यांकन तथा सत्यापन

तुलम-पन्न के अनुसार मार्च, 1990 के अंत तक अनुदानों में से प्राप्त परिसम्पत्तियों का कुल मूल्य 4908.17 लाख ए॰ परिकलित किया गया था, जैसा कि नीचे दशीया गया है:—

फ्र० सं० परिसम्पत्तियों के प्रकार	परिसम्पत्तियों का कुल मूल्य
	(साख रु० में)
1. भूमि	130.02
2. भवन	1615.29
फर्नीचर तथा उपकरण	1628.82
4. वाहन	24.39
5. विज्ञान उपकरण	153,71
 पुस्तकें तथा पित्रकाएं 	1354.40
7. खेलकूद उपकरण तथा ट्राफियां	1.56
जो	ड़ 4908.17

तुलन-पन्न में वशोई गई परिसम्पत्तियों के मूल्य निम्निलिखत कारणों की वजह से सत्यापन योग्य नहीं थे:

- (क) (i) वर्ष के दौरान किया गया वास्तविक व्यय तथा उपर्युक्त श्रीणयों के अंतर्गत केवल प्रारंभिक गोप की कुल रागि दर्गाते हुए केंद्रीकृत परिसंपत्ति रिजस्टर तथा किसी परिसंपति के व्यौरों के बिना अंतिम गोप;
 - (ii) 1000 रु० से कम की लागत वाली समस्त परिसम्पत्तियों को छोड़कर विभागों द्वारा अनुरक्षित परिसंपत्ति रिजस्टर तथा किसी विभाग द्वारा प्रगामी जोड़ नहीं किए गए भे, तथा
 - (iii) रिजस्टरों के दो सटा के बाच काई समा-धान कभी नहीं किया गया था।
- (ख) विश्वविद्यालय के अभियांतिकी विभाग में अनुरिक्षित्त संपत्ति रिजस्टर में समस्त भूमि तथा भवन के ब्यौरे अर्थात भूमि की खसरा संख्या, भूखण्ड संख्या, उसकी चारदीवारी, प्रत्येक मद का मूल्य तथा अनुम्मोबित डिजाइन आदि प्रविष्ट किए जाने अपेक्षित थे। संपति रिजस्टर उचित ढंग से अनुरक्षित वहीं किए गए थे। इसी प्रकार अनियमितता के बारे में 1987-88 तथा 1988-89 के लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों में भी इंगित किया गया था।

2.3 भविष्य निधि लेखा

31 मार्च, 1990 को विश्वविद्यालय के तुलन्पन्न से भविष्य निधि की वेयताएं 2458.52 लाख रु० दश्राई गई थी। इस राशि को न तो मत्यापित किया जा सका न ही भविष्य निधि की बास्तविक वेयता का पता लगाया जा सका क्योंकि भविष्य निधि की ब्राडशीटों का समापन तथा बराबर करने का कार्य जुलाई, 1978 में एक विशेष कक्ष सुजित किए जाने के बावजूद 1984-85 से बकाया में था। 1983-84 के अंत में लेखा आंकड़ों तथा वैयक्तिक लेखों के रोकड़ों के जोड़ के बीच 5,52,713.88 ह० का अन्तर था जिसका अभी समाधान किया जाना था। विश्वविद्यालय ने मार्च, 1991 में बताया कि वर्ष 1984-85 की ब्राडशीट आरंभ कर दी गई थी तथा कार्य की गित को बढ़ाने के लिए समस्त प्रयास किए जा रहे थे तथा अंतरों का चालू वर्ष समायोजन किया जा रहा था।

2.4 अन्य जमा लेखा

31 मार्च, 1990 को अन्य जमा लेखा शीर्ष के अंतर्गत तुलन-पत्न के देयता पक्ष में 35.37 लाख रु की राशि वर्शाई गई थी। इस प्रकार के लेन देनों के लिए असुरक्षित ब्राडशीट की संबीक्षा से निम्नलिखित प्रकट हुआ:—

(i) 31 मार्च, 1990 को इन शीर्षों के प्रतिशेष निम्न प्रकार थें :--

ऋ०सं०	लेखों के शीर्थ का नाम	31 मार्च 1990 का शेष
1.	जमा जमा	ं (हपए में) 12,18,117.62
2.	अरुप जमा	21,55,328.92
3.	वेसन बिलों से की गई कटौतियां	1,63,994.67
	जोड़	35,37,441.21

लेन देनों का पार्टीबार तथा वर्षवार इयौरा दर्शाने वाला कोई सहायक अभिलेख लेखा परीक्षा को उपलब्ध नहीं कराया गया था जिसके परिणामस्वरूप शेषों की विशुद्धता को संस्थापित नहीं किया जा सका ।

(ii) विश्वविद्यालय की कुछ यूनिटों के संबंध में वेतन से की गई कटौतियां उप शीर्ष के अन्तर्गेत घाटा शेष थे, जैसा कि नीचे दर्शाया गया है :--

लेखा शीर्ष	रुपये में राशि
योजनेत्तर	च्या-वर्ष-वर्ष-वर्ष-वर्ष-वर्ष-वर्ष-वर्ष-वर्ष
मुख्य परिसर	() 1,810.20
दक्षिण दिल्ली परिसर	() 2,07,512,250.54
सामाजिक कार्य	() 15,514.66
योजनागत लेखा	() 47, 244, 39
वक्षिण दिल्ली परिसर	() 4,337.92
एणियाड 1982	() 3,550.45
स्टाफ क्वार्टर	

सामान्यतः प्रेषण की गई विसूलियों से अधिक नहीं होने षाहिए। तथापि, उपयुक्त उल्लिखित स्थिति से प्रकट हुआ कि प्रेक्षण वेतन, बिलों से की गई वसूलियों से बढ़ गए थे। विश्वविद्यालय ने मार्च, 1991 में बताया कि कारणों की जांच की जा रही थी।

2.5 बकाया अग्रिम

31 मार्च, 1990 की संभरकों का भण्डार, उपकरण भवन मामग्री की खरीद के लिए, विश्वविद्याल्य के विभागों की सम्मेलन सेमीनार आयोजित करने, सीमा शुल्क का भुगतान, विदेशों से संयंत्र, उपकरण तथा रमायन आयात करने के लिए साख पत्नों को खोलने के लिए अग्रिम रूप में दी गई। 307.19 लाख र० रागि, जिसे लेखों के अन्तिम शीर्ष में प्रभारित किया गया था, बकाया थी, जिसके ब्यौरे नीचे दिए गए हैं:---

	(लाख र० में)
1. भवन	22.94
फ्नींचर तथा उपकरण	94.13
 विज्ञान उपकरण 	3,73
 पुस्तकों तथा पत्रिकाएं 	1.38
5. वाहन	3.40
 अनुसंधान योजनाएं 	93.30
 से मिनार फैलोशिप 	3.74
8. संबंधित वर्षों के आय तथा व्यय लेखों	
में प्रभारित अन्य अग्रिम	84.57
जोड़	307, 19

उपर्युक्त राशि में से 5.81 लाख रु०, 7.99 लाख रु० तथा 55.33 लाख रु० राशि के अग्निम कमश: 1986-87, 1987-88 तथा 1988-89 तक के पिछले वर्षों से संबंधित थे। ये अग्निम वित्तीय वर्षे जिसमें से अग्निम विष् गए थे, समाप्त होने से पहले समायोजित किए जाने अपेक्षित थे। विश्वविद्यालय अग्निमों के समायोजन न होने के कारण प्रस्तुत नहीं कर सका। विश्वविद्यालय ने मार्च, 1991 में बताया कि बकाया अग्निमों को 31 दिसम्बर 1990 को 141,09 लाख रु० तक नीचे लाया गया था।

विभिन्न महाविद्यालयों/संस्थाओं को परीक्षाएं कराने के लिए दिए गए 73.37 लाख रु० की राशि के अग्निम समायो-जन बिलों के प्रस्तुत न होने के कारण बकाया थे जिसके बर्षवार ड्यौरे नीचे दिए गए हैं:---

वर्षाः	(राशि लाख रु० में)	
1981-82	0.6	1
1982-83	0.1	9
1983-84	0,2	3
1984-85	0.2	4
198 5→8 6	0.9	6
1986-87	0.9	7
1987-88	5.0	7
1988-89	23.5	9
1989-90	41.5	1
	जोड़ 73.3	7

1986-87तक दिए गए अग्रिमों के प्रति वर्ष के दौरान कोई समायोजन नहीं किया गया था। बकाया अग्रिमों में 1988-89 में 33.96 लाख रु० से 1989-90 में 73.37 लाख रु० तक की नृद्धि हुई थी। विश्वविद्यालय ने मार्च 1991 में बताया कि पहली फरवरी 1991 को बकाया अग्रिमों को 53.03 लाख रु० तक मीने लाया गया था।

2.6 वसूली योग्य राशि

तुलन-पत्न के परिसम्पत्ति पक्ष में वसूली योग्य राशि के रूप में दर्शाई गई 3.99 लाख रु० की राशि में संगणक केन्द्र की राशि के रूप में 1.73 लाख रु० विद्यार्थियों के आवास के आवं-दितियों से वसूली योग्य लाइसेंस शुल्क के 1.34 लाख रु०, विद्यार्थियों से प्राप्त शुल्क के 0.01 लाख रु०, 0.49 लाख रु० तथा 0.42 लाख रु० कमशा: अतिथि गृह तथा रायल्टी प्रभारों की राशियां शामिल हैं। एक प्रकाशक से प्राप्य रायल्टी प्रभारों की राशियां शामिल हैं। एक प्रकाशक से प्राप्य रायल्टी की वसूली 0.42 लाख रु० 1978 से बकाया थे तथा मामला मध्यस्थताधीन था। विश्वविद्यालय ने मार्च 1991 में बताया कि बकाया राशियों में से 0.53 लाख रु० का निबदान किया जा खुका था।

2.7 देव राशि

तुलन पत्न के देयता पक्ष में देय राशि के रूप में दर्शीई गई 144.18 लाख रु० की राशी में पुस्तकों की खरीद के 70.92 लाख रु०, अन्य प्रभारों के कारण विश्वविद्यालय अभियन्ता [से संबंधित 1.93 लाख रु०, उपकरणों की खरीद के 0.21 लाख रु०, भवन तथा अन्य प्रभारों के कमणः 0.26 लाख रु० तथा 70.86 लाख रु० सम्मिलित थे। विश्वविद्यालय अभियन्ता से संबंधित 1.93 लाख रुपये की राणि पिछले वर्षों से देय थी जिसके इर्योर उपलब्ध नहीं कराए गए थे।

2.8 ब्राडशीट का अनुरक्षण

31 मार्च, 1990 का तुलन अब से पिल्सम्यत्ति पक्ष में निम्स-लिखित ह्वाण तथा अग्रिम दर्गाए गए थे :---

ऋ० शीर्ष		राणि (लाख ६० में)	_
. सं०			_
1. गृह निर्माण ऋण	-	647.94	
2. वाह्न ऋण (आ	वर्ती निधि में से)	13.70	

गृह निर्माण ऋण के प्रति दर्शाई गई राम्नि की विशुद्धता की सत्यापित नहीं किया जा सका क्योंकि ब्राडगीट 1986-97 से बन्द नहीं की गई थी।

बाह्य ऋण (तुलन पत्न में आवर्ती निधि में अन्य अग्निमों के प्रिति दणोई गई 14,91,511 रु० में शामिल) के रूप में दणीई गई 13.70 लाख रु० (13,69.788 रु०) राशि के प्रिति कर्मचारी वार ब्राडणीट के अनुसार राशि 13.31 लाख रु० (13,31,388 रु० थी। 38,400 रु० के अन्तरका समाधान नहीं किया गया था। यद्यपि 1988-89 के हिल्ला परीक्षा प्रति⊸ वेदन में लेजर-बाडणीट के अनुपक्षण के वारे में उल्लेख किया गया था, कमी अभी तक (मार्च, 1991) बनी हुई थी।

2.9 बैंक समाधान

विश्वविद्यालय ने 1989-90 में 76 बैंक लेखे चालू किए। मार्च 1990 तक के बैंक समाधान विवरण की पुनरीक्षा में प्रकट हुआ कि बैंक-पास बुक में दर्शाए गए शेषों तथा विश्व-विद्यालय की रोकड़ पुस्तिकाओं के बीच अन्तर का समाधान नहीं किया गया था, जिसके क्यौरे नीचे विए गए हैं:---

विवरण	अवधि के लिए बकाया अन्तर			
	3 वर्ष से अधि	प्रका	-3 1 व र्ष से व	
 बैंक द्वारा केडिट की 		(লাব	रु०में)	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
गई लेकिन रोकड़ बही में नहीं दर्शाई जा रही राणि		0.79	5.09	9 5.88
 चैक जारी किए गए लेकिन भुनाए नहीं गए 	0.01	0.44	104.82	105,27
 बैंक द्वारा डेबिट किए गए लेकिन आहरित/ लेखाबदा नहीं किए गए 		4.49	5 97	11.40
 बैंक को राणि प्रेषित की गई लेकिन बैंक द्वारा केडिट नहीं 	1,04	4.45	5.44	11.40
दिया गया -			35.72 150.90	36.93

एक बैंक लेखों के संबंध में बैंक समाधान नवस्वर 1989 से बकाया में था।

2,10 मूल्यह्रास आरक्षित निधि

31 मार्च 1990 को तुलन-पन्न के देयता पक्ष में "मूल्यहास आरिश्वत निधि" के रूप में 67.26 लाख द० की राणि दर्शाई गई थी। इस प्रकार के आरक्षण के लिए भारत सरकार वि० अ०आ० का अनुमोदन प्राप्त नहीं किया गया था। चूंकि विश्वविद्यालय पूर्णत: वि० अ० आ० द्वारा प्राप्त सहायक अनुदान द्वारा विधिवद्ध था, अनुदानदाता के अनुमोदन के बिना भूल्य हास निधी का सूजन अनियमित था।

3. अनुयुक्त अनुदान : योजनागत विकास लेखा

31 मार्च 1990 को तुलन-पत्न के देयता पक्ष में योजनागत विकास लेखे में अन्तर्गत अप्रयुक्त अनुदान के रूप में 249.36 नाख ६० की राशि दर्शाई गई थी। इसके प्रति विश्वविद्यालय के पास योजनागत विकास निवेश लेने में 134.04 लाख रु० तथा 31 मार्च 1990 को योजनागत विकास लेखे के अन्तर्गत अन्तर्गेष के रूप में 146.53 लाख रु० कुल मिलाकर 280.57 लाख रु० थे। इसके अतिरिक्त "विविध लेखे" के अन्तर्गत दर्गाई गई "आवासी अनुदान"। "एणियाड 82" तथा "स्टाफ क्याटंगें" से संबंधित 3.65 लाख रु० के अन्तर्गेष को योजनागत विकास लेखे के अन्तर्गत दर्गाया जाना चाहिए था। इस प्रकार, परिसम्पत्तियों तथा देयता पक्षों के बीच 34.88 लाख रु० का अन्तर था जिसका समाधान नहीं किया गया था।

4. संस्थीकृत निधियों के अतिरिक्त अधिक क्यव अनुरक्षण अनुवान

वर्ष 1989-90 के लिए 2,115.61 लाख ६०, 31 मार्च 1989 तक का 57. 77 लाख रू० का घाटा शेष शामिल था, संशोधित अनुमान के प्रति विव्यवसाव ने 1989-90 के दौरान 2,017.95 लाख रु० का ग्रन्दान संस्वीकृत करके ''योजनेत्तर'' के अन्तर्गत 1,997.95 लाख रु० की निधि जारी की। विश्वविद्यालय ने संस्वीकृत निधियों में अपने व्यय को प्रतिबन्धित नहीं किया तथा 1989-90 के दौरान 34.06 লাম্ব হ্ 2,032.01 লাম্ব হ্ 1,997.95 লাম্ব হ্ का घाटा दशति हुए 2,032.01 लाख ६० का निवस भुगतान किया। इस प्रकार संचित कुल घाटा 91.83 लाख क० (31 मार्च 1989 तक 57.77 लाख ४० 🕂 1989-90 के लिए 34.06 लाख र०) था। संस्वीकृत निधियों के अतिरिक्त अधिक व्यय वि० अ० आ० के अनुमोदन के बिना किया गया था। त्रिश्वविद्यालय ने बताया कि यह घाटा वर्ष 1990-91 के लिए विव्अव आव द्वारा जारी 135,00 लाख रु० के अग्निम अनुदान में से पूरा किया गया था। उपयुक्त के ग्रलावा विश्वविद्यालय में 1989-90 के दौरान (पस्तकों, जपकरणों की खरीद तथा सेवा प्रभारों 144.18 लाख ६० की देयना भी अर्जित की थी

विश्वविद्यालय ने विसम्बर 1990 में बताया कि मई 1990 के दौरान प्राप्त 20.00 लाख रु को लेखें में लेने के बाद 31 मार्च 1990 को वास्त्रविक घाटा 71.88 लाख रु का था। 1990-91 के संगोधिन अनुमान (अनुरक्षण अनुदान) में 144.18 लाख रु की देयता के सम्बन्ध भें 74.00 लाख रु का प्रायधान किया गया था तथा पितकाओं की वेयता के लिए विश्वअशा 1990-91 के दौरान आठमीं योजना के अर्लांस प्रावधान के लिए महमत हुआ तथा उपयोजना के अर्लांस 16.00 लाख रु प्रदान किए गए थे।

5. विश्वविद्यालय मुद्रणालय की बकाया राशियां—-प्राप्ति योग्य राशि (13.08 लाख क्०)

31 मार्च 1990 को विभागो, महाविद्यालयों, बाहरी पार्टियों आदि से प्रेस की वसूली योग्य राशि 13.08 लाख रुप्यों, जिसके विस्तृत क्यौरे निम्न प्रकार हैं:--

वर्ष जिससे देय हैं	राशि (लाख रू०में)
1975-76 में	
1980-81	1.70
1981-82	0.63
1982-83	0.14
1983-84	0.53
1984-85	0.48
1985-86	0.38
1986-87	0.24
1987-88	0.33
1988-89	0.32
1989-90	8.33
जो ड़	13.08

13.08 लाख रु० में से 4.63 लाख रु० की राशि विश्व— विद्यालय तथा उसके विभागों के अलावा अन्य मांगकर्ताओं से बसूली योग्य थे। अभिलेखों की संवीक्षा से प्रकट हुआ है कि 1967—68 में 1974—75 के वर्षों से संबंधित 0.10 लाख रु० की राशि कार्यकारी परिषद द्वारा दिसम्बर 1989 में बट्टे खाते में डाल दी गई थी। यसूलियों की प्रगति बहुउ धीमी थी क्योंकि 31 मार्च 1989 को वर्ष 1986—87 तक वसूली योग्य 4.25 लाख रु० में से 1989-90 के वित्तीयवर्ष के दौराभ केवल 0.14 लाख रु० की राशि वसूल की गई थी। विश्व—विद्यालय ने मार्च 1991 में बताया कि 14 जनवरी 1991 को बकाया राशि की स्थित 5.97 लाख रु० थी।

6. विषयविद्यालय प्रैस घाटा (संचित -- 30.53 लाख रु०)

6.1 विश्वविद्यालय 1971-72 से व्यापारिक तौर पर एक प्रैस चला रही थी। प्रैस वर्ष 1987-88 तथा 1988-89 जबकि ऋमश: 3.97 लाख ६० तथा 0.44 लाख ६० का खाभ अजित किया गया था, के अलावा घाटे में चल रही थी। 1983-84 से 1989-90 तक वर्षों के अन्त में संचित बाटे की स्थिति निम्न प्रकार थी:---

वर्ष	
, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	(लाख रु० में)
1983-84	. 12.82
1984-85	17.88
1985-86	19.73
1986-87	27.4
1987-88	23,40
1988-89	23.03
1989-90	31.49

इस प्रकार के घाटे ब्याज रहित ऋण प्राप्त करके तथा विद्यविद्यालय के अन्य लेखों से निधियां अन्तरित करके पूरे किए जा रहेथे। 1989-90 के अन्त में ऋणों आदि की स्थिति निम्न प्रकार थी:---

	- 10722 - 724-4-4-4-4
लेखे जिससे ऋण आदि प्राप्त किया गया था	राभि
	(लाख रः० में)
المراجعة عن المراجعة عن المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المرا المراجعة المراجعة ال	
विविध लेखा	18.02
अनुरक्षण अनुदान	12.51
and memorinan hand memorinance along the contract of the contr	

यह पाया गया था कि ऋणों की अधि 1985-86 में 18.51 लाख के से 1986-87 में 23.43 लाख के तक, 1987--88 में 24.68 लाख ए०, 1988--89 में 25.53 लाख रु० तथा 1989-90 में 30.53 लाख रु० बढ गई थी । अप्रैल 1982 के दौरान नियुक्त उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट के कार्यान्वयन तथा प्रैस के प्रशासनिक ढांचे की जांच करने के लिए जून 1985 में गठित समिति ने मार्च 1986 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। इस रिपोर्ट की अन्य समिति द्वारा जाच की गई थी जिसे विश्वविद्यालय प्रैस के कार्यों ः वित्तीय तथा प्रबन्धीय पहलुओं की जांच करने के बाद अपनी . सिफारिणें देने के लिए कहा गया था । कार्यकारी परिषद ने मई 1987 में हुई अपनी बैठक में इस समिति की विफारिशों पर विचार किया और स्वीफार कर निया। विश्वविद्यालय पे यितम्बर 1989 में बताया था कि एमिति की सभी मिफारिशें कार्यान्वित कर नी गई थीं । इसके वाधजद 1988 89 में 23, 46 लाख रू० में 23.02 लाख रू० तम सीमान्तीय कमी होने के बाद 31 मार्च 1990 को संस्थित घाटा पून: 31.49 लाख ६० तक बढ गया था।

6.2 मशीन की बिकी--- अप का गलत प्रदर्शन---प्रैस

फोर्ड फाउन्डेशन ने जुलाई 1974 में विश्वविद्यालय प्रैस को मगीनरी के रूप में 12.42 लाख ६० का अनुदान दिया जिसमें से 1989-90 के दौरान 1,22,875 रु की लागत बाली एक प्रिटिंग मशीन (मृल रूप में हीडेलवर्ग सिलिस्डर 57×82 से० मी०) 2.50 लाख म० में बेची गई थी। 31 मार्च 1989 को लाभ तथा हानि लेखे में मृत्यहास प्रभावित करने के बाद उसका मृत्यहासित भूव्य 38,238 रु था। मशीन की बिकी आय को आय के 🖘 में नहीं माना गया था परन्तु मल्यहास आरक्षित निधि में कैंडिट किया गया था। आरक्षित निधि के गुजन के लिए विश्वर आर का अनुमोदन प्राप्त नहीं किया गया था। आगे, 1.23 लाज ए० की वास्तविक लागत के प्रति मर्शान का केवल मूल्य हासित मूल्य अर्थात 0.38 लाख रु० तूलन-पत्न के देयता एक्ष में दर्शाई गई 12.04 लाख रु० की पंजीगत निधि से बट्टे खाते डाले गए थे। इस प्रकार, तुलन-पत्न में विश्वविद्यालय प्रैस की सही वित्तीय स्थिति नहीं दशिई थी। गई

6.3 परिसम्पत्तियों के सही आंकड़े का न दर्णाया जाना विश्वविद्यालय प्रैम द्वारा मई 1989 में योजनागत निधियों (5.36 लाख रुं) तथा मूल्यह्नास आरक्षित निधि (1.25 लाख रुं) में से 6.61 लाख रुं की एक आफसेट प्रिन्टिंग मशीन "रोट्रो प्रिन्ट" खरीबी गई थी। इसके प्रति तुलन-पन्न (प्रैस) के परिसम्पत्ति पक्ष (परिसम्पत्तियों का विवरण) की और दर्शाए गए 13.40 लाख रुं के भाग में मशीनरी की लागत 6.76 लाख रुं दर्शाई गई थी। इस प्रकार, 0.15 लाख रुं का अन्तर था तथा परिसम्पत्तियों उन सीमा तक अधिक बताई गई थीं। विश्वविद्यालय में मार्च 1991 में बताया कि अन्तर प्रतिष्ठापन के बौरान प्राप्त महायक सामग्री का धोतक था। तथापि, लेखापरिक्षा में यह देखा था कि बह व्यय उपभोजन जैसे स्थाही, रसायन आदि से संबंधित था न कि सहायक सामग्री से।

7. संगणक केन्द्र⊸वकाया बिल

विश्वविद्यालय के पास एक संगणक था जिसका भुगतान के आधार पर उसके तथा अन्य एजिन्सियों द्वारा उपयोग किया जा रहा था। 31 मार्च 1990 को विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों, महाविद्यालयों और अन्य एजेंसियों से 1.73 लाख रु० की राणि वसूली योग्य थी। ये वसूलियां 1972-73 तथा उसके बाद के वर्षों से सम्बन्धित थीं। 1984-85 तक बकाया राणियों की वसूली में; कोई प्रगति नहीं हुई थी। विश्व-विद्यालय ने मार्च 1991 में बताया कि बकाया राणियों को 5 फरवरी 1991 को 0.61 लाख रु० तक नीचे लाया गया था।

8. विधिष्ट यो नाओं परियोजनाओं के संबंध में अधिक व्यय की गई राणि

तुलन-पत्न के परिसम्पति पक्ष में "अन्य अनुदान तथा वसूली योग्य राशि" शिर्ष के अन्तर्गत दर्शाई गई 33.94 लाख रू की राशि भारत सरकार तथा अन्य एजेंसियों में विशिष्ट उद्देश्यों परियोजनाओं के लिए प्राप्त अनुदान, सहायता से संम्बन्धित लेने-देनों के निवल प्रभाव को निकष्पत करती है जिसके ब्योरे नीचे दिए गए हैं :--

	1 अप्रैल 1989 को अन्य शेष	वर्षके वर्षके 31 बौरान दौरान मार्च प्राप्तियां भुग- 1990 तान को अन्त मोप
1. अनुदान		
(129 योजनाएं)	() 28.18	3,55 8,26 32,89
2. अन्य योजनाएँ (40 योजनाएँ)	()	7.64 6.90 1.05
		· /

33,94

जोड़

- 9. कुछ मामलों में प्राप्त अनुदानों सहायता से अधिक ष्यय हुआ या। अधिक व्यय अनुरक्षण अनुदान तथा अन्य गीर्षों के अन्तर्गत बचतों में से पूरा किया गया था। इस प्रकार लेखों के एक गीर्ष से दूसरे गीर्षों में निधियों का विषणन हुआ था। कुछ मामलों में 1985-86 से घाटा गेय टर्गाए जा रहे थे तथा तब से प्रायोजित एजेंसियों को कोई राणि प्रदान नहीं की गई थी। विश्व-विद्यालय पूर्ण की गई योजनाओं, प्रायोजित एजेंसियों को भेजे गए उपयोगीराता प्रमाणपत्नों तथा प्रगति में चल रही योजनाओं (नवम्बर 1990) की संख्या दर्गाने वाले अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर मका। विश्वविद्यालय से इस संबंध में अभी तक (मार्च 1991) कोई उत्तर प्राप्त नहीं किया गया था।
 - 9.1 वि० अ० आ० को कर्मचारी भिषण्यनिधि भ्रंगदान से सम्बन्धित 400.97 लाख रु० की वापसी न होना:
- (1) वर्तमान कर्मचारियों, जिन्होंने जनवरी, 1986 से पूर्व सेवा आरम्भ की थी, को समय-समय पर सामान्य भविष्यनिधि एवं पेंगन-एवं उपदान योजना को चुनने का विकल्प दिया गया था । उन कर्मचारियों के मामले में, जिन्होंने योजना के लिए विकल्प दिया था, अंशदायी भिवष्य-निधि के प्रति नियोक्ता के अंशदान जमा उस पर अजिल म्याज को उनके लेखे में आहरित करके वि० अ० आ० को वापिस किया जाना अपेक्षित था । विश्वविद्यालय ने उन कर्मचारियों से सम्बन्धित, जिन्होंने सामान्य भविष्य-निधि एवं पेंगन उपदान योजना के लिए विकल्प दिया था, नियोक्साओं का हिस्सा जमा किया और उस पर अजित ब्याज का आहरण किया तथा 31 मार्च, 1990 को विश्वविद्यालय के अभिन लेखानुसार (फाइल) इस लेखे में संचित कुल राशि 500.97 लाख कु थी। वापिस की जाने वाली अंशवान की राशि में से वि० अ० आ० ने विण्वविद्यालय को वि० अ० आ० द्वारी अनमोदित तीन करोड़ ६० की अनुमानित लागत पर स्टाफ क्वार्टरों (आवास योजना) के निर्माण पर ब्याज के हिस्से की पूरा करने के लिए दो करोड़ ६० का उपयोग करने की अनमति दी । दो करोड़ कर की राणि में से स्टाफ क्यार्टरों के निर्गाण के लिए एक करोड़ रु० का उपयोग भारत सरकार के अनमोदन के अधीन था । तथापि विश्वविद्यालय ने 31 मार्च, 1990 नक भारत मरकार वि० अ० आ० की पूर्वानमति के बिना एक करोड़ रु० की राशि के अनुमोदन के प्रति 214.28 लाख रु० का उपयोग किया था तथा 286.69 লাৰ (500.97 লাৰ চ০--214.28 লাৰ চ০) की गेष राशि भी वापिस नहीं की थी।

विक्लविद्यालय ने मार्च, 1991 में बताया कि स्टाफ क्वार्टरों पर ख्यय को पूरा करने के लिए इस लेखे में शेषों के उपयोग के लिए वि० अ० आ० की अनुमति प्राप्त हो गई थी तथा वि० अ० आ० ने सरकार को संस्वीकृति के अधीन अनुमोदन प्रदान किया था । तथापि, विपणन के लिए सरकार का कोई अनुमोदन उपलब्ध नहीं था ।

(ii) विo अ० आ० को वापिस की जाने वाली 286.69 साम्ब क० (500.97 लाख क० में से 214.28 लाख क०

घटा कर) की अव्यवस्थित रामि के प्रति तलन-पत्र में दर्शाई गई राशि 276,16 लाख रु० थी । तिम्बिनद्यालय द्वारा अन्तर का समाधान/स्पर्धकरण नहीं विद्या गया था।

9.2 प्रत्यक्ष मत्यापन (पुस्तकालय)

केन्द्रीय पुस्तकालय तथा 23 संघटक इकाइयों से बनी ु दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली के पास 31 मार्च, 1989 को 11,49,873 पुस्तकों का संग्रह था। पुस्तकालय का प्रथम पूर्ण प्रत्यक्ष सत्यापन 1941 में किया गया भा सथा उसके बाद 1971 में जबकि 3.86 लाख पुस्तकों में से 53,077 पुस्तकें लापता/गुम पाई गई थीं । 1971 में किए गए स्टॉक सत्यापन के परिणामों पर अनुवर्ती कार्यवाही के परिणामस्वरूप 1976 के अन्त में एक स्टॉक सत्यापन समिति बनाई गई थी । पुस्तकालय की स्टॉक सत्यापन समिति ने दिसम्बर 1976 में एक स्टॉक सत्यापन सैल बनाने का निर्णय किया । स्टॉक सत्यापन सैल में एक न्यावसायिक जुनियर, एक व्यावसायिक सहायक, 2 पुस्तकालय लिपिक तथा दो पुस्तकालय परिचारक की संस्वीकृत पद संस्थाधी।

सत्यापन समिति ने मार्च 1977 में 31 विसम्बर, 1982 तक वरणबद्ध कार्यक्रम में 31 मार्च, 1977 को लगभग 6 साख खण्डों का नए सिरे से स्टॉक मत्यापन करने का एक चक्र पूरा किया । यह भी निर्णय किया गया था कि अप्रैल 1977 तथा दिसम्बर 1982 के बीच जोड़ी शई पुस्तकों का स्टॉक मत्यापन पहला चक्र ममाप्त होने के बाद स्टॉक सत्यापन के दूसरे चक का आरम्भ किया जाएगा ।

मार्च 1977 तथा मार्च 1984 के बीच आंशिक स्टॉक सत्यापन किए जाने के परिणामस्बरूप 600000 की संख्या (31 पार्च 1977) को विद्यमान में से 396084 पुस्तकें प्रत्यक्ष रूप से मत्यापित की गई थीं।

कार्यकारी परिषद् ने मार्च 1983 में पुस्तकालय प्रणाली का विकेन्द्रीकरण किया गया स्टॉक सत्यापन का कार्य प्रस्तकालय प्रणाली के सम्बन्धित यूनिटों को सौंप दिया था । यद्यपि स्टॉक सत्यापन समिति ने अप्रैल 1984 में सुझाव दिया था कि विश्वविद्यालय पुस्तकालय समिति द्वारा पदों को रोके रखने की बाछनीयता तथा सत्यापन सैंस को जारी रखने की औचित्यता की जांच की जानी चाहिए, कोई निर्णय नहीं लिया गया था तथा कार्य का विकेन्द्रीकरण होने के बाद तक सत्यापन सैल के लिए संस्वीकृत पदों को जारी रखा गया था। विश्वविद्यालय ने अक्तूबर 1989 में बताया कि उसके बाद भी स्टॉक सत्यापन सेंश को जारी रखा गया लेकिन व्या-वसायिक जूनियर के अलावा उसके स्टाफ को प्रणाली के स्टाफ के साथ मिला दिया गया था तथा अप्रैल 1984 तथा मार्च, 1986 के बीच 32,273 पुस्तकों का सत्यापन कर लिया था । विश्वविद्यालय से मार्च 1986 के बाद किए ाए कार्य के ब्योरेइस आधार पर नहीं भेजे कि स्टाफ को प्रणाली.

abunda en esta o mosta como somo somo somo esta esta asidada en m^o mosta como talente a talente esta manda esta के स्टाफ में मिला दिया गया था । तथापि, विश्वविद्यालय ने विसम्बर 1989 में बताया कि पुस्तक।लय प्रणाली में 1984-85, 1985-86 नया 1987 से रिक्स पदों के प्रति व्यावसायिक ज्नियर, व्यावसायिक सहायक तथा दो पुस्तकालय परिचारकों का उपयोग किया गया था ।

> इस प्रकार 31 मार्च, 1977 को 6 लाख पुस्तकों से अधिक का स्टॉक सत्यापन, जो 31 मार्च, 1982 को पूरा किया जाना अपेक्षित था, सितम्बर 1990 तक केवल 66 प्रतिशत ही किया गया था । अप्रैल 1977 से दिसम्बर, 1982 के दौरान जोड़ी गई पुस्तकों के स्टॉक सरयापन का दूसरा चक्र भी आरम्भ नहीं किया गया था।

9.3 स्टाफ को 26.17 लाख रु० (लगभग) का अनियमित भुगतान

वि० अ० आ० ने अप्रैल, 1985 में विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायकों (व० प्र० स०) के जनवरी. 1973 से 380-560 रु से 425-640 रु के वेतनमान में इस गर्त पर संशोधन करने का अपना अनुमोदन सूचित किया कि इसके लिए कोई बकाया का भुगतान नहीं किया जाएगा तथा इसे सैद्धांतिक संशोधन के रूप में माना जाएगा । तवनुसार, विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद (परिषद) ने अक्तूबर 1985 में वि० अ० आ० द्वारा मान्य शर्ती पर वर्ष पर सर के 425--640 हर के वेतनमान में संशोधन करने के लिए एक प्रस्ताव पास किया । परिषद् ने यह भी प्रस्ताव किया कि वि० अ० आ० को इस संशोधन को सैद्धांतिक रूप में मान ले लेकिन सम्बन्धित पदधारियों की 1973 के बाद से बकाया का भुगतान करने का अन्सेध किया जाए।

तथापि, वि० अ० आ० जनवरी, 1973 के बाद से वर्षा पर पदाधारियों को बकाया का भुगतान कर्ने के लिए विसम्बर, 1985 तथा पुनः नवम्बर, 1988 में किए गए विश्वविद्यालय के प्रस्तावों से सहमत नहीं हुआ (फरवरी 1989) । फिर भी विश्वविद्यालय ने अप्रैल 1985 तक 425-640 ६० के संशोधित वेतनमान में रखे गए वरिष्ठ प्रयोगशासा सहायकों को अकायों का भुगतान करने के लिए समस्त प्रधानाचार्यौ/विभागाध्यक्षों को जून एक परिपन्न जारी किया । इसके साम्र जून 1989 में विश्वविद्यालय ने वि० अ० आ० को 1 जनवरी 1973 से 14 अप्रैल, 1985 तक की उपर्युक्त अवधि के लिए विश्व-विद्यालय तथा अपने महाविद्यालयों में बकाया का भुगतान करने के लिए निधियां जारी करने के लिए आवश्यक निर्देश देने का अनुरोध किया। वि० अ० आ० ने दिसम्बर 1989 में विश्वविद्यालय का अनुरोध स्वीकार करने में अपनी असमर्थता व्यक्त की क्योंकि इससे अन्य केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के लिए समस्याएं उत्पन्न होंगी । इस प्रकार वि० अ० आ० के निर्देश का उल्लंघन करके वर प्र० स० के वेतनमान में संशोधन के कारण बकाया का भुगतान करने के परिणाम-स्वरूप 26.17 लाख २० का अनियमित व्यय हुआ । विषयविद्यालय ने अक्तूबर 1990 में बताया कि उसने बकाया की राशि को न तो अपने बजट में शांमिल किया था नहीं वि० अ० आ० से इस इहेश्य के निए कोई अन्धत प्राप्त किया था।

विश्विति करने विश्व में विश्व में बताया कि परिषद् को प्रणासनिक प्रवच्छिय तथा अन्य आवश्यक पदों को सृजित करने तथा इस प्रकार के पदों की परिलक्षियों को निश्चित करने की गिम्तियां प्रदान की गई थीं तथा विश् अ० आ० का सम्बन्ध केवल व्यय पूरा करने के लिए अतिरिवत निधियां प्राप्त करने के मामले में था। तथापि, विश्वविद्यालय का उत्तर तर्कसंगत नहीं था क्योंकि विश्वविद्यालय पूर्णतः वि० अ० आ० द्वारा विधिवत है तथा वि० अ० आ० सहायतः की माला, जो कि अनुमोदित वेतनमान के आधार पर निश्चित की जाती है, आगे निश्चित करता है। वि० अ० आ० के अगस्त 1988 के आदेशानुसार केन्द्रीय विश्वविद्यालयों ने वर्तमान वेसनमान के संगोधन के सम्बन्ध में वि० अ० आ० का पूर्वानुमोदन प्राप्त करना था।

9.4 प्रमुख निर्माण कार्यों के निष्पादन में विलम्ब होने के परिणामस्वरूप निधियों का अवरोधन तथा साख्य कैम्पस की परियोजनाओं की लागत में बढ़ोत्तरी

1984-85 में 1989-90 की अवधि के दौरान विश्वविद्यालय के साउथ दिल्ली कैम्पस ने 488.32 लाख रु० की कुल निविदागत लागत पर प्रत्येक 5 लाख रु० से अधिक लागत वाले 20 प्रमुख निर्माण कार्य किए । वे निर्माण कार्य अगस्त 1985 तथा जून 1990 के बीच समापन के लिए निर्धाणित किए गए ये ।

इन निर्माण कार्यों से सम्बन्धित अभिलेखों की नमूना जांच से प्रकट हुआ कि 301.80 लाख रु० की कुल निविदागत लागत वाले 10 निर्माण कार्य, जो जून 1988 तथा जनवरी 1990 के बीच समापन के लिए निर्धारित थे, 31 अगस्त 1990 को 2 माह से 26 माह तक अवधि के लिए विसम्ब के बाद भी अभी तक प्रगति पर थे। 186.52 लाख रु० की निविदागत लागत वाले णेप 10 निर्माण कार्य 10 से 60 माह की अवधि के विलम्ब के बाद पूर्ण किए गए थे। 9 निर्माण कार्यों के सम्बन्ध में अंतिम बिल अभी तैयार किये जाने थे।

निर्माण कार्यों में निष्पादन में विलम्ब होने के कारण निधियों का अवरोधन हुआ, इसके अविरिक्त श्रमिकों की मजदूरी, सामग्री की कीमतों आदि में तीव्र वृद्धि होने के परिणामस्वरूप निर्माण कार्य पर हुए व्यय में बढ़ोत्तरी हुई।

9.5 परिहार्य अतिरिक्त व्यय

मई 1985 में 47.86 लाख रू० (वि० अ० आ० 1981 पर आधारित) की अनुमानित लागत पर "शैक्षिक काम्पलैक्स, साउथ कैस्पस, धौला कुआं, नई दिल्ली "उप शीर्ष पुस्तकालय भवन का निर्माण" कार्य के लिए मदवार निविदाएं आमंत्रित की गई थीं। पांच निविदाओं में से सभी प्राप्त हुई, 33.42 प्रतिशत से अधिक पर ठेकेदार "क" का निम्नतम प्रस्ताव इम आधार पर अस्वीकृत कर दिया था कि उस

ठेकेदार अप किए जा रहे अन्य निर्माण कार्य की प्रगति संतोग मन्य नहीं थीं । 51.1 प्रतिशत से अधिक पर ठेकेदार "स" के दूसरे निम्ततम प्रस्ताय का भी लाभ नहीं उठाया जा मणा क्योंकि निविद्या की बैधता समाप्त हो चुकी थीं।

उसके बाद, नयम्बर, 1985 में पूर्व णर्त पर निविदा सूचना देने के बाद नौ चयनित पत्नों से निविदाएं पूनः आमंत्रित की गई थी। उत्तर में चार निविदाएं प्राप्त हुई थीं। अनुमानित लागत से अधिक 75.49 प्रतिशत पर ठेनेदार "ग" से प्राप्त निय्नतम निविदा इस आधार पर अस्वीकृत की गई थी कि ठेकेदार ने कुछ मदों की काल्पनिक दरें लिखी थीं तथा निर्माण, कार्य मुख्य रूप से उड़ीसा में किया था उसने दिल्ली में, उड़ीसा सरकार का पैवेलियन बनाने के अलावा, कोई विशिष्ट महत्व का निर्माण कार्य नहीं किया था। 18 माह में पूरा किया जाने के लिए निर्माण कार्य मई 1986 में 85.50 प्रतिशत (वि० द० प्र० 1981) से अधिक की बातचीत पर राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम (रा०भ०नि०नि०) को दिया गया था।

लेखा परीक्षा में निम्नलिखित मुद्दे देखे गए थे:--

- (i) यद्यपि वि० अ०आ० द्वारा योजनाओं तथा आरम्भिक अनुमानों की औपचारिक स्वीकृति जून 1985 में सूचित की गई थी, निर्माण कार्य [निविदाओं को अन्तिय रूप दिये जाने में विलम्ब होने के कारण केवल मई 1986 में ही आरम्भ किया जा सका ।
- (ii) विश्वविद्यालय की अनुसूची दर से अधिक 51.01 प्रतिशत पर निर्माण कार्य लेने के लिए ठेकेदार "ख" के प्रस्ताव का लाभ उठाने में विफल रहने के परिणामस्वरूप 16.47 लाख रु॰ का परिहार्य अतिरिक्त व्यय हुआ।

विश्वविद्यालय ने अगस्त, 1986 में रा० भ० नि० नि० को 8.88 लाख ६० ब्याजरहित संग्रहण अग्निम दिया था। यह भारत सरकार के दिनांक 15 जुलाई 1983 के आदेशों, जिसके अनुसार संग्रहण अग्निम, निविवाओं में रखी गई अनुमानित लागत का अधिकतम 10 प्रतिशत की सीमा तक या एक करोड़ ६० जो भी कम हो, एक ठेकेवार को एक करोड़ ६० या इसमें अधिक लागत वाले निर्माण कार्य के सम्बन्ध में ही दिया जा सकता है, के विपरीत था।

विश्वविद्यालय ने बताया कि संग्रहण अग्निम के भुगतान से संबंधित गर्त, जिसका विश्वविद्यालय की कार्यकारिणी परिषद द्वारा स्वीकार किया गया था, को ध्यान में रखते हुए उससे कार्य की लागत का केवल 10 प्रतिशत ही परिकलित किया था तथा विश्वविद्यालय एक स्वायल निकाय होने के कारण भारत सरकार के आदेश विश्वविद्यालय पर नियमित रूप से लागू नहीं होते थे, जब तक कि उसके द्वारा इन विषयों को अपनाया न जाए। विश्वविद्यालय का उत्तर तर्कमंगत नहीं था क्योंकि विश्वविद्यालय ने सरकार द्वारा विधिवत रूप से अनुमोधित अपने स्वयं के लिए कोई नियम एवं विनियम नहीं बनाए थे, उसके ग्रभाव में विश्वविद्यालय द्वारा व्यवहार में सरकार के नियम तथा विश्वविद्यालय द्वारा व्यवहार में सरकार के नियम तथा विश्वविद्यालय हारा ज्यवहार में सरकार के नियम तथा

9.6 5.98 लाख रुपए का अतिरिक्त परिहार्य व्यय तथा 4.55 लाख रुपए के अग्निमों की वसूली न होना

अक्तूबर, 1986 में "साउथ दिल्ली कैंग्पस उपशीर्ष अवन निर्माण के अंतर्गत छात्रों ह छात्रावास के निर्माण" कार्य के लिए दि . दे. प्र. 1981 पर । धारित 16.04 लाख हु० की अनुमोदित लागत पर निविदाएं आमंत्रित की गई थी। ठेकेदार 'क' तथा 'ख' से प्राप्त दो निविदाएं खोली नहीं गई थीं क्योंकि यह विचार किया गया था कि ठेकेदार 'क' पहले ही एस०पी० जैन केन्द्र तथा विज्ञान खण्ड का निर्माण कार्य कर रहा था जिसकी प्रगति संतोषजनक नहीं थी तथा अन्य ठेकेदार 'ख' को पहले ही साउथ कैंग्पस का विकास निर्माण कार्य प्रदान कर दिया गया था। इसलिए मई 1988 तक 12 माह की अवधि में पूर्ण किए जाने के लिए यह निर्माण कार्य अनुमानित लागत से अधिक 103.43 प्रतिशत की बातचीत की दर पर मई 1987 में रा०भ०नि०नि०को दे दिया गया था।

के०लो०नि०वि० को संशोधित अनुमान अनुमोदनार्थ प्रस्तृत करते समय अधीक्षक अभियन्ता साउथ कैम्पस ने ने बताया कि लागत सूचकांक में वृद्धि तथा रा० भ० नि० नि॰ को प्रचलित बाजार दरों के अतिरिक्त उच्च दरों पर निर्माण कार्य देने के कारण परियोजना की लागत में 57.00 लाख रु०से 69.39 लाख रु० तक वृद्धि हो गई थी। भारत तरकार हे ब्रादेशन सार राज्भ विनिव् बाजार दरों के अतिरिक्त केवल 10 प्रतिशत तक मूल्य वरीयता ही प्राप्त कर सका था। जबकि निर्माण कार्य प्रचलित बाजार दरों से 33 प्रतिशत अधिक उच्चतर दरों पर दिया रा० भ० नि० नि० निर्माण गया था। इस प्रकार नार्दं देने में अविवेकपूर्णं निर्णय के कारण विश्वविद्यालय ने 9 चालू बिल, जिसे 11 मई, 1989 को भगतान के लिए पास किया गया था, तक 305 लाख रु० का अतिरिक्त व्यय किया था। रा० भ० नि० नि० ने 24 फरवरी 1989 से कार्य रोक दिया था तथा 20 जुलाई, 1989 को हुई बैठक में यह परस्पर निर्णय किया गया था दोनों पार्टियों के हित में निर्माण कार्य को समाप्त समझा रा०भ०नि०नि० को उस समय तक दिए गए 34.10 लाख रुपए के लिए किए गए कूल भगतान में 3.31 लाख रु का संग्रहण अग्रिम भी शामिल था। रा० भ०नि नि० से चाल बिलों द्वारा स्टील के लिए प्रतिभृति अग्रिम तथा संग्रहण अग्रिम की वसुली का समायोजन होने के बाद अभी 4.55 लाख रु की राशि (संग्रहण अग्रिम के 2.29 लाख रु जमा सुरक्षित अग्रिम के 02.26 लाख रुक**े सम्बन्ध**िज्ञानी थी।

जैसा कि के लो नि विव हारा 19 जुलाई, 1989 को अनुमोदन किया गया था, असामान्य विलम्ब होने के परिणाम— स्वेरूप परियोजना की लागत में 57 लाख रू० से 69.39 लाख रू० तक वृद्धि हो गई थी। निर्माण कार्य के समापन में विजम्ब होने से न केवल निधियों में अवरोधन हुआ बल्कि 4—219GI/92 सामग्री की कीमतों, श्रमिकों की मजदूरी आदि में तीत्र वृद्धि होने से निर्माण कार्य पर हुए व्यय में भी वृद्धि हुई।

5.41 लाख रु० की अनुमानित लागत का अप निर्माण कार्य जीवन विज्ञान खंड तथा आवासीय कम्पलैक्स पर पहें कार्यरत अन्य ठेकेदार को 8.03 लाख रु० में दिया गया था। रा० भ० नि० नि० द्वारा छोडे गए निर्माण कार्य की वास्तविक लागत 5.10 लाख रु० (निविदागत लागत 32.63 लाख० रु०) किए गए निर्माण कार्य की (लागत 27.53 लाख रु०) थी। इस प्रकार विश्वविद्यालय ने किसी अन्य ठेकेदार से निर्माण कार्य निष्पादित कराने में 2.93 लाख रु० की अतिरिक्त राशि का भुगतान किया था।

रा० भ० नि०नि० तथा विश्वविद्यालय के बीच रा० भ० नि० नि० को किए गए कार्य के लिए देय राशि से संबंधित मामला मध्यस्थता लीन था।

9.7 फ्लैटों (साउथ कौम्पस) के निर्माण में विलंब होने की बजह से फ्लैटों के आबंटन न होने के कारण राजस्व में हानि

मार्च 1984 में विश्वविद्यालय की 3 करोड़ रू० की योजना के अन्तर्गत साउथ कैंम्पस में 60 आवार्सों का निर्माण कार्य लिया गया था। 7 मई, 1984 की 52.53 लाख रूपए की अनुमानित लागत पर "साउथ दिल्ली कैंम्पस' में आवासीय काम्पलैक्स के निर्माण तथा टाइप-I, II, III, IV एवं ү फ्लैटों के उपशीर्ष निर्माण" कार्य के लिए निविदाएं आमिन्तत की गई थीं। निविदाएं प्राप्त होंने की अन्तिम तिथि 12 जून, 1984 थी। उसके उत्तर में 5 निविदाएं प्राप्त हुई थी। फरवरी, 1986 तक पूरा किए जाने के लिए निर्माण कार्य अगस्त 1984 में निम्नतम निविदादाता को 17.35 प्रतिशत से अधिक पर दिया गया था।

विश्वविद्यालय ने ठेकेबार द्वारा चाहे जाने पर 10 अगस्त 1987 को 6 माह का समय और बढ़ाया लेकिन कोई प्रगति नहीं की गई थी। इसलिए विश्वविद्यालय ने 31 मार्च, 1988 को ठेका समाप्त कर दिया।

शेष निर्माण कार्य के लिए अगस्त 1988 में 43.84 लाख रु० की अतुमानित लागत पर प्रेंस विज्ञापन द्वारा नई निविदाएं आमन्त्रित की गई थीं तथा निर्माण कार्य ठेकेदार 'ख' को मई 1989 तक पूर्ण किए जाने के लिए अनुमानित लागत से अधिक 65.41 प्रतिशत पर किया गया था। निर्माण कार्य अभी तक प्रगति पर था। ठेकेदार ने अक्तूबर 1990 तक 38.75 लाख रु० मूल्य का निर्माण कार्य निष्पादित किया था।

इस प्रकार, निर्माण कार्य, जो अभी प्रगति पर, था, में असाधारण विलम्ब होने के कारण निधियों का अवरोधन होने के अदिरिक्त परियोजना की लागत में बद्धि हुई थी।

9.8 उच्चत्तर दरों पर निविदा की स्वीकृति

नवम्बर 1989 में 23.98 लाख रु० (दि० द० प्र० 1988) की अनुमानित लागत का "विद्युतीय प्रतिष्ठापन उपशीर्ष के अन्तर्गत साउथ कैम्पस में विज्ञान खण्ड तथा प्रशासनिक खण्ड के निर्माण-कार्य अनुमानित लागत से 7.75 प्रतिष्त अधिक पर 25.84 लाख रु० के० लिए तीसरे निम्नतम निविदाकर्ता ठेकेदार "क" को दिया गया था। निर्माण कार्य अगस्त 1990 तक अर्थात् ठेके की तिथि से नौ महीने के भीतर, पूरा किया जाना था। कार्य आरम्भ करने से पहले सक्षम प्राधिकारी का प्रशासनिक अनुमोदन प्राप्त नहीं किया गया था।

प्रथम निम्नतम निविदादाता की दरें, जो कि अनुमानित लागत से 4.84 प्रतिशत कम थी, इस तर्क पर अ वीकृत कर दी गई थी कि कुछ मदों के लिए उद्धत करें असामान्य रूप से कम थीं तथा ठेकेदार विश्वविद्यालय का कार्यरत इस तथ्य के वावजुद था कि ठेकेदार नहीं था। यह ठेकेदार के० लो० नि० वि० के पास पंजीकृत था तथा अन्य शिक्षण संस्थानों के लिए कार्य कर रहा द्वितीय निम्नतम निविदादाता का प्रस्ताव भी इस आधार पर स्वीकृत नहीं किया गया था कि उनके द्वारा भेजी गई स्थिति का वित्तीय आशय परिकल्पित नहीं किया जा सका तथा ठेकेदार सांस्थानिक भवनों में विद्युतीय प्रतिष्ठापन करने में अनुभवी नहीं था। आगे, ठेकेदार "क", जिसको अन्तिम रूप से कार्य दिया गया था, ने निविदा प्रस्तुत करते समय निविदा आमंत्रण सूचना की शतों के अनुसार उचित रूप में बयाना राशि नहीं भेजी, विश्व-विद्यालय ने उसकी निविदा पर विचार करके निर्माण कार्य उनको सौंप दिया।

तृतीय निम्नतम निविदादाता को इस प्रकार कार्य देने के परिणामस्वरूप 3.02 लाख रु० (तृतीय निविदादाता को 25.84 लाख रु०—प्रथम निम्नतम निविदादाता को 22.82 लाख रु०) की अतिरिक्त देयता स्वीकार की की गई थी।

अगस्त 1990 तक पूर्ण किया जाने वाला निर्माण कार्य अभी तक प्रगति पर था (सितम्बर 1990)। निर्माण कार्य की प्रगति बहुत धीमी थी क्योंकि सितम्बर 1990 तक केवल आठ प्रतिशत कार्य ही पूरा किया गया था।

9.9 उच्चतर दरों पर निर्माण कार्य देने के कारण अतिरिक्त व्यय

मार्च 1989 में 15.20 लाख रु० (दि०द० अ० 1985 पर आधारित) की अनुमानित लागत पर भूमि का विकास-साउथ कैम्पस-एस० एच० मल व्यवस्था जल निकासी, जलापूर्ति आदि के निर्माण कार्य के लिए मदवार निविदाएं आमंत्रित की गई थीं। केवल एक निविदादाता ने 21.47 लाख रु० की दरें, जोकि अनुमानित लागत से 41.21

प्रतिशत अधिक थी भेजी जिसे विश्वविद्यालय द्वारा तैयार किए गए दि०द० अ० 1985 से 50.44 प्रतिशत अधिक के भौचित्य को ध्यान में रखते हुए स्वीकार कर लिया गया था। निर्माण कार्य सितम्बर 1989 में आरम्भ किया गया था और नौ महीने के अन्दर जून 1990 में समाप्त किया जाना निर्धारित था।

15.20 लाख रु० के अनुदानों (दि॰द॰अ० 1985) में 6.00 लाख रु० की 43 निर्माण कार्य की मदें शामिल थीं जिनपर प्रचलित बाजार दरों के आधार पर कार्य किया गया था। इस प्रकार, दि॰द॰अ० से 50.44 प्रतिशत अधिक दरों के लिए श्रौचित्य सही रूप से तैयार नहीं किया गया था तथा अनुमानित लागत से स्वीकृत 41.21 प्रतिशत अधिक की दरें, त्यायसंगत नहीं थीं। ये तथ्य, दिए गए निर्माण-कार्य का अनुमोदन कराते समय निर्माण कार्य सलाहकार समिति की सूचना में नहीं लाए गयेथे। इसे स्वीकार करने के परिणामस्वरूप 19.80 लाख रु० की त्यायोचित दरों के अतिरिक्त 1.66 लाख रु० की सीमा तक एक मात्र निविदा का उच्च दरों पर किया गया परिणामी भुगतान निम्न प्रकार परिकलित किया गया:—

(লা	ख रु० में)
1. निविदा में रखे गये निर्माण कार्य की कुल	15.20
अनुमानित लागत	
2. बाजार दरों पर कम परिकलित की गई	6.00
43 मदें	
3. दि ॰द ॰अ ॰-1985 पर आधारित निर्माण	9.20
कार्य की मदों की अनुमानित लागत	
4. विश्वविद्यालय द्वारा न्यायोचित बताई गई	4.60
दि ० द ० अ ० 1985 से अधिक जोड़ा गया	
50.44 प्रतिशत	
 बाजार दरों पर अनुमानित मदें जोड़ें 	6.00
जोड़ $(3+4+5)$	19.80
स्वीकृत निविदा की लागत	21.46
न्यायोचित राशि के अतिरिक्त अधिक राशि	1.66
का स्वीकृत भुगतान	

निर्माण कार्य अभी तक प्रगति पर था तथा अभी तक कोई समय नहीं बढ़ाया गया था (सितम्बर, 1990)।

विश्वविद्यालय में मार्च 1991 में बताया कि उसने निम्न पक्षों की स्रोर कुछ मदों के लिए बाजार दरें अपनाई थी ताकि निविदा में रखी गई अनुमानित लागत को भी कम रखा जाए तथा वित्तीय प्रबंधों के कारण निर्माण कार्य की सीमा का संशोधन किया गया था तथा 0.64 लाख रु० की लागत (1.18 जान्द्र रु० की स्वीकृत निविदा के अनुसार तदनु-रूपी लागत वाली 12 मदें निर्माण कार्य की सीमा से बाहर निकाल दी गई थी।

9.10 बेकार पहे उपकरण

जापान सरकार अक्तूबर 1984 में गंक्षिक तथा अनु-संधान उपकरणों के सुधार के लिए 500 मिलियन येन (लगभग 3.30 करोड़ रु०) का अनुदान देने के लिए सहमत हो गई क्योंकि फोर्ड फाउण्डेशन अनुदानों के अन्तुर्गत प्राप्त अधिकांश उपकरण अपने उपयोग की सामान्य अवधि पूरी कर चुके थे तथा वि० अ०आ० से प्राप्त निधियों से लिए गये अन्य कई उपकरणीं के प्रतिस्थापन की आवश्यकता थी। जापानी विनिर्भाताक्रीं, संभरकों, जिनके भारत में बिक्री के बाद सेवा उपलब्ध कराने के लिए अपने एजेन्ट थे, जो मार्च 1985 में अपेक्षित उप-करणों के लिए आदेश दिया गया था। विगवविधालय द्वारा ये उपकरण जनवरी से मार्च 1986 की अवधि के दौरान प्राप्त किए गए थे। 18 उपकरणों में से 3.19 करोड़ रू० की लागत बाले 17 उपकरण प्रतिष्ठापित किए जा चुके थे। लग-भग 11.23 लाख रु० की लागत वाला शेष एक उपकरण प्रतिष्ठापित नहीं किया गया था तथा उस साके चार वर्ष बीत जाने के बाद तक उपयोग में नहीं लाया गया था । विशव-विद्यालय के उपकरण के प्रतिष्ठापत न किए जाने के कारण नहीं बताये थे (मार्च 1991)। आगे, उपयोग में लाये गये केवल सात उपकरणों के संबंध में लॉग पुस्तकों अनुरक्षित की गई थीं। शेष 10 उपकरणों के संबंध में लाग पुस्तकों के अभाव में यह पता नहीं चलाया जा सका कि उन उप-करणों का अपनी अनुकुलता क्षमता से उपयोग किया जा रहा था ।

विश्वविद्यालय ने मार्च 1991 में बताया कि प्रतिष्ठा पित किए गये जाने वाले 11.23 लाख रु० की लागत वाले उपकरण के लिए भारतीय एजेंट की अपने जापानी प्रधाना-चार्य का एक अभियंता की प्रतिनियुक्त हेतु प्रस्तावित करने के लिए कहा गया था।

9.11 म० कि भ० के भुगतान तथा लाईसेंस की प्राप्ति न होने के कारण राजस्य की हानि के अतिरिक्त स्टाफ स्वार्टण पर निगरानी रखने में 0.81 लाख ह० का निरर्थक व्यय

विश्वविद्यालय द्वारा रीड्स लाइन में अपने स्टाफ को आवंटन हुतु बनाए गए 80 क्वार्टरों (64 'ग' और 16 'ब') में से 16 क्वार्टर मार्च अप्रैल 1989 में पूरे होने के समय से ही खाली पड़े हुए थे।

विश्वविद्यालय के इंजिनियरिंग विग ने मार्च 1989 सं सितम्बर 1990 तक इन नवार्टरों की निगरानी करने पर 0.81 लाख रु का व्यय किया था। यह व्यय संस्वीकृत अनुमानों में कोई प्रावधान किए बिना उपर्युक्त निर्माण काये की आकस्मिकताओं में प्रभारित किया गया था। ये क्वार्टर उसकी समाप्ति के बाद तुरन्त स्टाफ को आबंटित करने में लिए सम्पद्दा शाखा को नहीं सींपे गए थे।

स्टाफ को आगे आबंटन हेतु सम्पदा शाखा को स्टाफ क्वार्टर सौंपने में विफल रहने के परिणामस्वरूप न केवल निग-रानी करने पर 0.81 लाख रुं का परिहार्य ब्यय हुआ बिल्क लाइसेंस शुल्क के कारण राजस्व का घाटा हुआ तथा स्टाफ को मकान किराया भत्ते वेने के कारण अतिरिक्त व्यय हुआ। विश्वविद्यालय ने मार्च 1991 में बताया कि उपर्युक्त व्यय जुड़नार तथा फिटिंग की घोगी के प्रति सुरक्षित रखने के लिए अनिवार्य था।

9.12 निविदा फर्मों की बिकी आय तथा उसमें से किए गये व्यय का लेखोकन न किया जाना!

1989-90 के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैम्पस के इंजिनियरिंग विंग द्वारा निविदा फार्मों की बित्री के प्रति वसूल की गई 12,900 के की राणि विश्वविद्यालय लेखें में जमा नहीं कराई गई थी। यह राणि इंजिनियरिंग विंग (साउथ कैम्पस) के दिन प्रतिदिन के आकस्मिक ब्यय को पूरा करने के उपयोग के लिए रोकी गई थी। किए गए ब्यय के अभिलेखे भी लेखापरीक्षा को उपलब्ध नहीं कराए गए थे।

9.13 बीमा दावे (संगणक केन्द्र) प्राप्त करने में विलम्ब

विष्वविद्यालय ने फोर्ड फाउन्डेशन अनुदान में से 1971 में 171.76 लाख रु० की लागत पर एक संगणक आई० बी॰ एम०/360/44 प्राप्त करके प्रतिष्ठापित किया था ।

दिसम्बर 1985 में संगणक केन्द्र के बातानुक्षित कमरें में आग लग गई जिससे कठोर तथा नरम पुजें पूरी तरह से नष्ट हो गए थे। समस्त प्रणाली मंसर्भ यूनाईटेड इण्डिया बीमा के पास 80.70 लाख रु० के लिए बीमाकृत थी, जबिक बीमा कम्पनी के पास दावा करते समय उपकरण की बास्तिबक्त लाग उ 171.76 लाख रु० परिकलित की गई थी। बीमा कम्पनी 48.25 लाख रु० पर वाबे का निपटान करने में सहमत हुई थी जिसमें से विश्वविद्यालय द्वारा 42.04 लाख रु० की राशि प्राप्त कर ली गई थी। उनसे प्राप्त 6.21 लाख रु० की राशि अभी तक (नवम्बर 1990) प्राप्त नहीं हुई थी।

आगे, विण्वविद्यालय ने आग में क्षतिग्रस्त हुए उपकरण के मृत्य को अभी तक बट्टे खाते नहीं डाला था '

स्थान नई दिल्ली दिनांक 28-6-91 धर्मवीर महानिदेशक लेखापरीक्षा केन्द्रीय राजस्व

EMPLOYEES STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 8th July 1992

No. U-16/53/90-Med. II (T.N.).—In pursuance of the Resolution passed at its meeting held on 25th April, 1951, conferring upon the Director General the powers of the Corporation under Regulation's 105 of the ESI (General) Regulations, 1950 and such powers having been further delegated to me vide Director General's order No. 1024(G) dated 23rd May, 1983, I hereby authorise Dr. T. Md. Ghouse, 143 Sterling Road, Madras-34, to function as Medical Authority for Madras Centre in Tamil Nadu w.e.f. 1-4-92 to 31-3-93 or till a full time medical referee Joins, whichever is earlier on the existing terms and conditions, at a monthly remuneration as per norms for the purpose of medical examination of the Insured Persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt.

DR. (MRS) A. A. AMBEKAR
Medical Commissioner

MINISTRY OF TEXTILES TEXTILES COMMITTEE Bombay-400 009, the 5th August 1992

CORRIGENDUM

No. 80(24)/92-AD.—In the notification No. 12020/28/91-T&J-II dated 17-02-1992 of the Textiles Committee, relating to Polyester—Cotton and Polyester—Viscose Blended Fabrics Insp. (Amendment) Regulations 1992, which appeared on p. 675 & 676 of the Gazette of India No. 12 dated 21-3-92, Part III, Section 4 word 'regulation 2' appearing after the words 'Inspection of lots as per' in the last line of para 2 (b) should be read as 'regulation 12'.

R. K. SHARMA Secretary

CORRIGENDUM

No. 80(24)/92-AD.—In the notification No. 12020/30/91-T&J-II dated 17-2-92 of the Textiles Committee, relating to Manmade Fibre Fabrics Inspection (Amendment) Regulations 1992, which appeared on page 676 & 677 of the Gazette of India No. 12 dated 21-3-92, Part-III, Section-4 the word 'favrics' appearing in the para 2(ii) before the words 'of piece length upto 6.5. metres' should be read as 'fabrics' and word 'lots' appearing in the 3rd line of para 6(a) on P. 677 after the word 'of the fact whether any' should be read as 'lot'.

R. K. SHARMA Secretary

THE BAR COUNCIL OF INDIA New Delhi, the 12th August 1992

The Bar Council of India at its meeting dated 27th & 28th June, 1992 has amended the rule 40 in Chapter II Part VI. The following proviso be added to rule 40 after the second proviso.

"Provided further however that an advocate shall be at liberty to pay, in lieu of the yearly payment of Rs. 10/-, a consolidated amount of Rs. 100/-. This will be a life time payment to be kept in the fixed deposit by the concerned state bar council and interest to be used for the purposed of this rule. However, payment made by the concerned advocate before this consolidated payment shall be exclusive of it and no credit shall be given for that payment."

C. M.BALARAMAN
Officiating Secretary

NAZIM DARGAH KHWAJA SAHEB

Ajmer, the 12th August, 1992

ADMINISTRATIVE REPORT OF THE DARGAH COMMITTEE AJMER FOR THE YEAR 1989-90.

Introduction

It is my proud privilege to present before the Dargah Committee, the annual report for the year 1989-90.

2. During the year under report the Dargah Committee consisted of the following:

1.	Janab Mohd. Zaman Arif		•											President
2.	Janab Rais Mian Chishty ·													Vice-President
3.	Janab M. S. Farooqi ·									•				Member
4.	Janab Hasan Sani Nizami ·											-		Member
5,	Janab Jan Mohd, Khan		1	-		-								Member
6.	Janab Jaja uddin A. Mateen							,	,					Member
7.	Janab Shah Hussain Ahmed									,				Member
8.	Janab Khwaja Ahmed Nizami					-						_		Member
9,	Janab Peerzada Shabbir Naqshb	andi												Member
	Lt. Col. Mohd. Usman, Nazim I										•			
					-	-	•	•	•	•	•	•	•	Secretary.

3. Janab Mohd, Zaman Arif and Janab Rais Mian Chishty were elected as President and Vice President Dargah Committee for the year 1989-90.

4. Financial Position

I give a comparative statement of the Dargah Khwaja Saheb for the year 1988-89 and 1989-90:

Opening Balance										<u></u> ,			·····	1 April 1988	l April 1989
Current					•		•		 -	<u></u> ,	<u> </u>	·	·—	9,43 019.00	9,54,484.00
Fixed Deposit	•	•	٠	•	٠	•	•	•						10,61,371.00	J8,01,371.00
Secuteties ·	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	٠	2,000.00	2,000.00
									T	otal :		•		27,06,390.00	27,57,855.00

198 9-9 0	1988-89													year	og the	Receipt duri
34,98,960.00	29,44,977.00		•						·,		,			•		Revenue
22,528.00	1,57,101.00								•							Capital ·
-	5,00,000.00	•	•	٠	•	•	•	•	•	•	٠	•	•		•	Loan
35,21,488.00	36,02,078.00	,														
1989-90	1988-89	<u>,</u>	v—										/ear	the y	during	Expenditure
28,57,387.00	21,05,490.00			•		•	,							,		Revenue
13,13,483.00	7,45,122.00	•		٠	•	٠		٠		•	,		•	•	•	Capital
41,70,870.00	28,59,612.00															
31 March 1990	31 March 1989				·	·	·— <i></i>			-				ou	ice as	Closing Balar
7,96,474.00	9,54,484.00	•	-	,	•			``						-1 		Current
13,10,000.00	18,01,371.00	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	S	Fixed deposit
2,000.00	2,000.00		•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	Securities
21,08,474.00	27,57,855.00				otal	T										

5. Purchase of 2 private houses by Dargarh Committee

Purchase transactions have been completed in case of 2 private houses on the rear portion of our Guest House "C" & "D" blocks for making additional block of Guest House. The properties have been purchased for the following amounts:

- (a) House No. AMC-6/631 -- Rs. 2.50 Lakhs
- (b) House No. AMC-526/34 Rs. 1.75 Lakhs

In addition we have had to spend on registration fee etc. and the total expenses in this transaction have been Rs. 4,84,475.20. The properties have been purchased on behalf of the Dargah Committee with the ultimate objective of demolishing the very old buildings and constructing a multistoreyed Guest House for the pilgrims who come for Ziarat of Holy Shrine of Khwaja Gharib Nawaz (RA).

6. Re-arrangement of Dargah Power House

The entire wiring of Dargah Power House has been changed with new wires and the Generator Sets have been shifted to a safer place, under one roof.

7. Urs Mubarak of Hazarat Khwaja Moinuddin Chishty (RA) 1990

The Urs commenced on 1 Rajab 1410 corresponding to 28th Ian 1990 and was over after Bada Qul on 9 Rajab corresponding to 5 Feb 1990. During the first 2 days of Urs there was rather steady flow of Zaireen but on the third day the influx increased suddenly. On 6 of Rajab being Friday and the Chati Sharif the number of Zaireen had increased to 3 lakhs.

Every thing went on well and Friday prayers passed off peacefully due to strict vigilence and elaborate administrative arrangements made by the Dargah and District authorities. The Dargah Administration had installed about 130 Loud Speakers well beyond Mahaver Circle, Clock Tower, Vishram Sthal and Tripolia Gate in anticipation of the expected larger crowds this year as compared to the last year. Bada Qul was held on 9th Rajab corresponding to 5th Feb 1990.

All ceremonics and rituals were held as per traditions and procedure laid down and every thing went off well. All administrative arrangements particularly police, water supply, electricity, hygiene, sanitation, cleanliness and medical aid were good and remained satisfactory through out Urs Sharif.

The following departments were established within the premises of Guest House. These consisted of, Railway booking Counter, Bank Counter, Post Office, Telegraph Office & Road Ways. For the first time railway reservation on important routes were available at Guest House Booking Counter.

The Services of All India Scouts, Bharat Scouts and Guides from Allahabad and local Scouts were requisitioned who worked with great zeal and devotion. An enquiry point was established at Buland Darwaza and functioned round the clock. They helped to restore a number of lost children to their parents and guided the Zaircen in various ways.

Five dispensaries were set up for free treatment of Zaireen within Dargah premises. The Pakistan delegation consisting of about 400 pilgrims attended the Urs peacefully and presented Chader at the Holy Shrine.

8. Rituals of Dargah Sharif

The Mahafil of Annual Urs Sharif of Khwaja Moinuddir Chishty and Peer-O-Murshid Khwaja Usman Harooni (RA) and other Mahafils of Thursdays, Chhati Sharif, Chaudhween Sharif were performed properly. The Airaz of Khulfae Rashedeen, Idd Miladun Nabi, Moharram Sharif etc. were observed with solemnity.

9. VIPs

The names of few of the VVIPs who visited the Holy Shrine to pay their homage during the year under report are given below:—

- 1. H.E. Shri R. Venkat Raman-President of India.
- H.E. Shri Shanker Dayal Sharma—Vice President of India.
- 3. H.E. Shri V. P. Singh-The Prime Minister of India.
- Janab Mehbubur Rahman—Minister of Jute, Govt. of Bangla Dosh.
- 5. Janab Mufti Mohd Sayeed--Home Minister of India.

10. Welfare activities and Financial aid

The following welfare and social activities were undertaken during the year 1989-90:

(a) Stipend to Medical and Technical Students

A sum of Rs. 11,116/- has been given to students as Meritcum-Means scholarship at the rate of Rs. 100 per month.

(b) Stipend to widows and needy

A sum of Rs. 49,567/- was given to widows of Khadims and non Khadims, Peerzadgan, local and out side of Ajmer.

(c) Tajheez-O-Takfeen

A sum of Rs. 22,726/- has been spent on burial of unclaimed bodies and of those who could not afford the expenses.

(d) Aid to poor students, poor patients, Sadir-O-Warld, Victims of theft/pick-pockets etc.

A sum of Rs. 11,830/- has been spent in giving financial aid to the above category of needy persons.

- (e) Rs. 500/- per month were paid to Managing Committee Mohammed Ali Memorial Senior Hr. Secondary School, Beawar for imparting religious education in the institution.
 - (f) Medical aid to Staff and other

A sum of Rs. 17,047/- was disbursed on account of Medical aid to Staff and others.

- (g) Supply of medicines and maintenance of dispensaries. The Dargah Committee is running fulfledged free dispensaries of Homoeopathic and Unani. A sum of Rs. 71,927/was spent on running the two dispensaries.
- 11. Langer in Ramzan and Iftar

300 poor Rozdars have been given two sumptuous meals

daily during the Ramzan. Besides this Iftari including Ice, Sugar, Khajur for Central Jail prisoners who observed Fast was arranged through out the month of Ramzan. A sum of Rs. 27,734/- has been spent on this account.

12. Daily Langer

The Langer has been cooked and distributed twice daily to all without any distinction of caste and creed. The expenditure for the year 1989-90 amounts to Rs. 89,526/-.

13. Meetings of Dargah Committee

Four meetings of Dargab Committee were held during the year under report.

Sd/- ILLEGIBLE NAZIM Dargah Khwaja Saheb Ajmer

UNIVERSITY OF DELHI

Delhi-110007, the 8th August 1992

The annual accounts of the University of Delhi for the year 1989-90 alongwith the Audit Report thereon are hereby published for information as required under Section 39(2) of Delhi University Act, 1922 (Act VIII of 1922).

S. K. WASAN Registrar.

UNIVERSITY OF DELHI ACCOUNTS FOR THE YEAR 1989-90 AND AUDIT REPORT

STATEMENT NO.-1

BALANCE SHEET OF THE UNIVERSITY OF DELHI AS ON 31-3-1990.

As on 31-3-1989		FUNDS & LIABILITIES	(11100)	As on 31-3-1990
Rupecs		FUNDS		Rupees
42,69,94,624	1.	Grants		47,86,28,689
47,18,166	2.	Gifts & Donations	•	47,18,166
21,72,90,473	3.	Provident Fund	•	24,58 52 .137
63,25,497	4.	Depreciation Reserve Fund		67,25,558
2,37,438	5.	Publication Fund	•	2,32,753
10,24,322	6,	Vice-Chancellor's Student Fund	•	14,41,436
1,61,41,973	7.	Endowment Fund Account		1,46,84,942
4,25,556	8.	Conveyance Loan Fund · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	•	4,28,451
6,43,07,063	9,	House Building Loan Fund	•	6,95,90,791
2,30,780	10,	Publication Revolving Fund	•	2,41,417
3,75,514	11.	Royalty Fund (Deptt. of English)	•	4,34,149
1,60,487	12.	Publication of Oriental Insects Fund · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	•	1,68,707
25,95,158	13.	Hindi Medium Implementation Fund	•	31,47,818
	LI	ABILITIES		
2,58,84,952	1.	(a) Unutilized Grants	•	2,49,35,994
1,60,00,000		(b) Maintonance Grant Received in advance	•	1,35,00,000
37,13,759	2.	Science Caution Money & Library Deposits	-	46,29,611
21,57,148	3.	Contractor's Security Deposit	•	25,07,984
27,88,591	4.	Scholarship Deposits · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	•	15,65,547
1,03,45,342		Research Scheme Deposits	•	1,19,10,148
10,22,717	6.	Deposits in respect of Summer Instt. Seminars, Workshop/Colloquim etc.	•	6,31,955
1,07,577		Other Deposits & Remittances	-	35,37,442
42,95,445	8.	Amount Payable		1,44,17,528
20	9.	Book Bank (Deptt. of Education)	•	20
25,58,754	10.	N.S.S. Account		17,02,879
2,30,692	11.	Adult & Continuing Education A/c		4,27,300
47,51,028	12.	Property Tax Account	•	·
1,65,773	13.	Group Insurance Scheme A/c	•	99,726
81,48,48,869	To	al · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	•	90,61,61,148

BALANCE SHEET OF THE UNIVERSITY OF DELHI AS ON 31-3-1990

As on 31-3-1989	ASSETS	As on 31-3-1990
Rupees		Rupees
14,01,29,352	1. Building · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	16,15,28,797
1,21,27,102	2. Land • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	1,30,02,032
14,81,41,869	3. Furniture & Equipment · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	16,28,80,202
19,45,393	4. Vehicles	24,39,173
1,46,95,297	5. Science Apparatus · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	1,53,71,036
12,11,20,876	6. Books & Periodicals · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	13,54,40,456
1,41,368	7. Sports Equipment & Trophies · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	1,56,149
4,51,270	2. Amount Receivable · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	3,99,096
	9. Provident Funds	•
13,22,96,500	(a) Investments	18,32,51,500
4,92,44,643	(b) Interest receivable on Investments · · · · ·	2,85,75,523
	10. Other investments	
13,15,000	(a) Depreciation Reserve Fund	13,65,000
1,78,000	(b) Publication Fund	1,83,000
3,80,000	(c) Viche-Chancellor's Students Fund	6,15,500
1,20,09,577	(d) Endowment Fund	1,25,99,164
89,817	(e) Deptt, of Social Work	89,817
23,89,100	(f) Science Caution Money & Library Deposit	33,41,100
7,30,000	(g) Instrument A/c (Computer Centre)	1,30,000
3,45,000	(h) Royalty Fund (Deptt. of English)(i) Plan Development A/c	3,55,000
1,31,20,865 75,000	(i) Plan Development A/c (j) Publication Revolving Fund	1,34,04,000
1,00,000	(k) Publication oriental Insects Fund	1,65,000
10,00,000	(I) Hindi Medium Implementation Fund	1,00,000
1,35,000	(m) Miscellaneous Accoount	13,00,000 1,35,000
	11. Advances & Loans	1,000,000
97,425	(a) Permanent Advance	1,04,775
10,17,934	(b) Other Advances	14,91,511
4,18,029	(c) Conveyance Loan	3,55,25
5,43,76,172	(d) House Building Loan	6,47,93,900
25,53,000	12. University Press	30,53,000
4,795	13. Security with D.E.S.U. (Deptt. of Social Work)	4,795
1,59,87,534	14. Excess of Expend. over income	1,98,60,94 9
	15. Other Grants & amount recoverable	33,94,350
8,82,32,451	16. Cash at Banks	7,62,76,068
81,48,48,869	Total	90,61.61,148

Note on Account:

1. General

These Annual Accounts do not include the account of Mainteined Institutions/Colleges, which will be submitted separately:

2. Assets; SI. No. 11(b) other advances:

This figure does not include the following advances charged to the respective final head of account. The adjustments of these advances are being watched through the register of advances and the position of advances awaiting adjustment as on 31-3-90 is given Category-wise:

Category	Previous Rupees	1987-88 Rupees	1988-99 Rupees	1989-90 Rupces	Total Rupees
1. Building	32,443	-	27,413	22,33,636	22,93,492
2. Furniture & Equipment .	16,475	13,308	15,56,551	78,26,335	94,12,669
3. Science Cpparatus	3,505	2,50,000	23,873	95,402	3,72,780
4. Books & periodicals .	-			1,38,015	1,38,015
5. Vehicle				3,39,990	3,39,990
6. Rosearch Schemes	94,027	8,243	13,88,987	78,38,899	93,30,156
7. Seminare Fellowships .	5,250	_	43,300	3,25,827	3.74.377
8. Other Advances charged to Income & Exp. A/c of res-			,	• •••	7,1,017
pective years	4,29,762	5,27,850	2 4,9 3,361	50,06,295	84,57,268
	5,81,462	7,99,401	55,33,485	2,38,04,399	3,07,18,747

Certified that the grants received by the University have been utilised for and on the purpose for which they were sanctioned and puld.

Sd-

ASSTT. REGISTRAR (A/cs,-I) UNIVERSITY OF DELHI, DELHI-110007. Sd-FINANCE OFFICER UNIVERSITY OF DELHI, DELHI-110007.

Sd-TREASURER UNIVERSITY OF DELHI, DELHI-110007. STATEMENT NO.-2.

INCOME AND EXPENDITURE A/c PORTHE YEAR .1989-90

For the year 1988-99	INCOME	For the year 1989-90
	I. NON-PLAN ACCOUNT	_
Rs. Ps.	(MAINTENANCE GRANTA CCOUNT)	Rs. Ps.
16,93,88,723.68	1. Grant excluding capitalised expenditure	18,77,39,998.12
41,04,010.40	2. Fees from Students	42,22,882.80
1,10,45,764.10	3. Examination Fees	1,34,07,785.55
15,24,312.17	4. Other Fees	17,02,032.56
2,30,772.00	5. Health Contre Contribution	2,17,632.50
2,82,715.16	6. Sale of Publication	3,56,119.35
1,21,574.50	7. Photocopy Charges	1,18,677.05
41,070.00	8. Graphic Arts Contre	
14,74,673.09	9. Licence Fees, Electricity/Water Charges etc.	16,98,892.17
	10. Miscellaneous	
7,88,337.95	(a) Interest	8,86,820.18
17,71,201.93	(b) Other items	49,58,375,68
19,07,73,154.98	TOTAL-1	21,53,09,215,96
	II. PLAN DEVELOPMENT ACCOUNT	
	(GRANTS EXCLUDING NON-RECURRING GRANTS)	
2,95,329.72	(a) S xth Plan Scheme	
1,50,000.00	(b) Seventh Plan Schemes	41,86,497.96
· ·	(c) Area Study Programme Chinese & Japanees Studies	82,225.68
	(d) Special Assistance Programme	68,95,000.00
	(e) Other Receipts	2,43,630.81
4,45,329.72	TOATL-II	1,14,12,354,45
19,12,18,484.70	TOTAL-I & II	22,67,21,570,41
1,16,73,060.84	Excess of Expenditure over Income	38,83,429.50
20,28,91,545.54	GRAND TOTAL	23,06,07,999,91

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR 1989-90

			1988-8			EXPENDITURE			9-90			
Pay & Allowanc	es .	Other Chi	ırgçs	Total	,		Pay Allow		Other	Charges	To	otal
	, <u>-</u> ,					I. Non-Plan Account			 -,			
Rs.	Ps.	Rs.	Ps.	Rs.]	Ps.	(Maintenance Grant Acce	Rs.	Ps.	Rs.	Ps.	Rs.	Ps.
1,78,64,903.	.76	71,68,833	5.20	2,50,33,738.	96	1. General Administration	2,03,54,7	73.2 10	66.80	900.75	2,70,35	622 RS
49,95,214.		1,54,23,1		2,04,18,413.		2. Office of the Controller of Examinations		634.85	, ,	,756.38		,032.03 5, 3 91.23
2,42,71,078	.55	16,14,1	76.20	2,58,85,254	.75	3. Faculty of Arts & Social Sciences	1 2,69,49,	894.09	12,13	,321.16	2,81,63	3,215.25
2,52,33,078.	.45	33,11,89	93.54	2,85,44,971.	99	4. Faculty of Science	2,71,03,	148,90	33,41.	441,90	3,04,44,	.590.80
77,88,342.			52.70	74,35,005.		5. Figulty of Law		475.10		,998,20		,473.30
19,93,085.			96,00	20,11,181.		6. Faculty of Music & Fine Arts		906,00	15	,475 .00	21,60	,381,00
29,10,550.		1,42,8		30,53,364.		7. Faculty of Mathematics	,	,602,00		5,228.97		,830.97
3,57,738.	.40	6,32,8	24.18	9,90,562	.58	8. Faculty of Medical Sciences & Technology		,073,85	5,9	9,712,70	11 58	786.55
242,8,831.		1,45,31	88.43	25,74,219.	.68	Faculty of Management Studies	t 28,02	2 ,9 78.40	1,5	2,525.90	29.55	5C4.30
38,52,596		2,36,1		40,88,760.		10. Feculty of Education		,660,30		3,605.00		100.10
83,12,227.		28,42,7		1 11,54,968		11. South Delhi Campus		491,00		1,740.51		1231.51
87,35,982.		11,26,6		98,62,216.		12. Delhi University Library System	ry 1,00,86	5,684,34	7,8	1,448.45	10 8 68	132.79
5,22,951	,80	45,3	61,65	5 67 313.	.45	 Directorate of Hindi Impli, Centre 	6 07	372.50	41	5,068.31	6,53	,440.81
11,62,705.	.42	82,65,34	15.58	94,28,051.	.00	Student's Facilities	14,03	,155.10	1,02,9	713.10	5 1,16,96	,868.26
33,36,039.	30	2,23,62,5	54.25	2,56,98,593.	75	15. Staff Benefits	40,94.	,688,50	2,12,79	9,232.65	2,53,73,	921,15
	_	5,55,5	41.80	5,55,541.	80	16, Grants & Contribution	•	_	3,5	1,085.50	3,51,	085.50
58,82,266.	.43	93,72,79	7.65	1,52,55,064.	80	17. Works, Maintenance & N	tepairs 68,	38,483.8	0 1,10,4	2,289.9	0 1,78,80),772.80
1,55,113.	.30		_	1,55,113.	30	18. Study Leave	1,36	,557.00			1,36,	557.00
8,64,265.	35	13,93,6	14.40	22,57,879.	75.	 Non-Collegiate Women Edu. Board 	9,26,	095.05	17,41,	596.95	26,67,	692.00
13,94,1,69.1	10	3,80,71	3,07	17,74,88231	7 2	21 Delhi University	17,19,	831.40	9,15,	353.89	26,35	,185,29
		•				Computer Centre						
12,18,18,832.	.86	7,53,08,69	91.75	19,71,27,524	,61	TOTAL -I	13,71,02	,496.28	8,72,41	,609.71	22,43,43	 ,505.99
	 , ,	-,-,-,-	, , ,	'' '' - ' 	I.	Plan Development				_ 		
Rs. P	?s.	Rs.	Ps.	Rs. Ps	١.	(Grant Account)	Rs.	Ps.	Rs.	Ps.	Rs.	Ps.
				•		(-) 01 of 201 - 0 1 .						+ 4.
2,59,649.0		4,01,38			,	(a) Sixth Plan Scheme	***		4-00			_
20,63,839.9	91	30,39,14	4.94	51,02,984.9		(b) Seventh Plan Schemes		773.20		239.93		,013 .13
_			_	_	· (c	c) Area Study Programme Chinese & Japanees Studies	1,97,9	05.00	2,66,0	082.00	4,63	,987.00
-			_	_	(ď) Special Assistanco	2,41,1	55,00	10,59,	338.79	13,00	,493.79
23,23,488.9	91	34,40,53	2.02	57,64,020.9	93	Programme TOTAL-II	34,35,83	33.20	28,25,0	560.72	62,61,	493.91
12,41,42,321.	77	7,87,49,22	23.77	20,28,91,545.	54	TOTAL-J & II	14,05,38,32	9.48	9,00 €	.670.43	23,06,04	,559. 91
12,41,42,321.1	77	7,87,49,22	23.77	20,28,91,545.:	4.4	GRAND TOTAL	14,05,38,	329.48	9,00,	66,670	23,06,04,	999.91

Notes on Accounts:

The expenditure during the year 1989-90 also includes advance Charged to final heads of the account awaiting adjustment as on 31-3-1990 to the extent indicated below:

1. Paid to the employee towards L.T.C.

2. Paid to the Department for incurring contingency expenditure etc.

78,935.00 Rs.

Rs. 49,27,360.00

Rs. 50,06,295.00

ASSISTANT REGISTRAR (A/cs-I) UNIVERSITY OF DELHI

DELHI-110007,

Sd-

Sd-

FINANCE OFFICER

UNIVERSITY OF DELHI

DELHI-110007.

Sd-

TREASURER

UNIVERSITY OF DELHI

DELH1-110007.

STATEMENT NO.-3

STATEMENT OF RECEIPT & PAYMENT ACCOUNT FOR THE YEAR 1989-90.

Name of the Account	Opening Balance as on 1-4-1989	Recoipt	Payment	Closing Balance a on 31-3-1990,
1. NON-PLAN ACCOUNT	Rs. Ps.	•		Rs. Ps.
(i) General Fund Saving Bank				
A/o (C&I-212)	1,06,58,687.45			29,92,832.2
(ii) Maintenance Grant A/c No. I	22,00,459.53			3,64,475.9
(ili) Maintenance Grant A/c No. II	(-)2,43,930.88			1,35,199.7
(iv) Mainton noe Grant A/c No. III	()9,05,616.03			29,87,313,9
(v) Evening Law Centre No. I Account	97,881.56			1,87,418.5
(vi) Eyening Law Centre No. II Account	1,37,396.16			61,879.0
(vii) South Delhi Campus General Fund	8,82,004.42	27,74,25,597.17	28,27,61,722,99	
A /a			, , ,	-,,-,-
(vili) Department of Social work Account	6,975.05			()1,609.87
(ix) Non Collegiate Women's Education				()-,
Board A/c (C & I-326)	40,804.05			94,644.0
(x) Department of Education Account	9,975.12	2		58,925.82
(xi) External Candidates Cell Account				
(C-1-325)	(—)12,376.65			31,817.03
(xii) Computer Centre (S.B. A/c No. 234)	222.89			92,928.54
(xiii) Departmental Receipt (S.B. A/c 445)	()80,476.65			31,821.0
(xiv) Delhi University Pension A/c				51,021.0,
(C & I-471)				1,00,000.00
Total Cash Balance Under				- <u></u>
Non-Plan Account	1,27,92,006.02	27,74,25,597.17	28,27,61,722.99	74,48,317.50
2. PLAN DEVELOPMENT ACCOUNT				
(i) Plan Development Current Account	5,32,630.81		•	6,90,052.56
(ii) Plan Development Savings Bank				.,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
Account (C & I-211)	4,42,256.30			38,88,302.04
(iii) South Delhi Campus	3.14,318.92	5,07,20,091.05	4,66,79,916.43	6,86,674.74
(iv) Department of Education	(—)9,713.70			11,514.30
(v) Department of Social Work	1,761.88			1.761.88
(vi) C.P.D.H.E. (C & I-440)			-	48,630.81
Total Cash Balance Under				
Plan Account	12,81,254.21	5,07,20,091.05	4,66,79,916.43	53,26,936.3
MISCELLANEOUS ACCOUNT				
(i) Current Account	1,00,037.87	-		7,67,728.50
(ii) Saving Bank A/c (C & I-213)	11,56,538.71	33,01,616.63	30,03,981.20	7,88,538.71
Total Cash Balance Under		· ·	·	7,00,000.71
Miscellaneous Account	12,56,576.58	33,01,616.63	30,03,981.20	15 56 267 21
(i) Provident Fund A/c (DU-40)	29,98,100.93			15,56,267.21
(ii) Countributory Provident Fund	45,50,100,33	3.94,27,913.85	4,07,12,245.75	17,13,769.03
A/c (DU-109)	21,65,435.92	13,88,48,357.89	14 00 04 527 40	10.44-
(iii) G.P.F. Account (DU-106)	56,51,636.15	3,81,21,024,61	14,09,94,537.19 3,90,65,812.81	19,256.62
(iv) C.P.F. A/c Refundable to	20,01,020,12	0,01,21,V47,UI	3,50,03,012.81	47,06,847.95
U.G.C. (DU-107)	2,49,34,157,59	9,10,37,364.12	8,83,86,280.78	7 72 02 04
~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~				2,75,85,240.9

Name of the Account	Opening Balance as on 1-4-1989	Receipt	Payment	Closing Balance on 31-3-1990,
5. Depreciation Reserve Fund Account				
(C & I-216)	10,21,036.89	6,75,061.11	11,29,364,00	5,66,734.00
<ul><li>6. (i) Publication Fund A/c (DU-35)</li><li>(ii) Publication Account (Deptt. of</li></ul>	59,076.67	53,055.95	71,709.00	40,423.62
Slavic Study) C & I-455 (iii) Publication Fund A/c (Deptt. of	190.45	4,473.85	-	4,664.30
M.I.L.) (C & I-456) 7. Vice-Chancellor's Students Fund A/c	190.50	4,473.80	Brown 4	4,664.50
(DU-31) 8. Endowment Fund A/c 42,32,396.66	6,43,822.00	9,92,014.55	<b>8,09,90</b> 0.00	8,25,936.5
Less Rectification of Mistake (-)23,13,791.37				
	19,18,605.29	38,98,922.30	36,31,749.00	21,85,778 65
9. Conveyance Loan Fund Account (C & I-100)	7,527.20	3,35,575.20	2,69,906.00	79 104 4
10. House Building Loan Fund A/c (C&I-258)	99,30,891.28	1,68,88,954.50	2,20,22,954.70	73,196.4 47 <b>,96,</b> 8 <b>9</b> 1.0
11. Publication Revolving Fund A/c (C&I-264)	•	18,882.64	98,246.00	76,417.7
12. Royalty Account (Deptt. of English)		·	· · ·	
(C & I-282)	30,513.85	2,45,690.00	1,97,054.46	79,149.3
13. Publication Orental Insects Fund (S.B. A/c-344)	60,485.80	17,053.88	8,833.00	<b>62,</b> 706.6
<ol> <li>Directorate of Hindi Medium Implementation Centre (C &amp; I-309)</li> </ol>	10,95,158.47	12,26,123.28	4,73,463.00	48,47,818.5
15. Science Caution Money A/c (C & L-70)	95,608.58	1,23,531.20	1,07,120.30	1,12,019.4
16. Library Deposit Account (C & I-140) 12 19,354.00 Add Rectification of				
Mistake 169.71	12,19,523.71	20,61,368.91	21,74,099.00	11,66,793.6
17. C.S.I.R. Research Fellowship A/c (C & I-99)	12,48,053.75	81,51,674.75	86,04,592.00	7,95,136.
18. UGC Research Fellowship Account (C & I-131)	8,55,662.10	19,82,683.19	1,24,24,559.54	4,13,785.
<ol> <li>Other Bodies Scholarships Account (C &amp; I-165)</li> </ol>	8,29,396.12	16,25,896.19	18,84,447.41	4,71,844.9
<ol> <li>Fellowship/Scholarships Accounts Deptt. of Education (C &amp; I-152)</li> </ol>	17,401.50	884.15		18,285.6
21. Foreign Student Scholar Account		£ 1.1 abo oo	# OF OOA OO	
(C & I-4016)	1,51,374.10	6,14,320.00	5,85,903.00	1,79,791.1
22. Research Schemes Account (C & I-148) 23. Research Project A/c	37,06,752.07	2,67,58,018.27	2,68,42,459.80	36,22,310.
(Deptt. of Social Work)	17,603.74	4,58,274.15	4,27,497.30	48,380.;
24. D.O.E. Research Schemes (C &1 -280)	1,07,107.85	2,34,921.90	2,46,038.00	89,991.1
25. Research Schemes Account (C&I-384) 26. Seminar/Summer Instt. A/c (C&I-252)	14,65,232.65 10,22,716.91	20,64,507.30 11,74,795.70	<b>5,14,610</b> .00 1 <b>5,65,557</b> .14	30,15,129.9 6,31, <b>95</b> 5.4
27. Remittances & Deposit Account				•
(Deptt. of Education) 28. Delhi University Staff Quarter A/c	69 <del>,444</del> .77	75,134.00	62,641.00	81,937.7
(C & I-313)	2,35,122.20	40,14,192.85	41,73,114.00	76,201.0
29. Case Material Scheme A/c.				
<ul><li>(i) Campus Law Centre (C &amp; I-390)</li><li>(ii) E.L.C. No. 1 (S.B. A/c 12742)</li></ul>	10,595.70 75.00	3,16,689.35	2,49,904.00	7 <b>7,</b> 481.0 75.0
(iii) E.L.C. No. 1 (S.B. A/c 14974) (iv) E.L.C. No. II (S.B. A/c 7803)	75,127.18 17,790.65	2,32,778.06 1,39,540.05	1,59,320.50 1,52,696.00	1,48,584.7 4,634.7
30. Japanese Grant A/c (C & I-361)	1,51,732.40	8,665.25	96,807.40	63,590.65
31. Asiad '82' A/c (C & I-288)	2,31,743.58	11,417.80	16,292.80	2,26,862.58

Name of the Account	Opening Balance as on 1-4-1989	Receipt	Payment	Closing Balance as on 31-3-1390,	
32. Foreign Currency A/c (C & I-426)	1,143.85	708.30	J,143.85	708.30	
33. Faculty Development Fund					
(i) Do. F.M.S. (S.B. A/c 297) (ii) Do. Evening Law Centre-I	7,196.95	354.75	_	7,551.70	
(ii) Do. Evening Law Centre-I (S.B. A/c 17336)	_	61,989.10	16.00	61,973.10	
(iii) Do. Campus Law Centre		32,680.00	920.70	31,759.30	
34. D. U. Working Women's Hostel A/c.			•		
(C & I-356)	24,289.05	1,227.00		25,516.65	
35. Admission Processing Charges Account-		-			
Faculty of Management Studies & Deptt.					
of Commorce (C & I-449)	7,81,381 .65	8 <b>,78,9</b> 03.00	5 ,25,642.90	11,34,642.65	
36. Admission Processing Charges Bccount— Factuly of Law and Deptt. of Computer					
Science (C & I-460)	74,062.50	1,06,760.55	70.150.05	1.70.673.00	
37. N.S.S. Account	23,58,753.84	5,33,804.51	11,89,679.31	17,02,879.04	
38. Delhi University Adult & Continuing					
Education Account (C & I-336)	2,30,690.52	<b>7</b> 0,07,834.90	8,11,227.00	4,27,298.42	
39. Delhi University Property Tax Account					
(C & I-357)	47,51,027.95	2,76,437.65	50,27,465.60	_	
40. Group Insurance Scheme (C & I-374)	1,65,772.48	89,12,229.38	89,78,275.53	99,726.33	
41. Research Project A/c (C & I-21)		20.25.000.00	2.24.450.00		
S,D,C,	<u> </u>	28,26,020.00	3.24.490.00	25,01,530.00	
TOTAL	8,59,18,830.25	73,78,21,483.19	74,74,74,245.14	7,62,76,068.30	

^{*}for Items 1 (viii) & 2 (v) a single Bank A/c & Cash Book is being maintained and the Balance is Rs. 152.01.

ASSISTANT REGISTRAR A/cs-1, UNIVERSITY OF DELHI, DELHI 110007. FINANCE OFFICER UNIVERSITY OF DELHI, DELHI-110007. TREASURER UNIVERSITY OF DELHI, DELHI-110007.

### NOTES

### 1. Inter Banks Transfers:

As on 31-3-1990, the following Inter Bank Transfers made during the year 1989-90 and earlier years remained unadjusted:—

S.No	o. From							То	Amount Rupces
1.	Maintenance Grant A	-/c		•	٠			Delhi University Press	18,02,000
2.	Do.				•	•	•	Miscellaneous A/c	36,00,000
3.	Plan Development A	c .	٠	•	٠			Maintenance Grant A/c	86,70,00
4.	Do.			•		•		Miscellaneous A/c	6,60,000
5.	Miscellaneous A/c			•	•	•	•	Delhi University Press	12,51,000
6.	Do.		•	•	•	٠		M. M. Dhar Endowment fund (C & I-214)	1,00,000
7.	Do.		•	•	•			Faculty Development fund E. L.C1 A/c No. 17376	30,000
- :	Other Bodies Scholars (C & I-165)	ship	•	•	.•	•	•	C.S.I.R. Fellowship (C & I-99)	1,86,421
9.	Do,		•		•		•	U.G.C. Scholarship (C & J-131)	10,00,000
	Foreign Student Schola NO. DU-4016)	r A/	c	•	•	•	•	Case Material Scheme (C & I-390)	20,000

## 1. Rectification of misclasslifications in the Cash Books:

The following Inter Bank Transfers due to Misclassification in Cash Books relating to 1989-90 were required to be carried out during 1990-91.

S.No.	From	То	Amount Rupees
-	neous Account welopment A/c	Maintenance Grant Λ/c Do.	Rs. Ps. 2,055.20 4,352.00

ASSISTANT REGISTRAR (A/cs-I) UNIVERSITY OF DELHI DELHI-110007.

FINANCE OFFICER UNIVERSITY OF DEI HI DELHI-110007. TREASURER UNIVERSITY OF DELHI DELHI-110007.

STATEMENT NO. 4

# BALANCE SHEET OF THE UNIVERSITY MAINTAINED HALLS/HOSTELS AS ON 31-3-1990

As on 31-3-1989		FUNDS OF LI	ABILI	TIES											As on 31-3-1990
28,72,079	1.	Grants ·		•	•						,	,			32,71,390
5,48,946	2,	Cautions Money	•	v	•			•		•	•	•			5,89,071
5,200	3,	Security ·	•		•			•	•	•	•	•	•		5,200
92,677	4.	Other Deposit	•	•	•	•	•	•	•	•					1,15,044
2,000	5.	Endowment Fund							•	•	•				18,635
14,555	6.	P.F./G.P.F. A/c.	•		•	•	•	•	•	•	•	•			14,555
1,52,483	7.	Hostel Developme	nt Fu	nd	•	•	•	•				•	•	•	1,52,483
4,09,406	8.	Amount Payable	•	•		٠	•	•	•	•	•	•	•	•	46,46,898
1,44,533	9.	Excess of Incom	c Over	Exp	oenditu	ιΓο	•	٠	•	•	•	•	•	•	46,958
42,41,879		TOTAL ·				•	•				•			•	46,60,594

# BALANCE SHEET OF THE UNIVERSITY MAINTAINED HALLS/HOSTELS AS ON 31-3-1990

As on 31-3-1989	ASSETS				-					,			As on 31-3-7990
8,66,890 20,46,008	Building     Furniture & Equipment	•	•	•	•.	•.	•	•	•	•	•	:	8,66,890 24,37,319
2,91,537	3. Investment	•	•	•	•	•	•	•	٠.	•	•		4,68,296
16,500	4. Security · ·	٠	٠	•	•	•	•	٠.	•	٠.	•	•	. 24,500
5,500	5. Permanent Advance	•	•	٠	٠	•	•	٠.	•		٠.	•	500ر5 ک
2,16,110	6. Other Advances .	•	•	- <b>.</b>	•	•		٠.			•	•	1,33,758
41,230	7. Amount Receivable		•			•		.•		.•		•	56,930
1,52,483	8. Hostel Development	• ′		·	•	•		•	•	•	•	• -	1,52,483
12,071	9. Conveyance Loan ·	٠	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	10,165
5,93,550	10. Cash at Bank · ·	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	5,04,753
42,41,879	TOTAL	_,	-	•	•	•	•	٠٠		•	•	•	46,60,594

ASSISTANT REGISTRAR (A/cs-I) UNIVERSITY OF DELHI DELHI-110007, FINANCE OFFICER UNIVERSITY OF DELHI DELHI-110007.

TREASURER UNIVERSITY OF DELHI DELHI-110007.

STATEMENT NO. 5

# INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT OF THE UNIVERSITY MAINTAINED HALLS/HOSTELS FOR THE YEAR 31-3-1990.

							During the Y	car 1989-90	
]	Name of Halls/Hostels	3				As on 31-3-89 Rs. Ps.	Income Rs. Ps.	Expenditure Rs. Ps.	As on 31-3-1990 Rs. Ps.
1.	Jublec Hall .	•			•	85,359.82	12,28,568.76	12,36,263.21	77,665.37
2.	Gwyer Hall ·	•		•		5,204.00	13,65,652.97	15,58,802.67	(←)1,87,945.70
3.	International Studer	t H	ousc			()70,350.95	9,20,623.98	8,51,276.48	()1,003.45
4.	P. G. Women Hoste	ı				16,185.44	12,83,943 -25	13,21,101.00	()20,972.31
5.	P. G. Men Hostel	•			٠	86,990.16	8,70,745.26	8,17,443.01	1,40,292.41
6.	Mansarover Hostel	•		•	٠	21,144.67	8,18,453.95	8,00,677.39	38,921.23
	TOTAL ·	•	<del>-</del> -	•	•	1,44,533.14	64,87,988.17	65,85,563.76	46,9.5755

ASSISTANT REGISTRAR (A/cs-I) UNIVERSITY OF DELHI DELHI-110007 FINANCE OFFICER UNIVERSITY OF DELHI DELHI-110007. TREASURER
UNIVERSITY OF DELHI
DELHI-110007.

STATEMENT NO. 6

# RECEIPTS/PAYMENTS ACCOUNT (INCLUDING OPENING & CLOSING BALANCE) OF THE UNIVERSITY MAINTAINED HALLS/HOSTELS FOR THE YEAR 31-3 · 1990,

1.8	No. Name of Hall	s/H	Ostols			Opening Balance as on 1-4-89 Rs. Ps.	Receipt During the year 1989-90 Rs. Ps.	Payment during the year 1989-90 Rs. Ps.	Closing Balance as on 31-3-1990 Rs. Ps.
ī,	Jublee Hall	•			•	2,35,448.27	13,06,610.44	13,22,438.88	2,19,619.83
2.	Gwyer Hall •	•	•		7 ·	53,506	14,37,370.11	14,70,766.34	20,110.29
3,	International Studen	t H	oușe	-	•	520.09	12,86,808.64	12,82,395.76	4,932.97
4.	P. G. Women Hoste	1 •	•	•	•	1,17,989.70	14,87,053.25	15,17,029.45	88,013.50
5.	P. G. Mon Hostel	•	٠.	. •	•	72,543.16	10,10,312.60	9,51,132.35	1,31,723.41
6,	Mansarover Hostel	•	•	. •	•	1,13,543.09	9,17,696.95	9,90,887.63	40,352.41
	TOTAL	•		٠.	•	5,93,550.83	74,45,851.99	75,34,650.41	5,04,752.41

ASSISTANT REGISTRAR (A/c%-I) UNIVERSITY OF DELHI DELHI-110007. FINANCE OFFICER UNIVERSITY OF DELIH DELHI-110007.

TREASURER UNIVERSITY OF DELHI DELHI-110007.

## DELHI UNIVERSITY PRESS

<del></del>	BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH, 1990	STATEMENT NO.
As on 31-3-1989	ASSETS	As on 31-3-199
Rupees		Rupees
6,86,852	1. Machinery, Furniture & Equipment 26,67,8 Less Depreciation 13,27,5	
2,35,498	2. Composing Materials Less 7,77,7 Depreciation 5,69,0	
13,66,244	3. Amount Receivable	13,08,30
	4. Stock in Hand:	
1,22,744	(a) Raw Material	1,95,1
24,158	(b) Finished Goods · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	54,37
3,96,142	5. Work in Progress · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	. 82,66
1,000	6. Permanent Advance · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	. 1,00
1,99,385	7. Cash at Bank · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	1,54,46
10,460	8. Festival Advance	10,46
23,01,735	9. Loss (Accumulated)	31,48,68
53,44,218	TOTAL · · · · · · · · · · · ·	65,04,12
As on 31-3-1989	FUNDS & LIABILITIES	As on 31-3-1990
Rupces	1. Grants:	Rupces
1,62,442	(a) UGC Special Grants · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	1,62,44
9,08,764	(b) Grant out of Block Grants	9,08,76
12,42,544	(c) Grant from Ford Foundation · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	12,04,30
_	(d) Plan Account (For purchase of machine)	5,36,00
25,000	2. Depreciation Reserve Fund · · · · ·	2,75,00
	3. Sundry Creditors :	
§ 34,281	(a) Receipts relating to other departments	- 10,62
1,21,715	(b) Deduction from Salary Bills	1,31,04
2,69,944	(c) Bills Payable	2,12,417
	4. Loans & Advances:	-,,14,
23,528	(a) Advance for work to be donc · · · · · ·	7,521
25,53,000	(b) Inter Bank Transfer · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	. 30,53,000
3,000	(c) Earnest Money · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	3,000

otes on Account: Assets: Sr. No. 3: Out of the outstanding amount of Rs. 13,08,300/- an amount of Rs. 4,63,099/- is due om the indentors other than the university and its departments.

# STATEMENT NO. 8

# PROFIT AND LOSS ACCOUNT FOR THE YEAR 1989-90

EXPENDITURI	3	1989-90	Previous Year	INCOME	1989-90	Previous Year
		Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
1. Opening Stock:	-			1. Receipts:		
(a) Raw Materials		1,22,744	1,04,920	(a) Printing & Binding		
(b) Finished Goods		24,158	_	Bills	27,37,836	
2. Work in Progress		3,96,142	1,18,939	(b) Sale of Waste Paper	41,518	_
3, Pay and				(c) Miscellaneous Receipts-		
Allowances 23,00	8,896.45			(lapsed deposits prior		
O.T.A. 21	<b>,59</b> 7.00			, to the year : 1986-87)	31,848	33,70,128
L.T.C. 34	835.00			2. Closing Stock :		
Tuition Fees 4,	149.00			(a) Raw Material	1,95,188	1,22,744
E.S.I.C. 27,	139.35			(b) Finished Goods	54,375	24,158
Bonus 1,28,	653.00	25,25,270	26,37,165	3. Work in Progress	82,667	3,96,142
4. Purchase of Raw Ma	terials	3,97,267	5,04,427	4. Loss	8,32,585	
5. Misc. Cont. Expendit	ure	99,759	1,11,439			
7. Work done through	gh outside.	6,375 3,23,729	6,457 2,87,267			
8 Depreciation :						
(a) Composing Mater	ial	28,259	51,533			
(b) Machinery, Furn Equipment	iture &	52,314	58,705			
9. Bank Charges		_	370			
10. Profit		_	51,990			
TOTAL	7	39,76,017	39,13,172	TOTAL:	39,76,017	39,13,172

# OFFG. MANAGER

# CONSUMPTION OF RAW MATERIALS FOR THE YEAR 1989-90

Item	Opening Balance as on 1-4-1989	Total bills paid during, the year 1989-90	Less bills paid in r/o previous year's	Add bills payable as on 31-3-90	Raw Material purchased during the year 1989-90	Raw Matczja) consumed during the year 1989-90	Closing Stock of Raw Matcrials 85 on 31-3-1990
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
Paper .	96,219	3,64,362	99,353	72,266	3,37,275	2,74,716	1,58,778
Binding Materials	19,791	-35,004	9,536	4,940	30,408	29,552	20,647
Mono Spools	' ==	. 3,009		<b></b> .	. 3,009	3,009	_
Lubricant	_	6,200			6,200	6,200	<del>-</del> .
Ink	. 6,733	15,714	_	4,661	20,375	11,345	15,763
TOTAL: .	. 1,22,743	4.24,289	1,08,867	81,867	3,97,267	3,24,822	1,95,188

STATEMENT NO. 9

# ABSTRACT OF RECEIPT & PAYMENTS AND CASH BALANCE: 1989-90

									Rs.	$\mathbf{P}_{\mathbf{S}}$ .
	Opening Balance as per Cash Book as on 1-4-1989		•				•	•	1,99,	,385,43
Add:	Receipt during the year including temporary $t_T ans f \epsilon_T$	•							48,53,	293.81
Less:	Payment during the year including temporary transfer	•	•	•	•	•	•		48,98,	213.35
	Closing Balance as per Cash Book as on 31-3-1990		-	-		•			1,54,4	65.89

- NOTE: 1. Out of Rs. 20,02,000/- transferred from Maintenance Grant Account during the earlier year, Rs. 2,00,000/has since been adjusted during the year 1989-90. Thus an amount of Rs. 18,02,000/maintenance Grant Account remained unadjusted as on 31-3-1990.
  - 2. Out of Rs. 5,31,000/- transferred from miscellaneous Account during the erlatic years, Rs. 5,60,00/- has been adjusted during 1989-90. During 1989-90 as further transfer of Rs. 12,00,000/- transferred from the Miscellaneous Account remained unadjusted as on 31-3-1990.

ASSISTANT REGISTRAR (A/cs-I) UNIVERSITY OF DELHI DELHI-110007. FINANCE OFFICER UNIVERSITY OF DELHI DELHI-110007.

TREASURER UNIVERSITY OF DELHI DELHI-110007.

#### AUDIT REPORT ON THE UNIVERSITY OF DELHI FOR THE YEAR 1989-90

#### 1. Introduction

The University of Delhi was established in May 1922 mainly to provide for instruction and research in several branches of learning, to award degrees and for that purpose to establish and maintain colleges, Halls and institutions. The University is financed mainly by grants from the University Grants Commission (UGC). During 1989-90 the University received Rs. 2,816.30 lakhs grant (Rs. 1972.95 lakhs Maintenance Grant account, Rs. 449.27 lakhs Plan Development account and Rs. 394.08 lakhs Miscellaneous account).

The accounts of the University are audited under Section 19(2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971. The annual accounts of the University for the year 1989-90 comprised of an abstract of Receipts and Payments of the University and its press, consolidated Receipts and Payments Account of the University Halls/hostels, Income and Expenditure Account of University, Profit and Loss Account of its press,

consolidated Income and Expenditure Account of University Halls/hostels and consolidated Balance Sheet of University maintained Halls/hostels and Balance Sheet as on 31st March 1990 of the University and its press.

# 2. Comments on accounts

2.1 The University had prepared consolidated annual accounts of its maintained Halls/hostels for the year 1989-90 but the same had not been incorporated in the main accounts of the University as required.

The consolidated accounts of the maintained institutions/colleges were also required to be submitted for audit and certification alongwith the University's main accounts. The accounts for the year 1989-90 had not been consolidated so far (February 1991).

#### 2.2 Valuation and verification of assets

The total value of assets acquired out of the grants upto the end of March 1990 as per Balance Sheet worked out to Rs. 4908.17 lakhs as shown below:—

S.N	Nature of asso	1 <b>s</b>				Т	otal value of assets
1.	Land						130.02
2,	Building						1615.29
3.	Furniture and equipments						1628.80
4.	Vehicles						24.39
5.	Science apparatus						153.71
6.	Books and periodicals .	•					1354.40
7.	Sports equipments and trop	hies					1.56
, <u>-</u>			То	tal:			4908.17

The value of assets shown in the Balance Sheet was not verifiable for the following reasons: (a)(i) the centralised assets register indicated under each of the above categories, only the total ammount of opening balance, the actual expenditure incurred during the year and the closing balance without details of any of the assets; (ii) the assets register maintained by the Departments excluded all assets costing less than Rs. 1000 each and the progressive totals had not been struck by any of the departments; and (iii) no reconciliation between the two sets of registers had ever been done.

(b) The details of all land and buildings i.e. Khasra No., Plot No. of land, its boundaries, value of each item and the approved design were required to be entered in the property register maintained in the Engineering Department of the University. The property register had not been maintained properly. Similar irregularities had also been pointed out in the Audit Reports for 1987-88 and 1983-89.

## 2.3 Provident Fund Account

The liabilities of Provident Fund had been shown as Rs. 2458.52 lakhs in the Balance Sheet of the University as on 31st March 1990. The amount could not be verified nor could the exact liability on acount of Provident Funds ascertained as the work relating to completion and squaring up of broadsheets of Provident Funds was in arrear since 1984-85 despite the fact that a special cell had been created in July 1978. There was a difference of Rs. 5,52,713.88 between the account figures and the total of balances in individual accounts at the end of 1983-84 which was yet to be reconciled. The University stated, in March 1991, that the broadsheet for the year 1984-85 had been taken up, that

all out efforts were being made to speed up the work and that the discrepancies were being adjusted in the current year.

## 2.4 Other deposit account

A sum of Rs. 35.37 lakhs had been shown on the liabilities side of the Balance Sheet as on 31st March 1990 under the head "Other deposit account". A scrutiny of the broadsheet maintained for such transactions revealed the following:—

(i) Balance as on 31st March 1990 against these heads were as under :—

;	S.No.	Nam	aof	head	of A	Accou	ınt				Balance as on 31st March 1990 (In Rupees)
1.	Deposits .		•	•				•			12,18,117.62
2.	Other depos	its .									21,55,328.92
3.	Deductions f	rom s	alary	bills		•	•	•	•		1,63,994.67
							T	otal:			35,37,441.21

No susdidiary record was made available to audit to indicate party-wise and year-wise details of the transactions with the result that the correctness of the balances could not be verified.

(ii) Under the sub-head deductions from salary, there were minus balances in respect of certain units of the University as detailed below:—

Head of account						•			Amount in Rupees
Non-Plan:				· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	 o. <del>O., o </del>				Princip (many finish game, Princip game, Major) (Princip Game)
Main Campus							. •		()1,810.20
South Delhi Ca	mpu	S							(-)2,07,250.54
Social Work		•	•		•	•	•	•	()15,514.66
Plan Account									
South Dolhi Ca	mpu	s							(-)47,244.39
Asiad 1982									(-)4,337.92
Staff quarters									(-)3,550.45

Normally the remittances should not exceed the recoveries made. However, from the position mentioned above it appeared that the remittances exceeded the recoveries effected from the salary bills. The University stated in March 1991, that the reasons were being looked into.

# 2.5 Outstanding advances

A sum of Rs. 307.19 lakhs on acount of advances paid

to suppliers, for purchase of stores, equipment, building materials, University departments for holding conferences, seminars, payment of custom duty, opening of letters of credit for importing of plants and equipments and chemicals from abroad which were charged to final head of account was outstanding as on 31st March 1990 as detailed below:—

										Rupee	s in lakhs
1.	Building					•	•				22.94
2.	Furniture and equipmen	s .		•	à			. •			94.13
3.	Science apparatus .										3.73
4.	Books and periodicals			•							1.38
5.	Vehicles			٠		•					3.40
6.	Research Schemes .					٠	۵				93.30
7.	Seminar followships										3.74
8.	Other advances charg	$\circ \mathbf{d}$	io	incor	ne	and					
	expanditure account or	resp	ecti	ve ye	ars	•	•		•		84.57
						Total:				سدم بجمعيط الانتزاسيده وسينا	307.19

Out of the above amount, advances amounting to Rs. 5.81 lakhs, Rs. 7.99 lakhs and Rs. 55.33 lakh pertained to the previous years upto 1986-87, 1987-88 and 1988-89 respectively. These advances were required to be adjusted before the close of the financial year in which these advances were paid. The University could not furnish the reasons for non-adjustment of advances. The University stated, in

March 1991, that the outstanding advances had been brought down to Rs. 141.09 lakhs as on 31st December 1990.

Advances amounting to Rs. 73.37 lakhs paid to various colleges/institutions for conducting examinations were outstanding due to non-submission of adjustment bills as per year-wise details given below:—

Year									Amount (in lakhs)
1981-82		•							0.61
1982-83			,						0.19
1983-84	•								0.23
1984-85									0.24
1935-86		•							0.96
1986-87									0.97
1937-88									5.07
1988-89									23.59
1989-90	•			•	•	•	•		41.51
						Т	otal:		73.37

No adjustment was made during the year against the advances paid upto 1986-87. The oustanding advances had increased from Rs. 33.96 lakhs in 1988-89 to Rs. 73.37 lakhs in 1989-90. The University stated, in March 1991, that the outstandings had been brought down to Rs. 53.03 lakhs as on 1st February 1991.

## 2.6 Amount receivable

The amount of Rs. 3.99 lakhs shown on the assets side of the Balance Sheet as amount receivable comprised of Rs. 1.73 laks as dues of computer centre, Rs. 1.34 lakhs on account of licence fee etc. recoverable from allottees of residential accommodation, Rs. 0.01 lakh as fee due from students, Rs. 0.49 lakh and Rs. 0.42 lakh on account of dues of guest house and royalty charges respectively. The recovery of royalty of Rs. 0.42 lakh due from a publisher was outstanding since 1978 and the case was under arbitration. The University

stated, in arch 1991, that out of the outstandings, Rs. 0.53 lakh had since been cleared.

#### 2.7 Amount payable

The amount of Rs. 144.18 lakhs shown on the liabilities side of the Balance Sheet as amount payable comprised Rs. 70.92 lakhs on account of books purchased, Rs. 1.93 lakhs relating to University Engineer on account of other charges, Rs. 0.21 lakh on account of purchase of equipment, Rs. 0.26 lakh and Rs. 70.86 lakhs on account of building and other charges respectively. The amount of Rs. 1.93 lakhs relating to University Engineer was payable for earlier years, the details of which were not made available.

#### 2.8 Non-maintenance of broad sheet

The following loans and advances appeared on the assets side of the Balance Sheet as on 31st March 1990.

S.No	). Head						Amount (Rupces in lakhs)
1	House building loan		 	 			647,94
2.	Conveyance loan .				•	*	13.70
	(out of Revolving Fur	ıd)					

The correctness of the amount shown against house building loan could not be verified as the broad sheet was not closed since 1986-87.

Against the amount of Rs. 13.70 lakhs (Rs. 13,69,788) shown as conveyance loan (out of revolving fund in the Balance Sheet included in Rs. 14,91,511 shown against other advances), the amount as per the employee-wise broadsheet was Rs. 13.31 lakhs (Rs. 13,31,388). The difference of Rs. 38,400 had not been reconciled. Though

the non-maintenance of ledgers/broad-sheets was mentioned in the Audit Report for 1988-89, the difficiency still continued (March 1991).

#### 2.9 Bank reconciliation

The University operated 76 bank accounts in 1989-90. A review of the bank reconciliation statements upto March 1990 revealed differences between the balances shown in the bank pass books and the University's cash books which had been settled as per details given below:—

	Differ	Difference outstanding for							
Particulars -	Over 3 Years	botween 1-3 years	Less than 1 year	Total					
	programme and the second secon		(Rupee	s in lakhs)					
1. Amount credited by the bank but not appearing in the cash book.	2.24	9.79	5.09 104.82	5.88 105.27					
2. Cheques issued but not encashed	0.01	0.44	109.84	103.27					
3. Debits given by the bank but not withdrawn/accounted for	1.64	.4.49	5,.27	11.40					
4. Amount remitted to bank but credit not allowed by the bank	0.40	0.81	35.72	36.93					
	2.05	6.53	150.90	159.48					

— ....<u>.:==.;</u>=- ..<u>....</u> _ -------

Bank reconciliation in respect of one bank account was in arrears since November 1989.

#### 2.10 Depreciation Reserve Fund

An amount of Rs. 67.26 lakhs had been shown as "Depreciation Reserve Fund" on the liabilities side of the Balance Sheet as on 31st March 1990. The approval of the UGC/Government of India for creation of such reserve had not been obtained. As the University was fully funded by the UGC through grants-in-aid, the creation of Depreciation Fund Without the approval of the grantor was irregular.

#### 3. Un-utilised grant : Plan-Development account

A sum of Rs. 249.36 lakhs had been shown as unutilised grants-Plan-Development account on the liabilities side of the Balance Sheet as on 31st March 1990. Against this, the University had Rs. 134.04 lakhs in Plan-Development Investment account and Rs. 146.53 lakhs as closing balance as on 31st arch 1990 under Plan-Development account totalling to Rs. 280.57 lakhs. In addition to closing balance of Rs. 3.65 lakhs relating to "Japanese grant", "Asiad 82" and "Staff Quarters", shown under "Miscellaneous Account" should have been shown under Plan Development account. Thus there was a difference of Rs. 34.88 lakhs between the balance in the asset and liabilities sides which had not been reconciled.

#### Excess expenditure over and above sanctioned funds— Maintenance grant

Against the revised estimates for the year 1989-90 for Rs. 2,115.61 lakhs which included deficit balance of

Rs. 57.77 lakhs upto 31st March 1989, the U.G.C. sanctioned grant of Rs. 2.017.95 lakhs and released fund of Rs. 1,997.95 lakhs under 'Non-Plan' during 1989-90. The University did not restrict its expenditure within the sanctioned funds and made net payment of Rs. 2,032.01 lakhs showing deficit of Rs. 34.06 lakhs (Rs. 2,032.01 lakhs—Rs. 1,997.95 lakhs) during 1989-90. The total deficit had thus accumulated to Rs. 91.83 lakhs (Rs. 57.77 lakhs upto 31st March 1989 + Rs. 34.06 lakhs for 1989-90). The excess expenditure over and above the sanctioned funds had been incurred without the approval of the U.G.C. The University stated that the deficit was met out of the advance grant for Rs. 135.00 lakhs released by U.G.C. for the year 1990-91. In addition to above, the University had also created liability of Rs. 144.18 lakhs during 1989-90 towards purchase of books, equipments and service charges.

The University stated, December 1990, that the actual deficit as on 31st March 1990 was for Rs. 71.83 lakhs after taking into account Rs. 20.00 lakhs received during May 1990. As regards the liability of Rs. 144.18 lakhs, a provision of Rs. 74.00 lakhs had been made in the revised estimates for 1990-91 (Maintenance grant) and for the liability on account of periodicals, the U.G.C. had agreed for provision under Eighth Plan and provided Rs. 16.00 lakhs in sub-plan during 1990-91.

#### Outstanding dues of University Press-Amount receivable— (Rs. 13.08 lakhs)

The dues of the Press recoverable from the departments, colleges, outside praties etc. as on 31st March 1990 amounted to Rs. 13.08 lakhs as detailed below :---

ear from w	hich	duc						Am	ount (in lakhs)
975-76 to			 					 	
980-81 .								_	1.70
981-82				•		•			0.63
982-83 .						•	-		0.14
983-84 .						•	•		0.53
984-85 .							·		0.48
985-86 .				•					0.38
986-87 .									0.24
987-88 .									0.33
988-8 <b>9</b> .									0.32
989-90 .						•			8,33
					T	otal:			13.08

Out of Rs. 13.08 lakhs, an amount of Rs. 4.63 lakhs was recoverable from indentors other than the University and its departments. A perusal of the records revealed that a sum of Rs. 0.10 lakh pertaining to the year 1967-68 to 1974-75 was written off by the Executive Council in December 1989. The progress of recoveries was very slow as out of Rs. 4.25 lakhs recoverable upto the year 1986-87 as on 31st March 1989, only a sum of Rs. 0.14 lakh was recovered during the financial year 1989-90. The University stated, in March 1991, that the position of outstanding dues as on 14th January 1991 was Rs. 5.97 lakhs.

- 6. University Press-Loss (accumulated) -- Rs. 30.53 lkahs
- 6.1 The University had been running a printing press departmentally on commercial lines since 1971-72. The press had been running into losses except for the year 1987-88 and 1988-89 when the profit earned was Rs. 3.97 lakhs and Rs. 0.44 lakh respectively. The position of cumulative losses at the close of the years from 1983-84 to 1989-90 was as under :—

Year											Amount (in lakhs)
1983-84							<u> </u>				(2.82
1984-85 .											17.85
1985-86 .											19.73
1 <b>9</b> 86 <b>-8</b> 7 .		•									27.43
1987-88 .											23.46
1988-89 .											23.02
1989-90 .											31,49

Such losses were being met by obtaining interest free loans and by transferring the funds from other accounts of	the University. The position of loans etc. at the end of 1989-90 was as under:—
Accounts from which loan etc. was obtained	Amoun! (Rupces in lakhs)
Miscellancous account	

It was observed that the amount of loans had increased from Rs. 18.51 lakhs in 1985-86 to Rs. 23.43 lakhs in 1986-87, Rs. 24.68 lakhs in 1987-88, Rs. 25.53 lakhs in 1988-89 and Rs. 30.53 lakhs in 1989-90. A committee set up in June 1985 for implementation of the report of High Power Committee appointed during April 1982, to examine the administrative set up of the press had submitted its report in March 1986. This report was examined by another committee which was asked to give its recommendations after examining the financial and managerial aspects of the working of the University Press. The Executive Council in its meeting held in May 1987 considered and accepted the recommendations of this Committee. The University had stated, in September 1989, that all the recommendations of the Committee had been implemented. Inspite of this, the cumulative losses after having been marginally reduced from Rs. 23.46 lakhs to Rs. 23.02 lakhs in 1988-89 had again increased to Rs. 31.49 fakhs as on 31st March 1990.

# 6.2 Incorrect depiction of sale proceeds of the machine—

The Ford Foundation provided, in July 1974, a grant of Rs. 12.42 lakhs in the form of machinery to the University Press, out of which a printing machine (original Heidelburg Cylinder 57 × 82 cm.) costing Rs. 1,22,875 was sold for Rs. 2.50 lakhs during 1989-90. Its depreciated value was Rs. 38,328 after charging depreciation to the profit and loss account as on 31st March 1989. The sale proceeds of the machine were not treated as income but were credited to Depreciation Reserve Fund. The approval of U.G.C. for creation of Reserve Fund had not been obtained. Further against the original cost of Rs. 1.23 lakhs, only depreciated value of the machine i.e. Rs. 0.38 lakh was written off from the capital fund of Rs. 12.04 lakhs shown on the liabilities side of the Balance Sheet. Thus the Balance Sheet did not reflect true financial state of affairs of the University Press.

#### 6.3 Non-depiction of correct figures of assets

An offset printing machine "Roto Print" was purchased for Rs. 6.61 lakhs in May 1989 by the University Press out of Plan funds (Rs. 5.36 lakhs) and depreciation Reserve Fund (Rs. 1.25 lakhs). Against this the cost of the machinery had been shown as Rs. 6.76 lakhs, part of Rs. 13.40 lakhs shown on the assets side (Statement of Assets) of Balance Sheet (Press). Thus there was a difference of Rs. 0.15 lakh and the assets had been overstated to that extent. The University stated, in March 1991, that the difference represented accessories procured during installation. It was, however, noticed in audit that this expenditure related to consumables such as ink, chemicals, etc. and not accessories.

#### 7. Computer centre—outstanding bilis

The University had a computer, which was being utilised by it as well as other agencies on payment basis. A sum of Rs. 1.73 lakhs was recoverable from various departments/colleges of University and other agencies as on 31st March 1990. The recoveries related to the years 1972-73 and onwards. There had been no progress in the recovery of outstanding amounts upto 1984-85. The University stated, in March 1991, that outstanding dues had been brought down to Rs. 0.61 lakh as on 5th February 1991.

#### 8. Amount overspent in respect of specific schemes/projects

The amount of Rs. 33.94 lakhs shown on the assets side of the Balance Sheet under the head 'Other grants and amount recoverable' represents the net effect of transactions relating to grants/assistance received from Government of India and other agencies for specific purposes/projects as per details given below:—

			Opening balance as on 1st April, 1989	Receipts during the year	Paymen's during the year	Closing balance as 31st March, 1990
1.	Grants (129 schemes) .		()28.18	(R) 3.55	upoes in lakhs) 5 8.26	()32.89
2.	Other schemes (40 schemes)		(-)1.79	7.64	6.90	()1.50
		-		The control of the co	Total:	()33.94

In some cases, the expenditure was incurred over and above the grants/assistance received. The excess expenditure had been meet out of the savings under other heads and from maintenance grant. Thus there was diversion of funds from one head of account to another. In certain cases minus balances were appearing since 1985-86 and no money had been received from the spensoring agencies since then. The University could not furnish records showing the number of the schemes completed, utilisation certificates furnished to the spensoring agencies, and the ongoing schemes in progress (November 1990). No reply from the University has been received in this connection so far (March 1991).

# 9.1 Non refund of Rs. 400.97 lakhs to U.G.C. in respect of employees contribution to Provident Fund.

(i) The existing employees who joined service prior to 1st January 1986 were given option from time to time to opt for the General Provident Fund-cum-pension-cum-Gratuity Scheme. In the case of employees who had opted for the scheme, employer's share towards contributory Provident Fund plus interest thereon was required to be withdrawn from their accounts and refunded to the U.G.C. The University withdrew the employer's share plus interest

thereon in respect of those employees who opted for General Provident Fund-cum pension-Gratuity Scheme and the total amount accumulated on this account was Rs. 500.97 lakhs as per records (file) of the University as on 31st March 1990. Out of the amount of contribution which was to be refunded, the UGC permitted the University to utilise Rs. two crores towards meeting parily the expenditure on construction of staff quarters (Housing Scheme) estimated to cost Rs. three crores approved by the UGC. Out of the amount of Rs. two crores, the utilization of Rs. one crore for construction of staff quarters was subject to the approval of the Government of India. The University had, however, utilised Rs. 214.28 lakhs upto 31st March 1990 against the approved amount of Rs. one crore without prior permission of the U.G.C./Government of India and also not refunded the balance amount of Rs. 286.69 lakhs (Rs. 500.97 lakhs Rs. 214.28 lakhs).

The University stated in March 1991 that for the utilisation of balances in this account for meeting the expenditure on staff quarters, the permission of U.G.C. was sought and that U.G.C. had granted approval subject to Government sanction. No approval of Government was, however, available for the diversion (if) Against the unspent amount of Rs.

286.69 lakhs (Rs. 500.97 lakhs less Rs. 214.28 lakhs) which was to be refunded to the U.G.C. the amount shown in the Balance Sheet was Rs. 276.61 lakhs. The discrepancy had not been reconciled/explained by the University.

#### 9.2 Physical verification (Library)

Delhi University library system comprising of Central Library and 23 constituent units had a collection of 11,449,873 books as on 31st March 1989. The first complete physical verification of the library was conducted in 1941 and thereafter in 1971 when 53,077 books out of 3.86 lakhs books were found missing/lost. As a result of follow up action on the findings of stock verification conducted in 1971 a stock verification committee was set up towards the end of 1976. The stock verification committee of the library decided to create a stock verification cell in December 1976. The stock verification cell consisted of sanctioned strength of one Professional Junior, One Professional Assistant, 2 Library Clerks, and two Library Attendants.

The verification committee decided in March 1977 to complete one circle of de-novo stock verification of about 6 lakhs volumes existing as on 31st March 1977 in a phased programme by 31st December 1982. It was also decided that the stock verification of books added between April 1977 and December 1982 would be taken up in the second round of stock verification after the completion of the first round.

As a result of partial stock verification conducted between March 1977 and March 1984 books numbering 396084 out of 600000 (existing as on 31st March 1977) had been physically verified.

The Executive Council decentralised the library system in March 1983 and the work of stock verification was entrusted to respective units of the library system. Though the stock verification committee, in April 1984, suggested that the desirability of retaining the posts and justification for continuing the verification Cell should be examined by the University Library Committee, no decision had been taken and the posts sanctioned for verification cell had been continued even after decentralisation of work. The University stated, in October 1989 that the stock verification Cell continued thereafter but its staff was merged with the staff of the system except Professional Junior and 32,273 books were verified between April 1994 and March 1986. The University did not furnish the details of work done after March 1986 on the ground that the staff was merged with the system. The University, however, stated in December 1989 that the Professional Junior, Professional Assistant and two Library Attendants had been utilised against vacant posts in the library system from 1984-85, 1985-86 and 1987.

Thus the stock verification of above 6 lakh volume of books as on 31st March 1977 which was required to be completed by 31st March 1982 had been done only upto 66 percent by September 1990. The second round of stock verification of books added during April 1977 to December 1982 had also not been taken up.

# 9.3 Irregular payment of Rs. 26.17 lakhs (Approx.) to staff

The UGC conveyed its approval in April 1985, to the revision of the pay scale of Senior Laboratory Assistant of the University (SLAs) from Rs. 380-560 to Rs. 425-640 with effect from January 1973 on the conditions that no arrears would be paid on this account and that it would be treated as notional revision. Accordingly, the Executive Council (Council) of the University passed a resolution in October 1985 to revise to the pay scale of pay of SLAs to Rs. 425-640 on terms and conditions agreed to by the UGC. The Council also resolved that UGC be requested not to treat the revision as notional but to pay arrears to incumbents concerned from January 1973 onwards.

The U.G.C. did not, however, agree (February 1973) to the proposals of the University made in December 1985 and again in November 1988, for payment of arrears to the incumbent SLAs from January 1973 onwards. Nevertheless, the University issued a circular in June 1989 to all the Principals/Heads of Departments to make payment of arrears to the Senior Laboratory Assistants placed in the revised scale of Rs. 425-640 upto April 1985. Simultaneously in June 1989

the University requested the UGC to give necessary directions for release of funds to the University and its colleges for payment of arrears for the said period from 1st January 1973 to 14th April 1985. The UGC expressed in September 1989 its inability to accept the request of the University as this would create problems for other Central Universities. Thus the payment of arrears on account of revision of pay scale of SLAs in violation of U.G.C. directive, resulted in irregular expenditure of Rs. 26.17 lakhs. The University stated in October 1990 that it had neither included the amount of arrears in its budget not received any grant from UGC for this purpose.

The University stated, in December 1989, that the Council had been vested with powers to create administrative, ministerial and other necessary posts and to determine the emoluments of such posts and the reference to the UGC was only in the context of getting additional funds for meeting the expenditure However, the reply of the University was not tenable as the University is fully funded by the UGC and the UGC determines the quantum of assistance which is determined on the basis of approved scales of pay. Further as per UGC orders of August 1988, Central Universities had to seek the prior approval of the UGC in respect of revision of existing scales of pay.

9.4 Delay in execution of major works resulting in blocking of funds and increase in cost of projects—South Campus.

During the period 1984-81 to 1989-90, the South Delhi Campus of the University undertook 20 major works each costing more than Rs. 5 Takhs at a total tendered cost of Rs. 488.32 lakhs. These works were scheduled for completion between August 1985 and June 1990.

Test check of records relating to these works revealed that 10 works at tendered cost of Rs. 301.80 lakhs which were scheduled for completion between June 1988 and January 1990 were still in progress involving delays ranging from 2 months to 26 months as on 31st August 1990. The remaining 10 works of tendered cost of Rs. 186.52 lakhs were completed after delays ranging from 10 to 60 months. In respect of 9 works final bills were yet to be prepared.

Delay in execution of works caused blocking of funds, besides increase in expenditure on works arising from escalation in prices of materials, wages of labourers, etc.

# 9.5 Avoidable extra expenditure

Item rate tenders for the work 'construction of academic complex, South Campus, Dhaula Kuan, New Delhi sub head Library Building' estimated to cost Rs. 47.86 lakhs (based on DSR 1981) were invited in May 1985. In all five tenders were received; the lowest offer of contractor 'A' at 33.42 percent above was rejected on the ground that the progress of another work being done by the contractor was not satisfactory. The second lowest offer of contractor 'B' at 51.1 percent above also could not be availed of as the validity period of the tender had expired.

Thereafter, tenders were re-invited from nine selected firms after giving pre-qualification tender notice in November 1985. In response, four tenders were received. The lowest tender received from contractor 'C' at 75.49 percent above the estimated cost was rejected on the ground that the contractor filed unrealistic rates for some items and had executed worked mainly in Orissa and had no works of specialized importance to his credit in Delhi except a pavillion for Orissa Government. The work was awarded to the National Building Construction Corpn. (NBCC) at the negotiated rate of 85.50 percent above (DSR 1981) in May 1986 to be completed in 18 months. The following points were noticed in audit:

- (i) Although the formal acceptance of the plans and preliminary estimates was conveyed by the UGC in June 1985, the work could be started only in May 1986 on account of delay in finalisation of tenders.
- (ii) The failure of the University to avail of the offer of contractor B for undertaking the work at 51.1 percent above the schedule of rates resulted in avoidable extra expenditure of Rs., 16.47 lakes.

The University had paid interest free mobilization advance of Rs. 8.88 lakes to the NBCC in August 1986, this was also in contravention of the orders of the Government of India dated 15th July, 1983 according to which mobilization advance limited to a minimum of 10 percent of the estimated cost put to tenders of Rs. one crore, whichever was less, could be paid to a contractor only in respect of works costing Rupees one crore and above.

The University stated that keeping in view the condition regarding the payment of mobilization advance, which was accepted by the Executive Council of the University, it worked out to just 10 percent of the cost of the work and that the University being an autonomous body, orders of the Government of India were not as a matter of routine applicable to the University unless adopted by it. The reply of the University was not tenable because the University had not framed its own rules and regulations, duly approved by Government; in absence thereof, Government's rules and regulations are, in practice, adopted by the University.

9.6 Extra available expenditure of Rs. 5.98 lakhs and nonrecovery of advances of Rs. 4.55 lakhs.

Tenders for the work 'Construction of Boys' Hostel at South Delhi Campus Subhead Building Work including santary installations at an estimated cost of Rs. 16.04 lakhs based on DSR 1981 were invited in October 1986. Two tenders received from Contractors A and B were not opened as it was considered that contractor 'A' was already doing the work of S.P. Jain Centre and construction of Science Block, the progress of which was not satisfactory and the other contractor B' had already been awarded the development work of South Campus. The work was therefore awarded to the NBCC in May 1987 at the negotiated rates of 103.43% above the estimated cost, to be completed in a period of 12 months by May 1988.

While submitting the revised estimates to CPWD for approval, the Superintending Engineer, South Campus stated that the cost of the project had increased from Rs. 57.00 lakhs to Rs. 69.39 lakhs due to increase in cost index as well as due to award of work to NBCC at higher rates over and above the prevailing market rates. As per Government of India orders, NBCC could get price preference upto 10 percent only over and above the market rates whereas the work was awarded at 33.5 percent higher rates over the prevailing market rates. Thus due to injudicious decision to award the work to NBCC the University had to incur extra expendiure of Rs. 3.05 lakhs upto IX running bill which was passed for payment on 11th May, 1989. The NBCC had passed for payment on 11th May, 1989. The NBCC had suspended the work with effect from 24th February 1989 as the University did not make payment of its bills due to nonreceipt of grants and it was mutually decided in the meeting held on 20th July 1989 that the work may be considered as closed in the interest of both the parties. A total payment of Rs. 34.10 lakhs which included mobilization advance of Rs. 3.31 lakus was made to NBCC till then. After adjustment of recovery of mobiliation advance and secured advance for steel through running bills a sum of Rs. 4.55 lakhs (Mobilization advance Rs. 2.29 lakhs + Secured Advance of Rs. 2.26 lakhs) was still to be recovered from NBCC.

As a result of abnormal delay, the cost of the project had escalated from Rs. 57 lakhs to Rs. 69.39 lakhs as approved by the CPWD on 19th July 1989. Delay in completion of work not only caused blocking of funds but also increase in expenditure on works arising from escalation in the prices of material, wages of labour, etc.

The remaining work estimated to cost Rs. 5.41 lakhs was awarded for Rs. 8.03 lakhs to another contractor already working on Life science Block and Housing Complex. The original cost of the work left by the NBCC was for Rs. 5.10 lakhs (tendered cost Rs. 32.63 lakhs-cost of work done Rs. 27.53 lakhs). Thus the University had to pay extra amount of Rs. 2.93 lakhs by getting the work executed through another contractor.

The matter between NBCC and University regarding the amount payable to NBCC for the work done was under arbitration.

9.7 Loss of revenue due to non-allotment of flats caused by delay in construction of flats (South Campus)

The construction of 60 houses at South Campus was undertaken in March 1984 under Rs. 3 crores scheme of University. Tenders for the work "Construction of Housing complex at South Dethi Campus Subhead Construction of Type 1, 11, 11, IV & V Flats" at an estimated cost of Rs. 52.53 lakhs were invited on 7th May 1984. The last date for the receipt of tenders was 12th June 1984. In response 5 tenders were received. The work was awarded at 17.35 percent above to the lowest tender in August 1984 to be completed by February 1986.

The University granted extension of time for 6 months on 10th August 1987 sought by the contractor, but no progress was made. The University, therefore, rescinded the contract on 31st March 1988.

Fresh tenders for remaining work were invited through press advertisement at an estimated cost of Rs. 43.84 lakhs in August 1988 and the work was awarded to contractor B at 65.41 percent above the estimated cost for completion by May 1989. The work was_still in progress. The contractor had executed work of the value of Rs. 38.75 lakhs upto October 1990.

Thus inordinate delay in completion of work, which was still in progress, caused besides blocking of funds, increase in the cost of the project.

9.8 Acceptance of tender at higher rates

The work of "Construction of Science Block and Administrative Block at South Campus Subhead-Electrical Installation" estimated to cost Rs. 23.98 lakhs (D. S. R. 1988)

was awarded in November 1989 to contractor A, the third lowest tenders for Rs, 25.84 lakhs at 7.75 percent above the estimated cost. The work was to be completed by August 1990 i.e. within nine months from the date of contract. The administrative approval of the competent authority was not obtained before the start of work.

The rates of first lowest tender which were 4.84 percent below the estimated cost were rejected on the plea that the rates quoted for certain items were abnormally low and the contractor was not working contractor of the University. This was inspite of the fact that the contractor was registered with CPWD and was doing work for other educational institutions. The offer of second lowest tenderer was also not accepted on the ground that the financial implication of the condition put forward by them could not be worked out and that the contractor was not experienced in handling electrical installation in institutional buildings. Further, even though the contractor A to whom the work was finally awarded did not furnish the earnest money in proper form as per terms and conditions of Notice Inviting Tender at the time of submission of tender, his tender was considered and University awarded the work to them.

The work which was to be completed by Aug. 1990 was still in progress (September 1990). The progress of the work was very slow as upto September 1990 only eight percent work had been completed.

The work which was to be completed by Aug. 1990 was still in progress (September 1990). The progress of the work was very slow as upto September 1990 only eight percent work had been completed.

9.9 Extra expenditure due to award of work at higher rates

Item rate tenders for the work development of Land South Campus—SH Sewerage, Drainage water supply etc. estimated to cost Rs. 15.20 lakhs (based on DSR 1985) were invited in March 1989. Only one tenderer furnished rates for Rs. 21.47 lakhs which were 41.21 per cent above estimated cost which were accepted keeping in view the justification of 50.44 per cent above DSR 1985 prepared by the University. The work was started in September 1989 and due for completion in June 1990 within nine months.

The estimates of Rs. 15.20 lakhs (DSR 1985) included 43 items of work for Rs. 6.00 lakhs which were worked on the basis of prevailing market-rates. Thus the justification for the rates 50.44 per cent above DSR was not prepared correctly and the rates of 41.21 per cent above estimated cost which

was accepted were not justified. These facts were not brought to the notice of the Work Advisory Committe while approving work award. This resulted in acceptance and consequently payment of higher rates of single tender to the extent of Rs. 1.66 lakhs over and above the justified rates of Rs. 19.80 lakhs worked out as under:—

											(Rupees in lakh)
1.	Total estimated cost of the work put to tender .			_	•		•	-			15.20
2.	Less 43 items worked out on market rates										6.00
3.	Estimated cost of items of work based on DSR-1985		•			•			٠.		9.20
4.	Add 50.44 per cent above DSR 1985 as justified by the U	Jniversity							-	•	4.60
5.	Add noms estimated at market rates		•		-						6.00
• -	-	Total	(3+4	+5)	•	•	•	•	•	•	19.80
	Cost of tender accepted		•	•	•		•		•		21.46
	Accepted payment of excess amount over and above the j	justified a	noun	t 	· _						1.66

The work was still in progress and no extension of time had been granted so far (September 1990).

The University stated, in March 1991, that it had adopted marked rates for some of the items on the lower side so as to keep the estimated cost put to tender also on the low side and that due to financial constraints, the scope of work had since open modified and 12 items costing Rs. 0.64 lakh (corresponding cost as per) the accepted tender Rs. 1.18 lakh) were deleted from the scope of work.

#### 9.10 Epuipment lying idle

Government of Japan agreed in October 1984 to give a grant of 500 million, yen (about Rs. 3.30 crores) for the improvement of educational and research equipment as most of the equipments received under the Ford roundation grants had outlived their normal life and many other instruments obtained from the funds received from the UGC needed replacement. Orders for the required instruments were placed in March 1985 with the Japanese manufacturers/ suppliers who had their agents for providing after sales service in India. These instruments were received by the University during the period January to March 1986. Out of 18 equipments, 17 equipments costing Rs. 3.19 crores had since been installed. The remaining one instrument costing about Rs. 11.23 lakins had not been installed and put to use even after a lapse of four half years. The University did not furnish reasons for non-installation of equipment (March 1991). Further log books in respect of only seven instruments, which had been put to use, were maintained. In the absence of the log books in respect of remaining 10 equipments, it should not be ascertained that these instruments were being used to its optimum capacity.

The University stated in March 1991 that for the instrument costing Rs. 11.23 lakhs to be installed, the Indian agent had been asked to approach his Japanese principal for deputing an engineer.

9.11 Wasteful expenditure of Rs. 0.81 lakh on watch and ward of staff quarters besides of revenue on account of non-receipt of licence fee and payment of H.R..

Sixteen quarters out of 80 quarters (64-C and 16-D type) constructed by University at Reids Line for allotment for its staff had been lying vacant since completion in March-April 1989.

The Engineering Wing of the University had incurred an expenditure of Rs. 0.81 lakh on the watch and ward of these quarters from March 1989 to September 1990. This expenditure was charged to the contingencies of the above work without any provision in the sanctioned estimates. These quarters had not been handed over to Estate Branch for allotment to staff immediately on their completion.

The failure to hand over the staff quarters to Estate Branch for further allotment to staff had resulted not only

in avoidable expenditure of Rs. 0.81 lakin on watch and ward but also loss of revenue towards licence fee and extra expenditure on account of house rent allowance to staff. The University stated, in March 1991 that the said expenditure was necessitated to guard against the pilferage of fixtures and littings.

9.12 Non-accounting of sale proceeds of tender forms and expenditure incurred therefrom

A sum of Rs. 12,900 realised towards sale of tender forms by the Engineering Wing of Delhi University South Campus during 1989-90 had not been deposited in University account. This amount was retained and utilised for meeting day to day contingent expenditure of the Engineering Wing (South Campus). The records of the expenditure incurred were also not made available to Audit.

9.13 Delay in getting insurance claim (Computer Centre)

The University had acquired and installed a Computer IBM/360/44 out of Ford Foundation Grant at cost of Rs. 171.76 lakbs in 1971.

A fire broke-out in December 1985 in the air-conditioning room of the Computer Centre completely destroying the hardware and software components. The entire system was insured for Rs. 80,70 lakhs with M/s. United India Insurance while the actual cost of the equipment was worked out to Rs. 171,76 lakhs at the time of performing the claim with the Insurance Company. The Insurance Company had agreed to settle the claim for Rs. 48,25 lakhs out of which a sum of Rs. 42,04 lakhs had been received University. A sum of Rs. 6,21 lakhs due then had not been received so far (November 1990).

Further the University had not yet written off the value of the equipment which was damaged in the fire (December 1985).

DHARAM VIR

Director General of Audit Central Revenues Place: New Delhi, Dated 24-4-1991

#### AUDIT CERTIFICATE

I have examined the Receipt and Payments/Income and Expenditure Accounts for the year ended 31st March 1990 and the Balance Sheet as on 31st March 1990 of University of Delhi. I have obtained all the information and explanations that I have required, and subject to the observations in the appended Audit Report, I certify, as a result of my audit, that in my opinion these accounts and Balance Sheet are properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of the state of affairs of the University of Delhi according to the best of information and explanations given to me and as shown by the books of the organisation.

Place: New Delhi Date: 24-4-1991

(DHARAM VIR)
Director General of Audit
Central Revenues

प्रबन्धक, भारस सरकार मृत्रणालय, फरीदाबाद द्वारा मृद्रिल एवं प्रकाशन निर्मत्रक, विरुती द्वारा प्रकाशित, 1992 PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDADAD AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1992